मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज का 27 वां स्थापना दिवस समारोह

2025 के महाकुंभ में मुक्त विश्वविद्यालय अपनी भूमिका का निर्वाह करे– राज्यपाल

मुक्त विश्वविद्यालय युवाओं के सर्वांगीण विकास को समर्पित–जे पी नड्डा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज का 27वां स्थापना दिवस समारोह दिनांक 05 नवंबर, 2024 को आयोजित हुआ। स्थापना दिवस समारोह की ऑनलाइन अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने की।

मुख्य समारोह विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ नरेन्द्र कुमार सिंह गौर जी तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री अनंत विजय जी रहे। इस अवसर पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री भारत सरकार श्री जगत प्रकाश नड्डा जी का स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर वीडियो संदेश प्रसारित किया गया। तिलक हाल में कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का अध्यक्षीय उद्बोधन आनलाइन प्रसारित किया गया। अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यका मजी ने की।

उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ0 स्मिता अग्रवाल ने तथा कुलगीत निकेत सिंह ने प्रस्तुत किया। वाचिक स्वागत प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

उद्‌घाटन सत्र का संचालन करती हुई डॉ0 स्मिता अग्रवाल

कुलगीत प्रस्तुत करते हुए निकेत सिंह

मुख्य अतिथि पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ नरेन्द्र कुमार सिंह गौर जी, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री अनंत विजय जी एवं कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए प्रोफेसर पी० के० पाण्डेय

वाचिक स्वागत करते हुए प्रोफेसर पी० के० पाण्डेय

वर्तमान में दूरस्थ शिक्षा एक सजग माध्यम है : अनंत विजय

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री अनंत विजय ने कहा कि हमें अपनी सांस्कृतिक एवं भाषाई विरासत पर गर्व करना चाहिए। उच्च शिक्षा की विसंगतियों को दूर करने के लिए वर्तमान में दूरस्थ शिक्षा एक सजग माध्यम है। उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों में सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं सामाजिक तथ्यों के साथ–साथ भारतीय ज्ञान परंपरा के बारे में शिक्षकों को अपने छात्रों को जानकारी देनी चाहिए। श्री विजय ने कहा कि अकादमिक जगत और साहित्य में राष्ट्र, समाज और देश के प्रति दायित्व बोध आवश्यक है।

श्री विजय ने कहा कि अकादमिक जगत और साहित्य में राष्ट्र, समाज और देश के प्रति दायित्व बोध आवश्यक है।

मातृभाषा में शिक्षा आवश्यक है : डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर

स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय सिर्फ योजनाओं का निर्माण ही नहीं कर रहा है बल्कि नई शिक्षा नीति के अनुरुप योजनाओं एवं शिक्षण प्रक्रिया का क्रियान्वयन भी कर रहा है।

उन्होंने कहा कि मातृभाषा में शिक्षा आवश्यक है। वर्तमान समय में रोजगार परक एवं कौशल विकास के पाठ्यक्रमों के जरिए जन जन तक उच्च शिक्षा का प्रचार प्रसार आवश्यक है।

मुक्त विश्वविद्यालय युवाओं के सर्वांगीण विकास को समर्पित–जे0 पी0 नड्डा

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपना वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा कि शिक्षा में तकनीक, प्रौद्योगिकी और भारतीय ज्ञान परंपरा के समागम की परिणीति राष्ट्रीय शिक्षा नीति है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पाठ्यक्रम के जरिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय युवाओं के सर्वांगीण विकास को समर्पित है। हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता के जरिए अमृत काल में देश का युवा विकसित भारत का निर्माण कर सकता है।

2025 के महाकुंभ में मुक्त विश्वविद्यालय अपनी भूमिका का निर्वाह करे– राज्यपाल

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27 वें स्थापना दिवस समारोह को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित करते हुए मंगलवार को कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा रूपी प्रकाश की रश्मि से जीवन को प्रकाशमान करने का कार्य कर रहा है। अभी कुछ दिनों पूर्व हमने दीपावली का पर्व मनाया है । सभी जगह प्रकाश फैलाकर अंधकार को दूर किया है उसी प्रकार हमें शिक्षा का प्रकाश फैला कर अशिक्षा बेरोजगारी एवं अज्ञान का अंधकार मिटाना है।

राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि शिक्षा सभी नागरिकों का मूलभूत अधिकार है। किसी भी देश के विकास का पैमाना वहां के लोगों के शैक्षिक होने की दर है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो संस्कारित हो और देश प्रेम के सद्गुणों को विकसित करे। राज्यपाल ने कहा कि 2025 के महाकुंभ में मुक्त विश्वविद्यालय को अपनी भूमिका का निर्वाह करना चाहिए। अभी कुछ दिनों पूर्व अयोध्या में अवध विश्वविद्यालय में बहुत अच्छा कार्य किया।

मुख्य अतिथि पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ नरेन्द्र कुमार सिंह गौर जी एवं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री अनंत विजय जी को अंगवस्त्र, पौधा एवं हरित फल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी

छात्रों को नवीन जानकारियां देने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है : प्रोफेसर सत्यकाम

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि दूर शिक्षा विशिष्ट प्रकार की शिक्षा पद्धति है, जो वर्तमान में सर्वाधिक प्रासंगिक है। विश्वविद्यालय का निर्माण इमारतों से नहीं बल्कि शिक्षकों एवं छात्रों से होता है। विश्वविद्यालय तकनीक युक्त नई योजनाओं पर कार्य कर रहा है। एक ओर जहां भारतीय ज्ञान परंपरा स्थानीय भाषाओं और संस्कृति से जुड़े पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है, वहीं तकनीक स्वास्थ पोषण और विज्ञान के क्षेत्र में भी छात्रों को नवीन जानकारियां देने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है।

प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि छात्रों और शिक्षकों को आपसी रिश्तो में संवेदनशील और राष्ट्र निर्माण के प्रति सजग होना होगा तभी हम नए मानक स्थापित कर पाएंगे।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

राष्ट्रगान

कार्यक्रम की कुछ अन्य झलकियां

भारतरत्न राजर्षि पुरुषेत्तम दास टण्डन जी की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए माननीय अतिथिगण

मुक्त विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस का प्रथम व्याख्यान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज का 27वां स्थापना दिवस समारोह दिनांक 05 नवंबर, 2024 को तकनीकी सत्र में स्थापना दिवस का प्रथम व्याख्यान आयोतिज हुआ। प्रथम व्याख्यान के मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एम0 पी0 दुबे जी रहे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने की।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 स्मिता अग्रवाल ने किया। वाचिक स्वागत प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने तथा विषय प्रवर्तन प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय ने किया। वाचिक स्वागत डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। स्थापना दिवस के प्रारंभ में अतिथियों ने राजर्षि टंडन जी की प्रतिमा पर पुष्पार्पण किया।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ0 स्मिता अग्रवाल एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

वाचिक स्वागत करते हुए प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी

विषय प्रवर्तन करते हुए प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय

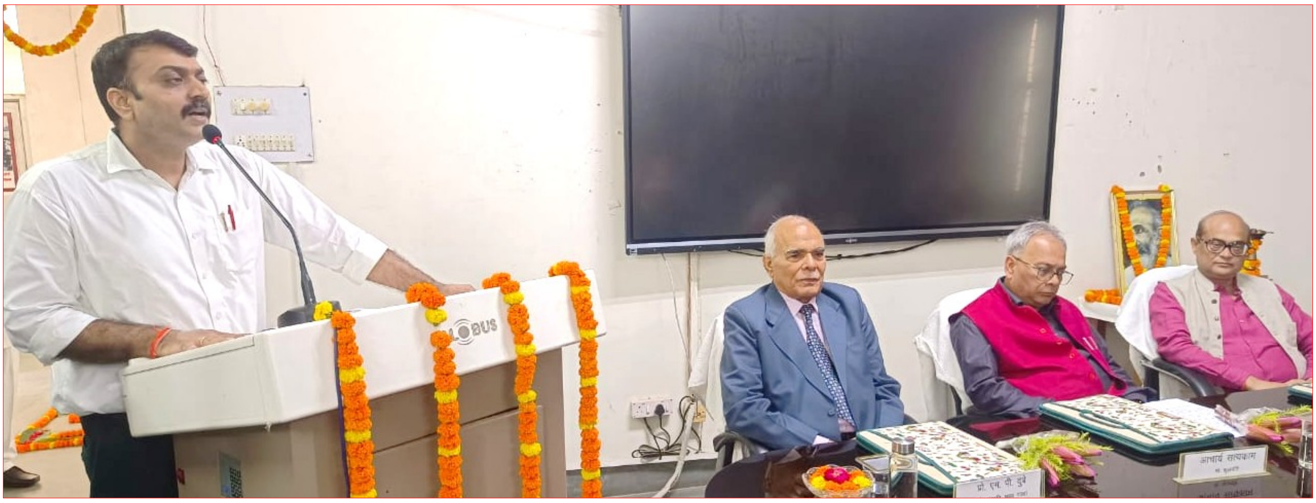

अतिथि परिचय देते हुए डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी

दूरस्थ शिक्षा नयापन एवं विविधताओं का मार्ग प्रशस्त करती है : प्रोफेसर एम0 पी0 दुबे

स्थापना दिवस का प्रथम व्याख्यान के मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एम0 पी0 दुबे ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा नयापन एवं विविधताओं का मार्ग प्रशस्त करती है। नई शिक्षा नीति की व्यवस्थाओं के अनुरूप मूक्स, कृतिम मेधा और तकनीक का ज्ञान दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए अति आवश्यक है।

प्रोफेसर दुबे ने कहा कि विद्यार्थियों में संज्ञानात्मक ज्ञान, वैज्ञानिकता, रचनात्मकता, जीवन जीने की कला, वर्तमान चुनौतियों से निपट कर एक उज्जवल भविष्य के सपने को साकार करने में दूरस्थ शिक्षा सक्षम है।

मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एम0 पी0 दुबे जी को अंगवस्त्र, पौधा एवं हरित फल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को अंगवस्त्र, पौधा एवं हरित फल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय

प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय को अंगवस्त्र, पौधा एवं हरित फल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रोफेसर ए0 के0 मलिक

मुक्त चिन्तन

विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धति को हमें तकनीक आधारित बनाना है : प्रोफेसर सत्यकाम

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धति को हमें तकनीक आधारित बनाना है क्योंकि बिना तकनीक के दूरस्थ शिक्षा पद्धति अधूरी है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों को इसके लिए आत्म मंथन करना चाहिए।

उन्होंने स्थापना दिवस पर राजर्षि टंडन को स्मरण करते हुए कहा कि जितना बड़ा राजर्षि टंडन जी का नाम है उतनी साख इस विश्वविद्यालय की भी होनी चाहिए। जिसके लिए हम सभी लोगों को मिलजुल कर बेहतर शिक्षा देने का प्रयास करना होगा।

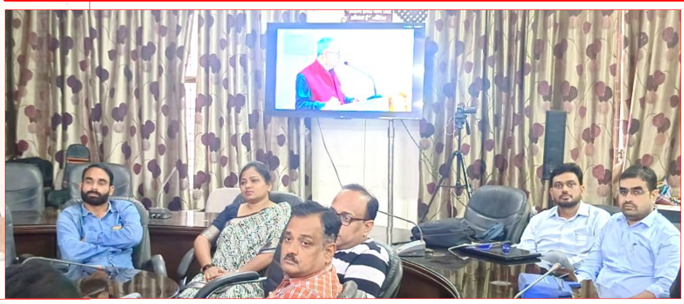

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

राष्ट्रगान

English Daily

UJALA SHIKHAR

News Of The Depths

VOL. 02, NO. 121, MORNING EDITION PRAYAGRAJ PRAYAGRAJ TUESDAY, 05 NOVEMBER 2024 PAGES 8, PRICE RS. 2.00

Open University to celebrate its 27th Foundation Day today

Prayagraj: The Foundation Day function of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Prayagraj will be organized on November 5, 2024 at 11:00 am. The online Foundation Day function will be presided over by the Chancellor and Governor of the University, Mrs. Anandiben Patel. Public Relations Officer of the Open University, Dr. Prabhat Chandra Mishra said that the main function will be organized in the Lokmanya Tilak Shastrarth Auditorium located in the university. The chief guest of the ceremony will be former Higher Education Minister of the state, Dr. Narendra Kumar Singh Gaur and the special guest will be senior journalist Anant Vijay, New Delhi. On this occasion, a video message of Union Minister for Health and Family Welfare, Government of India, Shri Jagat Prakash Nadda on the Foundation Day celebrations will be broadcast. The presidential address of Chancellor and Governor Smt Anandiben Patel will be Auditorium. In the technical session of the Foundation Day celebrations on 5th November 2024 at 3:00 pm, Professor MP Dubey, former Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, will speak on the topic Distance Education in India - Past facing identity crisis, present challenges and future possibilities. Will deliver the Foundation Day lecture as the keynote speaker. Vice Chancellor Professor Satyakam will preside over the technical

Daily News

VOL. 03 NO. 56 MORNING EDITION PRAYAGRAJ

SANYAM BHARAT

TUESDAY, 05 NOVEMBER 2024, PAGES 4, PRICE RS. 1.00

Padhiye Dil Aur Shan Se....

EDIT PRAYAGRAJ NATION

Univ established in name of Bharat Ratna Rajarshi Purushottam Das Tandon

Rays of higher education reaching remote areas of country's most populous state

SANYAM BHARAT CORRESPONDENT

Prayagraj: Via Notification No. 2000 issued by Uttar Pradesh Government - Seventeen V. 1-2 (A)24-1998, dated 2 November 1998, this open university was established. The establishment of this university was approved by the State Assembly and Legislative Council in the February-March session of 1999. After establishment, Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University created a unique identity for itself among the major educational institutions of the state in the field of higher education through open and distance education. Today the Open University is celebrating its 27th Foundation Day. The four pillars of this university are admission, course material, counseling and examination. In which continuous efforts are being made to make them effective by using new technology and mass media. During the period of establishment, this open university moved forward with only 20 educational programs in its first batch and had a humble beginning with 3383 learners at 15 study centres. Did. The Open University is committed to providing education to every home with the help of its 12 regional centers and study centers spread across the state. Presently this university is running 127 academic programs through 1460 study centres. In which 80 thousand students are enrolled. Since its inception, a total of 7 lakh students have been awarded degrees, diplomas and certificates.

On the instructions of Governor Anandiben Patel, a Center

Through this centre, the hidden talents of rural women are being exposed. The team of Women's Study Center is continuously visiting rural areas and providing guidance to rural women and children by explaining the importance of good health and education. Distance education has become an inevitable necessity today. The University Grants Commission, while clarifying the importance of open universities, has declared its degree equivalent to the degree of traditional universities. Library is an important pillar of knowledge in any university. The Central Library of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj was established in the year 2000 with only 297 books. At present its collection includes five dailies, 12 magazines, 61 journals and 46000 books. For the automation of the library, a computerized database of about 50,000 books has been prepared in the library through Sol software. The headquarters of the university is located in Prayagraj, which operates its office from three campuses.

Ganga Campus is known as the main campus of the university. All the administrative work of the university is conducted and controlled from this campus. Vice Chancellor's office, Registrar's office, Finance Officer's office, Examination Controller's office are located in this building. The major sections of the university and admission cell, study material section, study center cell, law cell, media cell etc. are located in this campus. There is a committee room

office, in which high level meetings of the University's Executive Council, Academic Council, Recognition Board, Planning Board, Finance Committee etc. are organized. Guest house, media centre, Vice Chancellor's residence and staff residence have been constructed in the Ganga campus itself. In this campus, along with arrangements for bank, Indian post office and health center, toiletry room has also been constructed. The second campus of the university is known as Saraswati Campus. In order to smoothly conduct the academic activities of the university, an academic building has been constructed in the Saraswati campus. There is ar-

lar teachers and 66 contractual teachers are associated with educational work. Counseling classes, examinations, seminars and workshops are mainly organized in this building. In this three-storey building, Education Department, Humanities Department, Social Science Department, Management Studies Department, Agricultural Science Department, Computer and Information Science Department, Science Department, Health Science Department and Business Studies Department are located. . Lokmanya Tilak Shastrarth Auditorium, Internal Quality Assurance Cell (SICA) and Special Visitor's Room are also established in this building. The

self, which is known as Yajnavalkya Library. A grand Atal Auditorium with a seating capacity of 1000 people has been constructed in this complex. In which convocation ceremonies and other special events are organized every year.

The third campus is Yamuna Campus. In which the multipurpose auditorium is in the name of Triveni Community Centre. It is a three storey building. In which the seating capacity is 1500 persons. Examination counselling, yoga practice and other programs are organized in this centre. In this complex, 52 residences have been constructed for teaching and non-teaching staff. In which there are 12 houses in Shaheed Bhagat Singh Wing (Type-3), 20 in Chandrashekhar Azad Wing (Type-1) and 20 in Jhalkari Bai Wing (Type-2). There is also a regional center of Prayagraj in the Yamuna campus, which monitors the enrollment, counselling, administration, course material and examinations of the students of 165 study centers affiliated to the Prayagraj Regional Centre. There are 12 regional centers of the university in the entire Uttar Pradesh, namely Prayagraj, Lucknow, Varanasi, Ayodhya, Agra, Azamgarh, Bareilly, Ghaziabad, Gorakhpur, Jhansi, Kanpur and Are established in Meerut district. Of these, buildings for regional centers have been constructed in Bareilly, Kanpur and Lucknow. The university has its own land in Gorakhpur, Varanasi and Ayodhya. In which buildings of regional centers will soon

tic free campus by giving shape to the concept of green campus, clean campus. Continuous efforts are being made to make the campus eco-friendly and green by getting record plantation done in the university premises. All three campuses at the headquarters are green areas and 25 to 30 percent of the land here is covered with trees and plants. Overall, this university is raising the flame of higher education all over Uttar Pradesh and is also actively involved in rural areas and Anganwadi centres.

Distance Education Awareness Cell has been playing an important role in the promotion of distance education by setting up awareness camps on the banks of Sangam on the occasion of Kumbh Mela and Magh Mela in Prayagraj for the last 20 years. In view of the national and international contribution of the country's former Prime Minister, late Atal Bihari Vajpayee, the Executive Council of the University announced the naming of the main gate of the Ganga campus as Atal Smriti Dwar. The University aims to fulfill its objective of education at every home, education at every home. Tax has proved capable of underlining its important role and usefulness in the development of the society and the nation. The Open University is running together in the campaign of realizing the Prime Minister's dream of a developed nation by 2047. Along with this, we are moving towards increasing the literacy rate of half the population through free education and making the country a strong na-

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

हरबात

वर्ष : 04 अंक : 335 प्रयागराज, मंगलवार, 05 नवम्बर, 2024, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

आज मनाएगा मुक्त विश्वविद्यालय अपना 27वां स्थापना दिवस

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज का स्थापना दिवस समारोह 5 नवम्बर 2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे आयोजित किया जाएगा स्थापना दिवस समारोह की ऑनलाइन अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। मुक्त विश्वविद्यालय के जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि मुख्य समारोह विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ नरेन्द्र कुमार सिंह गौर तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री अनंत विजय, नई दिल्ली होंगे। इस अवसर पर केन्द्रीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार श्री जगत प्रकाश नड्डा का स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर वीडियो संदेश प्रसारित किया जाएगा। तिलक सभागार में कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का अध्यक्षीय उद्बोधन आनलाइन प्रसारित किया जाएगा। स्थापना दिवस समारोह के तकनीकी सत्र में 5 नवम्बर 2024 को अपराह्न 3:00 बजे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एम पी दुबे, भारत में दूरस्थ शिक्षा - पहचान के संकट से जूझता अतीत, वर्तमान चुनौतियां तथा भविष्य की संभावनाएं विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में स्थापना दिवस व्याख्यान देंगे। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे।

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

RNI No.-UPHIN/2020/82181 www.harbaatnews.com

हरबात

प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 04 अंक : 335 प्रयागराज, मंगलवार, 05 नवम्बर, 2024, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के नाम पर स्थापित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय भारत के सबसे अधिक जनसंख्या वाले राज्य उत्तर प्रदेश के सुदूरवर्ती क्षेत्र में उच्च शिक्षा की किरण पहुंच रहा है

NEXT CITY FOCUS

यूपीआरटीओयू: दो कमरों से 15 एकड़ का सफर

02 नवंबर 1998 को हुई थी स्थापना

46 हजार पुस्तकों का भंडार

1998 में पड़ी थी नींव

अनुराग दर्शन

आज मनाएगा मुक्त विश्वविद्यालय अपना 27 वां स्थापना दिवस

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज का स्थापना दिवस समारोह 5 नवम्बर को पूर्वाह्न 11:00 बजे आयोजित किया जाएगा। स्थापना दिवस समारोह की ऑनलाइन अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। मुक्त विश्वविद्यालय के जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि मुख्य समारोह विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ नरेन्द्र कुमार सिंह गौर तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय, नई दिल्ली होंगे। इस अवसर पर केन्द्रीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार जगत प्रकाश नड्डा का स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर वीडियो संदेश प्रसारित किया जाएगा। तिलक सभागार में कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का अध्यक्षीय उद्बोधन आनलाइन प्रसारित किया जाएगा। स्थापना दिवस समारोह के तकनीकी सत्र में 5 नवम्बर को अपराह्न 3:00 बजे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एम पी दुबे, भारत में दूरस्थ शिक्षा - पहचान के संकट से जूझता अतीत, वर्तमान चुनौतियां तथा भविष्य की संभावनाएं विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में स्थापना दिवस व्याख्यान देंगे। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

मुक्त विश्वविद्यालय का 27 वां स्थापना दिवस आज, राज्यपाल करेगी अध्यक्षता

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज का स्थापना दिवस समारोह 5 नवम्बर मंगलवार को पूर्वाह्न 11:00 बजे आयोजित किया जाएगा स्थापना दिवस समारोह की ऑनलाइन अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। मुक्त विश्वविद्यालय के जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि मुख्य समारोह विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ नरेन्द्र कुमार सिंह गौर तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री अनंत विजय, नई दिल्ली होंगे। इस अवसर पर केन्द्रीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार श्री जगत प्रकाश नड्डा का स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर वीडियो संदेश प्रसारित किया जाएगा। तिलक सभागार में कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का अध्यक्षीय उद्बोधन आनलाइन प्रसारित किया जाएगा। स्थापना दिवस समारोह के तकनीकी सत्र में 5 नवम्बर 2024 को अपराह्न 3:00 बजे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफ़ेसर एम पी दुबे, भारत में दूरस्थ शिक्षा - पहचान के संकट से जूझता अतीत, वर्तमान चुनौतियां तथा भविष्य की संभावनाएं विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में स्थापना दिवस व्याख्यान देंगे। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रोफ़ेसर सत्यकाम करेंगे।

3383 विद्यार्थियों ने शुरू किया था सफर, आज 80 हजार का परिवार

मुवि आज मनाएगा 27वां स्थापना दिवस, दो नवंबर 1998 को हुई थी स्थापना

स्थापना दिवस को लेकर सजाया गया उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन • सौ. मुक्त विश्वविद्यालय

दो कमरों से 15 एकड़ का सफर

मुक्त विश्वविद्यालय दो कमरों से 15 एकड़ के विस्तार में पहुंच गया। गंगा, यमुना और सरस्वती परिसर में बंटे विश्वविद्यालय में मुख्य प्रशासनिक भवन, अतिथि गृह, मीडिया सेंटर, कुलपति निवास, विद्या शाखाएं, पुस्तकालय एवं अटल प्रेक्षागृह है। जनसंपर्क अधिकारी डा. प्रभात चंद्र मिश्र कहते हैं कि 25 साल पहले न कोई अध्ययन केंद्र था और न ही क्षेत्रीय केंद्र पर आज पूरे प्रदेश में 13 क्षेत्रीय केंद्र और तकरीबन 1400 अध्ययन केंद्र खुल चुके हैं। 3383 विद्यार्थियों द्वारा शुरू किया गया सफर आज 80 हजार का परिवार हो गया है।

आनलाइन संबोधन देंगी कुलाधिपति

मुक्त विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल आनलाइन संबोधन देंगी। जन संपर्क अधिकारी डा. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि मुख्य समारोह लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डा. नरेन्द्र कुमार सिंह गौर तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय होंगे। इस अवसर पर केन्द्रीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का वीडियो संदेश प्रसारित किया जाएगा। इसमें पूर्व कुलपति प्रो. एमपी दुबे भारत में दूरस्थ शिक्षा – पहचान के संकट से जूझता अतीत, वर्तमान चुनौतियां तथा भविष्य की संभावनाएं विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में स्थापना दिवस व्याख्यान देंगे। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सत्यकाम करेंगे।

प्रयाग प्रभात

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, मंगलवार 05 नवम्बर 2024 पृष्ठ : 4 मूल्य : 2 रुपये

राजर्षि टंडन के नाम प्रदेश में 12 क्षेत्रीय दूरस्थ शैक्षिक केंद्र संचालित हो रहे हैं

अब तक मुविवि ने सात लाख विद्यार्थियों को प्रदान की डिग्री

स्थापना दिवस

प्रयागराज, कार्यालय संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का 27वां स्थापना दिवस मंगलवार को मनाया जाएगा। विश्वविद्यालय स्थापना से अब तक सात लाख विद्यार्थियों को डिग्री, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र प्रदान कर चुका है। वर्तमान में सूबे के 12 क्षेत्रीय केंद्र और 1460 अध्ययन केंद्रों पर 127 प्रकार के कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। इनमें 80 हजार विद्यार्थी पंजीकृत हैं। स्थापना के वक्त 15 अध्ययन केंद्रों पर 20 पाठ्यक्रमों में 3383 विद्यार्थी पंजीकृत थे। मुक्त विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में 46000 पुस्तकें हैं। इसके अलावा लगभग 50 हजार पुस्तकों का कंप्यूटराइज डाटाबेस तैयार किया गया है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई है। इस केंद्र के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के अंदर छिपी प्रतिभाओं को उजागर किया जा रहा है। महिला अध्ययन केन्द्र की टीम निरंतर ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर अच्छे स्वास्थ्य एवं शिक्षा के महत्व को बताते हुए ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान कर रही है। यूजीसी ने मुक्त विश्वविद्यालयों की महत्ता को स्पष्ट करते हुए इसकी डिग्री को पारंपरिक विश्वविद्यालयों की डिग्री के समकक्ष करार दिया है।

स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर रंगबिरंगी रोशनी से जगमग मुक्त विवि।

राज्यपाल ऑनलाइन करेंगी अध्यक्षता

स्थापना दिवस समारोह मंगलवार को सुबह 11 बजे से शुरू होगा। समारोह की ऑनलाइन अध्यक्षता कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह गौर तथा विशिष्ट अतिथि पत्रकार अनंत विजय होंगे। इस अवसर पर केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का वीडियो संदेश भी प्रसारित किया जाएगा। तकनीकी सत्र में पूर्व कुलपति प्रो. एमपी दुबे का व्याख्यान होगा।

अटल के नाम से जाना जाएगा गंगा परिसर का मुख्य द्वार

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय योगदान को देखते हुए विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने गंगा परिसर के मुख्य द्वार का नामकरण अटल स्मृति द्वार के नाम से घोषित किया।

प्रयागराज युवा

मुक्त विवि जनवरी से शुरू करेगा बाल मनोविज्ञान पर पाठ्यक्रम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का 27वां स्थापना दिवस समारोह आज, अब तक बांटे सात लाख डिप्लोमा, डिग्री और सर्टिफिकेट

मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली सड़क सुरक्षा रैली

कुलपति ने दिलाई शपथ, लोगों को किया जागरूक

सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जनमानस में जागरूकता हेतु शपथ दिलाते हुए कुलपति आचार्य सत्यकाम जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने सड़क सुरक्षा तथा यातायात नियमों के प्रति जनमानस में जागरूकता फैलाने के लिए बुधवार को सड़क सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय में गठित सेफ्टी क्लब के तत्वावधान में गंगा प्रिसर से लेबर चौराहा, शांतिपुरम तक सड़क सुरक्षा रैली कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सड़क सुरक्षा पखवाड़ा में यातायात नियमों के प्रति जन मानस में जागरूकता लाने के लिए शपथ दिलाई एवं हरी झंडी दिखाकर सड़क सुरक्षा रैली का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मा0 कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने मोटरसाइकिल चालकों को जीवन रक्षा के लिए हेलमेट लगाकर वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया। लोगों को जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किए गए।

इस अवसर पर मा0 कुलपति ने जनमानस में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता करने का आह्वान किया और अपने परिवार जनों को भी यातायात के नियमों के पालन करवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय गति को धीमी रखें।

रैली के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम का स्वागत किया। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने हेलमेट लगाएं, जीवन बचाएं। सीट बेल्ट लगाना है, जीवन बचाना है। दुर्घटना से दूरी, हेलमेट है जरूरी आदि स्लोगन के माध्यम से जनमानस को जागरूक किया। रैली में विश्वविद्यालय के निदेशक, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा रैली कार्यक्रम में जनमानस को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

सड़क सुरक्षा रैली कार्यक्रम में जनमानस को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी देते हुए माननीय कुलपति जी

सड़क सुरक्षा रैली कार्यक्रम में जनमानस को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

हिन्दुस्तान

महाकुम्भ में मुक्त विश्वविद्यालय निर्वाह करे अपनी भूमिका : राज्यपाल

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का 27वां स्थापना दिवस मनाया गया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शिक्षा को नागरिकों का

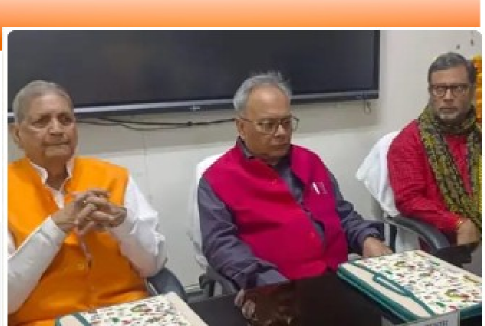

मुक्त विवि में अब 15 तक ले सकेंगे प्रवेश

झांसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और जागरूकता कार्यक्रम में जुलाई 2024-25 में प्रवेश की तिथि बढ़ा दी है। अब छात्र-छात्राएं 15 नवंबर तक प्रवेश ले सकेंगे।

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. पुष्पेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि क्षेत्रीय कार्यालय के तहत आने वाले सभी अध्ययन केंद्रों को प्रवेश तिथि विस्तारित करने की सूचना दे दी गई है। विश्वविद्यालय की सत्रांत परीक्षा दो दिसंबर से प्रस्तावित है। परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के परीक्षा फॉर्म भरने, अधिन्यास और प्रोजेक्ट कार्य जमा करने व बैक पेपर फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 25 नवंबर निर्धारित की गई है। ऐसे विद्यार्थी जो किन्हीं कारणों से अपना पाठ्यक्रम समय पर पूरा नहीं कर पाए हैं, वे विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल से अपना पुनः पंजीकरण और दोबारा प्रवेश का फॉर्म भर सकते हैं। ब्यूरो

अमर उजाला
छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं
वर्ष 28 | अंक 142 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : सात रुपये
प्रयागराज | बृहस्पतिवार, 7 नवंबर 2024
कार्तिक शुक्ल-षष्ठी • विक्रम संवत-2081

महाकुंभ, गीता अध्ययन पर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करेगा मुक्त विवि

एकेडमिक कौंसिल में जल्द लगेगी मुहर, जनवरी-2025 से शुरू होगा पाठ्यक्रम, सिलेबस तैयार, अभ्यर्थियों को ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएगी अध्ययन सामग्री

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय महाकुंभ और गीता अध्ययन पर पर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करेगा। सिलेबस बना लिया गया और अध्ययन सामग्री तैयार की जा रही है। विवि की अगली एकेडमिक कौंसिल की बैठक में पाठ्यक्रम पर मुहर लगाई जाएगी।

विश्वविद्यालय में पांच नवंबर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने शुरू की तैयारी

को आयोजित 27वें स्थापना दिवस समारोह में भी राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने विवि के अफसरों से कहा कि महाकुंभ में विश्वविद्यालय भी अपना योगदान करे, हालांकि कुलपति प्रो. सत्यकाम के नेतृत्व में कुछ दिनों पहले ही महाकुंभ और गीता अध्ययन पर विशेष सर्टिफिकेट कोर्स कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया जा चुका है।

कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि छह महीने का यह सर्टिफिकेट कोर्स जनवरी-2025 से शुरू होगा। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षार्थियों को कुंभ के माहात्म्य, भीड़ प्रबंधन, संस्कृति, लोक कथाओं आदि से जुड़े विभिन्न पहलुओं के अध्ययन का मौका मिलेगा।

बहुत ही कम शुल्क पर इस सर्टिफिकेट कोर्स में दाखिले लिए जाएंगे। पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों को मुद्रित पाठ्य सामग्री उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। पाठ्य सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी। अभ्यर्थी अपने स्तर से प्रिंटआउट निकाल सकते हैं।

अगर अभ्यर्थी अलग से मुद्रित पाठ्य सामग्री की मांग करते हैं तो अतिरिक्त शुल्क पर उन्हें उपलब्ध करा दी जाएगी।

कुलपति ने बताया कि जनवरी में ही महाकुंभ प्रारंभ हो रहा है, ऐसे में पहले बैच में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों को प्रायोगिक तौर पर भी इसका लाभ मिलेगा।

पाठ्यक्रम को इस तरह से तैयार किया गया है, जो शिक्षार्थियों के रोजगार में सहायक हो।

पाठ्यक्रम के जरिये पर्यटन और भारतीय संस्कृति के क्षेत्र में रोजगार के विशेष अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक, अध्यात्मिक और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देना भी है। इसमें कुंभ के ऐतिहासिक और ऐतिहासिक महत्व के साथ शिक्षार्थियों को गीता के गूढ़ सिद्धांतों से परिचित कराया जाएगा।

राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने निकाली सड़क सुरक्षा रैली

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से बुधवार को सड़क सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत गंगा परिसर से लेकर चौराहा, शांतिपुरम तक सड़क सुरक्षा रैली निकाली गई। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने सड़क सुरक्षा पखवाड़ा में यातायात नियमों के प्रति जन मानस में जागरूकता लाने के लिए शपथ दिलाई एवं रैली को रवाना किया। उन्होंने बाइक चालकों को हेलमेट लगाकर वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया। लोगों को जागरूकता संबंधी पंफलेट भी बांटे गए। ब्यूरो

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
छठ पर्व की शुभकामनाएं

'कुम्भ और गीता अध्ययन' पर शुरू करेंगे पाठ्यक्रम

घोषणा

प्रयागराज, मुख्य संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने 'कुम्भ और गीता अध्ययन' पर एक विशेष प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। यह पाठ्यक्रम धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक समझ को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम विशेषकर कुम्भ मेले के महत्व और गीता की शिक्षाओं पर आधारित ज्ञान प्रदान करेगा। कुम्भ मेले की ऐतिहासिक और धार्मिक प्रासंगिकता के साथ गीता के गूढ़ सिद्धांतों से भी परिचित कराया जाएगा।

कुलपति प्रो. सत्यकाम के अनुसार पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को गीता के अध्यात्मिक और नैतिक सिद्धांतों के साथ-साथ व्यक्तिगत विकास के आयामों को समझने का अवसर मिलेगा। महाकुम्भ के दौरान लाखों श्रद्धालु आते हैं। इस पाठ्यक्रम के तहत प्रशिक्षित लोग न केवल खुद के लिए इस धार्मिक अनुभव को समझ सकते हैं बल्कि वे मार्गदर्शक के रूप में भी भूमिका निभा सकते हैं। पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को पर्यटन, आध्यात्म और भारतीय संस्कृति के क्षेत्र में कॅरियर बनाने का अवसर देगा।

दैनिक जागरण
प्रयागराज, गुरुवार
7 नवंबर, 2024
नगर संस्करण
www.jagran.com
रामलाल की बदली दिनचर्या, अब गुनगुने जल से कर रहे स्नान 9
जीडीपी वृद्धि पर आंकड़े मिले-जुले, लेकिन सकारात्मक कारक हावी रहेंगे : शक्तिकांत 11

कुंभ और गीता अध्ययन के जरिये रोजगार के द्वार खोलेगा मुवि

मृत्युंजय मिश्र • जागरण

- धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र मे रोजगार के नए अवसरों को देख लिया गया निर्णय
- जनवरी से प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम की शुरुआत, सीखेंगे कुंभ की महत्ता व गीता ज्ञान

प्रयागराज : धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय 'कुंभ और गीता अध्ययन' पर दो प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। महाकुंभ-2025 को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया कुंभ अध्ययन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और धार्मिक पर्यटन के बढ़ते क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को सशक्त बना सकता है। छह माह के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम की शुरुआत जनवरी सत्र से होगी, जिसमें प्राचीन भारतीय संस्कृति, कुंभ मेले की महत्ता और गीता के ज्ञान को समर्पित विषयों का अध्ययन शामिल होगा।

कुंभ अध्ययन और गीता अध्ययन पाठ्यक्रम शुरू करने के नेपथ्य में धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने का उद्देश्य छिपा है।

कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि धार्मिक पर्यटन का क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। कुंभ मेले जैसे विशाल आयोजन इस क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न कर रहे हैं। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित लोग कुंभ मेले के दौरान धार्मिक गाइड, सांस्कृतिक अनुवादक और आध्यात्मिक यात्रा सलाहकार के रूप में काम कर सकते हैं। पर्यटन उद्योग, सांस्कृतिक केंद्र और आध्यात्मिक संगठनों में भी रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी।

महाकुंभ जैसे आयोजन के दौरान लाखों श्रद्धालु आते हैं, जिनके लिए इस पाठ्यक्रम से प्रशिक्षित गाइड उनकी यात्रा को और भी सूचनाप्रद और अर्थपूर्ण बना सकते हैं। पाठ्यक्रम में विशेष रूप से कुंभ मेले के ऐतिहासिक, धार्मिक और आध्यात्मिक पहलुओं को समाहित किया गया है।

गीता अध्ययन से जीवन में संतुलन और नैतिकता का पाठ

गीता अध्ययन पाठ्यक्रम में गीता के श्लोकों का अध्ययन शामिल है, जो जीवन में संतुलन बनाए रखने और नैतिकता के मूल्यों को समझने में सहायक होगा। कर्म योग, भक्ति योग और ज्ञान योग के सिद्धांत प्रतिभागियों को कठिन जीवन-स्थितियों में आत्म-नियंत्रण और धैर्य बनाए रखने की कला सिखाते हैं। कुलपति ने बताया कि गीता अध्ययन पाठ्यक्रम युवाओं को जीवन के महत्वपूर्ण फैसलों में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित कर सकता है।

महाकुंभ के दौरान सेवा का अवसर : पाठ्यक्रम का एक अन्य लाभ यह है कि प्रतिभागी महाकुंभ-2025 के दौरान स्वेच्छा से समाज सेवा में योगदान दे सकते हैं। धार्मिक यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को कुंभ मेला और गीता के उपदेशों की जानकारी देने के साथ-साथ वे मेले में आवश्यक सेवाओं में सहयोग कर सकेंगे। यह प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम धार्मिक और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में अन्वेषण और शोध के लिए भी तैयार करेगा।

> यह पाठ्यक्रम रोजगार के अवसर प्रदान करने में सहायक बनने के साथ भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक धरोहर को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सफल माध्यम भी बनेगा। इससे भारत के गौरवशाली इतिहास और आध्यात्मिक मूल्यों को जीवंत रखते हुए धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक शिक्षा के क्षेत्र में एक नया आयाम स्थापित होगा।
>
> -प्रो. सत्यकाम, कुलपति, मुक्त विश्वविद्यालय

मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

आयोजन दिनांक 08 नवंबर 2024 को प्रातः 11:30 सरस्वती परिसर में किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इसमें अनेक खेलों का आयोजन किया गया जिसमें पुरुष एवं महिला वर्ग में 100 मीटर दौड़, पुरुष एवं महिला वर्ग में 200 मीटर दौड़, चम्मच दौड़, 400 मीटर दौड़, पुरुष एवं महिला संवर्ग में पैदल चाल तथा पुरुष एवं महिला दोनों ही संवर्ग में अलग–अलग रस्सा कशी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी ने हरी झंडी दिखाकर किया।

हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का आरंभ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी

कार्यक्रम के प्रारंभ में खेलकूद आयोजन के समन्वयक प्रोफेसर संजय कुमार सिंह के द्वारा मा. कुलपति एवं कुलसचिव तथा विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मियों का स्वागत किया गया तथा माननीय कुलपति, कुलसचिव एवं रेफरी के रूप में मौजूद रहे डॉ0 बृजेश कुमार यादव एसोसिएट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग, नागरिक पी. जी. कालेज जंघई को बैज लगाकर एवं कैप पहनाकर स्वागत किया गया। खेलकूद आयोजन समिति के संयोजक डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी जी के द्वारा संचालन का कार्य किया गया। खेलकूद आयोजन समिति के सह– संयोजक डॉ0 सुरेंद्र कुमार ने रिपोर्टिंग तथा अंत में सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मियों के साथ–साथ खेलकूद आयोजन समिति के अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए खेलकूद आयोजन समिति के संयोजक डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी

माननीय कुलपति,
आचार्य सत्यकाम जी
को
बैज लगाकर
एवं
कैप पहनाकर
स्वागत
करते हुए
खेलकूद आयोजन के समन्वयक
प्रोफेसर संजय कुमार सिंह

कुलसचिव एवं रेफरी के रूप में मौजूद रहे डॉ0 बृजेश कुमार यादव को बैज लगाकर एवं कैप पहनाकर स्वागत करते हुए खेलकूद आयोजन के समन्वयक प्रोफेसर संजय कुमार सिंह

100 मीटर दौड़ पुरुष संपर्क में राम प्रवेश यादव प्रथम, डॉ0 योगेश कुमार यादव द्वितीय, डॉ0 राघवेंद्र सिंह तृतीय स्थान पर रहे।

100 मीटर दौड़ महिला संवर्ग में डॉ0 नीता मिश्रा प्रथम, डॉ0 कामना यादव द्वितीय, डॉ0 कौमुदी शुक्ला तृतीय स्थान पर रहीं।

200 मी. दौड़ में डॉ0 अनुज सिंह प्रथम, डॉ0 योगेश कुमार यादव द्वितीय, प्रोफेसर संजय कुमार सिंह तृतीय स्थान पर रहे।

200 मीटर दौड़ महिला संवर्ग में डॉ0 नीता मिश्रा प्रथम तथा डॉ0 कामना यादव द्वितीय स्थान पर रही।

चम्मच दौड़ में विश्वविद्यालय के शिक्षक वर्ग के प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें प्रोफेसर ए. के. मलिक प्रथम, प्रोफेसर संतोषा कुमार द्वितीय तथा डॉ0 गोपाल कृष्ण सिंह तृतीय स्थान पर रहे।

चम्मच दौड़

400 मीटर दौड़ में इश्वर विश्वकर्मा प्रथम, डॉ राघवेंद्र सिंह द्वितीय तथा डॉ अनुज सिंह तृतीय स्थान पर रहे।

पैदल चाल में राजेश पाठक प्रथम डॉ0 सुभाष पाल द्वितीय तथा डॉ0 योगेश कुमार यादव तृतीय स्थान पर रहे।

पैदल चाल महिला संवर्ग में डॉ0 साधना श्रीवास्तव प्रथम, डॉ0 सोहनी देवी द्वितीय तथा डॉ0 नीता मिश्रा तृतीय स्थान पर रहीं।

इस खेल में रस्सा कस्सी का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रोफेसर संतोषा कुमार की टीम विजेता रही जिसमें कुल 13 प्रतिभागियों की प्रतिभागिता रही।

इसी तरह रस्सा कस्सी महिला संवर्ग प्रतियोगिता में डॉ0 सुमन सिंह, डॉ0 सफीना, रूबी, डॉ0 सुषमा सिंह, डॉ0 कौमुदी शुक्ला की टीम विजेता रही।

माननीय कुलपति महोदय की उपस्थिति से सभी प्रतिभागी उत्साहित होकर प्रतोयोगिता में प्रतिभाग कर रहे थे। कार्यक्रम में माननीय कुलपति जी के द्वारा सभी का उत्साहवर्धन किया गया तथा सभी को उन्होंने शुभकामना भी दिया तथा आयोजन मंडल के सदस्य डॉ0 सी.के. सिंह, डॉ0 अभिषेक सिंह, श्री परविंदर कुमार वर्मा, डॉ0 आर. पी. सिंह, श्री निकेत सिंह को बधाई दिया।

प्रयाग प्रभात

स्थापना दिवस पर विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिता आयोजित

प्रयागराज ।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 9 नवंबर राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती परिसर में किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इसमें अनेक खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें पुरुष एवं महिला वर्ग में 100 मीटर एवं 200 मीटर दौड़, चम्मच दौड़, 400 मीटर दौड़, पुरुष एवं महिला संवर्ग में पैदल चाल तथा पुरुष एवं महिला दोनों ही संवर्ग में अलग–अलग रस्साकशी का आयोजन किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने हरी झंडी दिखाकर किया। प्रतियोगिता के उपरांत निर्णायक मंडल ने विजेताओं के नाम घोषित किए। जिनमें पैदल चाल महिला संवर्ग में डॉ0 साधना श्रीवास्तव प्रथम, डॉ0 सोहनी देवी द्वितीय तथा डॉ0 नीता मिश्रा तृतीय स्थान पर रहीं। 100 मीटर दौड़ पुरुष संवर्ग में राम प्रवेश यादव प्रथम, डॉ0 योगेश कुमार यादव द्वितीय तथा डॉ0 राघवेंद्र सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ महिला संवर्ग में डॉ नीता मिश्रा प्रथम, डॉ कामना यादव द्वितीय तथा कौमुदी शुक्ला तृतीय स्थान पर रहीं। 200 मी. दौड़ में डॉ अनुज सिंह प्रथम, डॉ योगेश कुमार यादव द्वितीय एवं प्रोफेसर संजय कुमार सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ महिला संवर्ग में डॉ नीता मिश्रा प्रथम तथा डॉ कामना यादव द्वितीय स्थान पर रहीं। चम्मच दौड़ में विश्वविद्यालय के शिक्षक वर्ग के प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमें प्रोफेसर ए. के. मलिक प्रथम, प्रोफेसर एस कुमार द्वितीय तथा डॉ गोपाल कृष्ण सिंह तृतीय स्थान पर

रहे। 400 मीटर दौड़ में ईश्वर नाथ विश्वकर्मा प्रथम, डॉ राघवेंद्र सिंह द्वितीय तथा डॉ अनुज सिंह तृतीय स्थान पर रहे। पैदल चाल में राजेश पाठक प्रथम, डॉ सुभाष पाल द्वितीय तथा डॉ0 योगेश कुमार यादव तृतीय स्थान पर रहे। खेलकूद प्रतियोगिता का आकर्षण रस्साकशी का आयोजन रहा। जिसमें कुलपति ने दोनों टीमों की हौसला अफजाई की। जिसमें अंततः प्रोफेसर एस कुमार की टीम विजेता रही। जिसमें कुल 13 प्रतिभागियों की प्रतिभागिता रही। इसी तरह रस्साकशी महिला संवर्ग प्रतियोगिता में डॉ0 सुमन सिंह, डॉ0 सफीना, रूबी, डॉ0 सुषमा सिंह, डॉ0 कौमुदी शुक्ला की टीम विजेता रही। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की। कार्यक्रम के प्रारंभ में खेलकूद आयोजन के समन्वयक प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने कुलपति, कुलसचिव तथा विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मियों का स्वागत किया। खेलकूद समिति ने कुलपति, कुलसचिव एवं रेफरी के रूप में मौजूद रहे डॉ0 बृजेश कुमार यादव एसोसिएट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग, नागरिक पी. जी. कालेज जंघई को बैज लगाकर एवं कैप पहनाकर स्वागत किया। खेलकूद आयोजन समिति के संयोजक डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी ने संचालन का किया। कार्यक्रम में कुलपति ने सभी का उत्साहवर्धन किया तथा विजेता प्रतिभागियों को शुभकामना एवं आयोजन मंडल को बधाई दिया। खेलकूद आयोजन समिति के सह– संयोजक डॉ सुरेंद्र कुमार ने प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में विश्व विद्यालय के समस्त शैक्षिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मियों के साथ–साथ खेलकूद आयोजन समिति के अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम की सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति के सदस्यों ने कई दिनों तक लगातार परिश्रम किया। जिसमें प्रतिभागियों के रजिस्ट्रेशन, ट्रैक का निर्माण, खेल के मैदान की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था प्रमुख रही। जिससे यह कार्यक्रम सफलता की ओर अग्रसर हो पाया। अगली कड़ी में 11 नवंबर को इंडोर गेम्स के अंतर्गत शतरंज एवं बैडमिंटन, टेबल टेनिस तथा फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा।

हिन्दी दैनिक
संयम भारत
18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर
वर्ष : 18 अंक : 228
नगर संस्करण, पृष्ठ - 4, मूल्य 1.00 रू0
उत्तर प्रदेश रविवार, 10 नवम्बर 2024 प्रयागराज विचार

पैदल चाल में साधना श्रीवास्तव ने सभी को पछाड़ा

- रस्साकशी में शिक्षिकाओं ने दिखाया दमखम
- स्थापना दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में खेलकूद समारोह का आयोजन

संयम भारत संवाददाता

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती परिसर में किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इसमें अनेक खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें पुरुष एवं महिला वर्ग में 100 मीटर एवं 200 मीटर दौड़, चम्मच दौड़, 400 मीटर दौड़, पुरुष एवं महिला संवर्ग में पैदल चाल तथा पुरुष एवं महिला दोनों ही संवर्ग में अलग-अलग रस्साकशी का आयोजन किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने हरी झंडी दिखाकर किया। प्रतियोगिता के उपरांत निर्णायक मंडल ने विजेताओं के नाम घोषित किए। जिनमें पैदल चाल महिला संवर्ग में डॉ0 साधना श्रीवास्तव प्रथम, डॉ0 सोहनी देवी द्वितीय तथा डॉ0 नीता मिश्रा तृतीय स्थान पर रहीं।

100 मीटर दौड़ पुरुष संवर्ग में राम प्रवेश यादव प्रथम, डॉ0 योगेश कुमार यादव द्वितीय तथा डॉ0 राघवेंद्र सिंह तृतीय स्थान पर रहे।

100 मीटर दौड़ महिला संवर्ग में डॉ नीता मिश्रा प्रथम, डॉ कामना यादव द्वितीय तथा कौमुदी शुक्ला तृतीय स्थान पर रहीं।

200 मी. दौड़ में डॉ अनुज सिंह प्रथम, डॉ योगेश कुमार यादव द्वितीय एवं प्रोफेसर संजय कुमार सिंह तृतीय स्थान पर रहे।

200 मीटर दौड़ महिला संवर्ग में डॉ नीता मिश्रा प्रथम तथा डॉ कामना यादव द्वितीय स्थान पर रहीं।

चम्मच दौड़ में विश्वविद्यालय के शिक्षक वर्ग के प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमें प्रोफेसर ए. के. मलिक प्रथम, प्रोफेसर एस कुमार द्वितीय तथा डॉ गोपाल कृष्ण सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ में ईश्वर नाथ विश्वकर्मा प्रथम,

डॉ राघवेंद्र सिंह द्वितीय तथा डॉ अनुज सिंह तृतीय स्थान पर रहे। पैदल चाल में राजेश पाठक प्रथम, डॉ सुभाष पाल द्वितीय तथा डॉ0 योगेश कुमार यादव तृतीय स्थान पर रहे। खेलकूद प्रतियोगिता का आकर्षण रस्साकशी का आयोजन रहा। जिसमें कुलपति ने दोनों टीमों की हौसला अफजाई की। जिसमें अंततः प्रोफेसर एस कुमार की टीम विजेता रही। जिसमें कुल 13 प्रतिभागियों की प्रतिभागिता रही। इसी तरह रस्साकशी महिला संवर्ग प्रतियोगिता में डॉ0 सुमन सिंह, डॉ0 सफीना, रूबी, डॉ0 सुषमा सिंह, डॉ0 कौमुदी शुक्ला की टीम विजेता रही। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की। कार्यक्रम के प्रारंभ में खेलकूद आयोजन के समन्वयक प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने कुलपति, कुलसचिव तथा विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मियों का स्वागत किया। खेलकूद समिति ने कुलपति, कुलसचिव एवं रेफरी के रूप में मौजूद रहे डॉ0 बृजेश कुमार यादव एसोसिएट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग, नागरिक पी. जी. कालेज जंघई को बैज लगाकर एवं कैप पहनाकर स्वागत किया। खेलकूद आयोजन समिति के संयोजक डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी ने संचालन का किया। कार्यक्रम में कुलपति ने सभी का उत्साहवर्धन किया तथा विजेता प्रतिभागियों को शुभकामना एवं आयोजन मंडल को बधाई दिया। खेलकूद आयोजन समिति के सह-संयोजक डॉ सुरेंद्र कुमार ने प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मियों के साथ-साथ खेलकूद आयोजन समिति के अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम की सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति के सदस्यों ने कई दिनों तक लगातार परिश्रम किया। जिसमें प्रतिभागियों के रजिस्ट्रेशन, ट्रैक का निर्माण, खेल के मैदान की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था प्रमुख रही। जिससे यह कार्यक्रम सफलता की ओर अग्रसर हो पाया। अगली कड़ी में 11 नवंबर को इंडोर गेम्स के अंतर्गत शतरंज एवं बैडमिंटन, टेबल टेनिस तथा फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा।

Daily News
SANYAM BHARAT
VOL. 03 NO. 61 MORNING EDITION PRAYAGRAJ
SUNDAY, 10 NOVEMBER 2024, PAGES 4, PRICE RS. 1.00
Padhiye Dil Aur Shan Se....
EDIT PRAYAGRAJ NATION

Sadhna Srivastava beat everyone in walking

Teachers showed their strength in tug of war

Sports function organized in Open University on Foundation Day

SANYAM BHARAT CORRESPONDENT

Prayagraj, Uttar Pradesh: On the occasion of the 27th foundation day of Rajarshi Tandon Open University Prayagraj, a sports competition was organized in the Saraswati campus. The academic and non-academic staff of the university participated enthusiastically in the competition. Several games were organized in it. 100-meter and 200-meter race in male and female categories, spoon race, 400-meter race, walking in male and female categories, and tug of war separately for both male and female categories were organized. The sports competition was inaugurated by the Vice Chancellor of the University, Acharya Satyakam, by showing the green flag.

After the competition, the jury announced the names of the winners. In which, in the women's walking category, Dr. Sadhna Srivastava stood first, Dr. Sohni Devi stood second and Dr. Neeta Mishra stood third.

In the 100 meter race men's category, Ram Pravesh Yadav stood first, Dr. Yogesh Kumar Yadav stood second and Dr. Raghvendra Singh stood third. In the 100 meter race women's category, Dr. Neeta Mishra stood first, Dr. Kamna Yadav stood second and Kaumudi Shukla stood third.

In the 200 m race, Dr. Anuj Singh stood first, Dr. Yogesh Kumar Yadav stood second and Professor Sanjay Kumar Singh stood third.

In the 200 meter race

women's category, Dr. Neeta Mishra stood first and Dr. Kamna Yadav stood second.

The teachers of the university participated enthusiastically in the spoon race. Professor A.K. Malik came first, Professor S. Kumar came second and Dr. Gopal Krishna Singh came third.

In the 400 meter race, Ishwar Nath Vishwakarma stood first, Dr. Raghvendra Singh stood second and Dr. Anuj Singh stood third.

In walking, Rajesh Pathak stood first, Dr. Subhash Pal stood second and Dr. Yogesh Kumar Yadav stood third.

The attraction of the sports competition was the tug of war event. In which the Vice Chancellor encouraged both the teams. In which finally Professor S Kumar's team was the winner. In which a total of 13 participants participated. Similarly, in the tug of war women's category competition, the team of Dr. Suman Singh, Dr. Safina, Ruby, Dr. Sushma Singh, Dr. Kaumudi Shukla was the winner. Vice Chancellor Professor Satyakam appreciated the enthusiasm of all the participants. At the beginning of the program, Professor Sanjay Kumar Singh, coordinator of the sports event, welcomed the Vice Chancellor, Registrar and all the academic and non-academic staff of the university. The Sports Committee welcomed Dr. Brijesh Kumar Yadav, Associate Professor, Physical Education Department, Civil PG College, Janghai, who was present as the Vice Chancellor, Registrar and referee, by putting a badge and wearing a cap. Dr. Trivikram Tiwari, coordinator of the sports organizing committee, conducted the event. In the program, the Vice Chancellor encouraged everyone and congratulated the winning participants and the organizing committee. Dr. Surendra Kumar, Co-convener of the Sports Organizing Committee, thanked the participants. All the academic and non-academic staff of the university along with other members of the Sports Organizing Committee were present in this program. For the successful organization of this program, the members of the organizing committee worked continuously for many days. In which registration of participants, construction of track, arrangement of playground and other necessary resources were important. Due to which this program was able to move towards success. In the next episode, chess and badminton, table tennis and football matches will be organized under indoor games on November 11.

हिन्दी दैनिक
प्रयागराज से प्रकाशित
उजाला शिखर
ख़बर गहराईयों की

पैदल चाल में साधना श्रीवास्तव ने सभी को पछाड़ा

रस्साकशी में शिक्षिकाओं ने दिखाया दमखम

उजाला शिखर संवाददाता प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती परिसर में किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इसमें अनेक खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें पुरुष एवं महिला वर्ग में 100 मीटर एवं 200 मीटर दौड़, चम्मच दौड़, 400 मीटर दौड़, पुरुष एवं महिला संवर्ग में पैदल चाल तथा पुरुष एवं महिला दोनों ही संवर्ग में अलग-अलग रस्साकशी का आयोजन किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने हरी झंडी दिखाकर किया। प्रतियोगिता के उपरांत निर्णायक मंडल ने विजेताओं के नाम घोषित किए। जिनमें पैदल चाल महिला संवर्ग में डॉ0 साधना श्रीवास्तव प्रथम, डॉ0 सोहनी देवी द्वितीय तथा डॉ0 नीता मिश्रा तृतीय स्थान पर रहीं। 100 मीटर दौड़ पुरुष संवर्ग में राम प्रवेश यादव प्रथम, डॉ0 योगेश कुमार यादव द्वितीय तथा डॉ0 राघवेंद्र सिंह तृतीय स्थान पर रहे।

SUNDAY | 10.11.2024
उत्तर प्रदेश
अमर उजाला
प्रयागराज

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 14 को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की विज्ञान विद्या शाखा और शुआट्स के गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 'सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएं एवं चुनौतियां' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 14 नवंबर को मुक्त विश्वविद्यालय में होगी।

संगोष्ठी की संयोजक प्रो. श्रुति के अनुसार, पंजीकरण की अंतिम तिथि 13 नवंबर है। इसमें संकाय सदस्य, रिसर्च स्कॉलर, पीजी छात्र, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और विदेशी प्रतिनिधि भी पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण फार्म का लिंक मुक्त विवि की वेबसाइट पर दिया गया है। ब्यूरो

रविवासरीय
हिन्दुस्तान
मतलब का हिन्दुस्तान का

सौ मीटर दौड़ में रामप्रवेश और डॉ.नीता रहीं अव्वल

- मुक्त विविः रस्साकशी में शिक्षिकाओं ने दिखाया दमखम
- स्थापना दिवस पर मुविवि में खेलकूद समारोह का आयोजन

प्रयागराज, कार्यालय संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पैदल चाल महिला संवर्ग में डॉ. साधना श्रीवास्तव प्रथम, डॉ. सोहनी देवी द्वितीय तथा डॉ. नीता मिश्रा तृतीय स्थान पर रहीं।

100 मीटर दौड़ पुरुष में राम प्रवेश यादव प्रथम, डॉ. योगेश कुमार यादव द्वितीय तथा डॉ. राघवेंद्र सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ महिला संवर्ग में डॉ. नीता मिश्रा प्रथम, डॉ. कामना यादव द्वितीय तथा कौमुदी शुक्ला तृतीय स्थान पर रहीं। 200 मी. दौड़ में डॉ. अनुज सिंह प्रथम, डॉ. योगेश कुमार यादव द्वितीय एवं प्रो. संजय कुमार सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ महिला संवर्ग में डॉ. नीता मिश्रा प्रथम तथा डॉ. कामना यादव द्वितीय स्थान पर रहीं। चम्मच दौड़ में प्रो. एके मलिक प्रथम, प्रो. एस कुमार द्वितीय तथा डॉ. गोपाल कृष्ण सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ में ईश्वर नाथ विश्वकर्मा प्रथम, डॉ. राघवेंद्र सिंह द्वितीय तथा डॉ. अनुज सिंह तृतीय स्थान पर रहे।

पैदल चाल में राजेश पाठक प्रथम, डॉ. सुभाष पाल द्वितीय तथा डॉ. योगेश कुमार यादव तृतीय स्थान पर रहे। खेलकूद प्रतियोगिता का आकर्षण रस्साकशी का आयोजन रहा। जिसमें कुलपति ने दोनों टीमों की हौसला अफजाई की। जिसमें अंततः प्रो. एस कुमार की टीम विजेता रही। अगली कड़ी में 11 नवंबर को इंडोर गेम्स के अंतर्गत शतरंज एवं बैडमिंटन, टेबल टेनिस तथा फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा।

आज
प्रयागराज, रविवार १० नवम्बर, २०२४

मुक्त विश्वविद्यालयके स्थापना दिवसपर शिक्षक-कर्मचारियोंने दिखाया दमखम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के २७वें स्थापना दिवस पर शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने अपनी शारीरिक दक्षता का प्रदर्शन किया। विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में कड़ी प्रतिस्पर्धा करते हुए विजेता का खिताब हासिल किया। पुरुष एवं महिला वर्ग में दौड़, चम्मच दौड़, पैदल चाल तथा रस्साकशी का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ कुलपति आचार्य सत्यकाम ने किया। प्रतियोगिता के विजेताओं में पैदल चाल महिला संवर्ग में डा.साधना श्रीवास्तव प्रथम, डा.सोहनी देवी द्वितीय तथा डा.नीता मिश्रा तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता का आकर्षण रस्साकशी का आयोजन रहा।

जिसमें अंततः प्रोफेसर एस कुमार की टीम विजेता रही। कुल १३ प्रतिभागी शामिल हुए। रस्साकशी महिला संवर्ग प्रतियोगिता में डा.सुमन सिंह, डा.सफीना, रूबी, डा.सुषमा सिंह, डा.कौमुदी शुकला की टीम विजेता रही। प्रतियोगिता के समन्वयक प्रोफेसर संजय कुमार सिंह, डा. बृजेश कुमार यादव, डा.त्रिविक्रम तिवारी, डा.सुरेंद्र कुमार, प्रभात चन्द्र मिश्र आदि रहे।

Prayagraj, Sunday, 10 November 2024
PRAYAGRAJ EDITION
Price ₹ 3.50/-
Pages 12
दैनिक जागरण
www.inextlive.com
Published from PRAYAGRAJ • Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Kanpur • Lucknow • Meerut • Patna • Ranchi

पैदल चाल में साधना ने सभी को पछाड़ा

स्थापना दिवस पर यूपीआरटीओयू में खेलकूद समारोह का आयोजन

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (9 Nov): यूपीआरटीओयू के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती परिसर में किया गया. जिसमें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. इसमें अनेक खेलों का आयोजन किया गया. खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ कुलपति आचार्य सत्यकाम ने हरी झंडी दिखाकर किया.

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

यूपीआरटीओयू में रस्साकशी में दिखाया दमखम.

इन्होंने खेलकूद में मारी बाजी

पैदल चाल महिला संवर्ग में डॉ साधना श्रीवास्तव प्रथम, डॉ सोहनी देवी द्वितीय तथा डॉ नीता मिश्रा तृतीय, 100 मीटर दौड़ पुरुष संवर्ग में राम प्रवेश यादव प्रथम, डॉ योगेश कुमार यादव द्वितीय तथा डॉ राघवेंद्र सिंह तृतीय, 100 मीटर दौड़ महिला संवर्ग में डॉ नीता मिश्रा प्रथम, डॉ कामना यादव द्वितीय तथा कौमुदी शुक्ला तृतीय स्थान पर रहीं. चम्मच दौड़ में प्रोफेसर ए. के. मलिक प्रथम, प्रोफेसर एस कुमार द्वितीय तथा डॉ गोपाल कृष्ण सिंह तृतीय स्थान पर रहे. खेलकूद प्रतियोगिता का आकर्षण रस्साकशी का आयोजन रहा. जिसमें कुलपति ने दोनों टीमों की हौसला अफजाई की. जिसमें अंतत: प्रोफेसर एस कुमार की टीम विजेता रही. खेलकूद समिति ने कुलपति, कुलसचिव एवं रेफरी के रूप में मौजूद रहे डॉ0 बृजेश कुमार यादव एसोसिएट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग, नागरिक पी. जी. कालेज जंघई को बैज लगाकर एवं कैप पहनाकर स्वागत किया. अगली कड़ी में 11 नवंबर को इंडोर गेम्स के अंतर्गत शतरंज एवं बैडमिंटन, टेबल टेनिस तथा फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा.

दैनिक जागरण

एक नजर में

रस्साकशी में शिक्षिकाओं ने दिखाया दमखम

फाफामऊ : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ कुलपति आचार्य सत्यकाम ने हरी झंडी दिखाकर किया। पैदल चाल में डा. साधना श्रीवास्तव प्रथम, डा. सोहनी देवी द्वितीय और नीता मिश्रा तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं 100 मीटर पुरुष दौड़ में राम प्रवेश यादव प्रथम, डा. योगेश कुमार यादव द्वितीय तथा डा. राघवेंद्र सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर महिला दौड़ में डा. नीता मिश्रा प्रथम, डा. कामना यादव द्वितीय स्थान पर रहीं।

SUNDAY | 10.11.2024 उत्तर प्रदेश
अमर उजाला
प्रयागराज

पैदल चाल में साधना ने सबको छोड़ा पीछे

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में पैदल चाल में भाग लेतीं शिक्षिकाएं। अमर उजाला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सरस्वती परिसर में खेलकूद प्रतियोगिता कराई गई। इसमें विवि के शैक्षणिक एवं गैरशैक्षणिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इसका शुभारंभ विवि के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने किया। पैदल चाल महिला वर्ग में डॉ. साधना श्रीवास्तव ने पहला, डॉ. सोहनी देवी ने दूसरा और डॉ. नीता मिश्रा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

100 मीटर दौड़ पुरुष वर्ग में राम प्रवेश यादव प्रथम, डॉ. योगेश कुमार यादव द्वितीय और डॉ. राघवेंद्र सिंह तृतीय स्थान पर रहे। वहीं, 100 मीटर दौड़ महिला वर्ग में डॉ नीता मिश्रा पहले, डॉ. कामना यादव दूसरे जबकि कौमुदी शुक्ला तृतीय स्थान पर रहीं। 200 मीटर दौड़ में डॉ अनुज सिंह ने पहला, डॉ योगेश कुमार यादव ने दूसरा और प्रो. संजय कुमार सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ महिला वर्ग में डॉ. नीता मिश्रा अव्वल रहीं, वहीं डॉ. कामना यादव दूसरा स्थान हासिल किया। 400 मीटर दौड़ में ईश्वर नाथ विश्वकर्मा प्रथम, डॉ राघवेंद्र सिंह द्वितीय तथा डॉ अनुज सिंह तृतीय स्थान पर रहे। चम्मच दौड़ में प्रोफेसर एके मलिक प्रथम, प्रोफेसर एस कुमार द्वितीय तथा डॉ गोपाल कृष्ण सिंह तृतीय स्थान पर रहे। पैदल चाल में राजेश पाठक प्रथम, डॉ सुभाष पाल द्वितीय तथा डॉ. योगेश कुमार यादव तृतीय स्थान पर रहे। ब्यूरो

दैनिक अमृत प्रभात
■वर्ष - 48 ■अंक-314 ■प्रयागराज, रविवार 10 नवंबर 2024 ■पृष्ठ-12 ■मूल्य-3.50 रुपए
जनता के साथ जनता की आवाज

पैदल चाल में साधना ने सभी को पछाड़ा

स्थापना दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में खेलकूद समारोह का आयोजन

अमृत प्रभात, फाफामऊ (नि.सं.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती परिसर में किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इसमें अनेक खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें पुरुष एवं महिला वर्ग में 100 मीटर एवं 200 मीटर दौड़, चम्मच दौड़, 400 मीटर दौड़, पुरुष एवं महिला संवर्ग में पैदल चाल तथा पुरुष एवं महिला दोनों ही संवर्ग में अलग-अलग रस्साकशी का आयोजन किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने हरी झंडी दिखाकर किया। प्रतियोगिता के उपरांत निर्णायक मंडल ने विजेताओं के नाम घोषित किए। जिनमें पैदल चाल महिला संवर्ग में डॉ0 साधना

श्रीवास्तव प्रथम, डॉ0 सोहनी देवी द्वितीय तथा डॉ0 नीता मिश्रा तृतीय स्थान पर रहीं। 100 मीटर दौड़ पुरुष संवर्ग में राम प्रवेश यादव प्रथम, डॉ0 योगेश कुमार यादव द्वितीय तथा डॉ0 राघवेंद्र सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ महिला संवर्ग में डॉ नीता मिश्रा प्रथम, डॉ कामना यादव द्वितीय तथा कौमुदी शुक्ला तृतीय स्थान पर रहीं। 200 मी. दौड़ में डॉ अनुज सिंह प्रथम, डॉ योगेश कुमार यादव द्वितीय एवं प्रोफेसर संजय कुमार सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ महिला संवर्ग में डॉ नीता मिश्रा प्रथम तथा डॉ कामना यादव द्वितीय स्थान पर रही। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की। कार्यक्रम के प्रारंभ में खेलकूद आयोजन के समन्वयक प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने कुलपति, कुलसचिव तथा विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मियों का स्वागत किया। खेलकूद समिति ने कुलपति, कुलसचिव एवं रेफरी के रूप में मौजूद रहे डॉ0 बृजेश कुमार यादव एसोसिएट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग, नागरिक पी. जी. कालेज जंघई को बैज लगाकर एवं कैप पहनाकर स्वागत किया। खेलकूद आयोजन समिति के संयोजक डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी ने संचालन का किया।

आज
प्रयागराज, रविवार १० नवम्बर, २०२४

मुक्त विश्वविद्यालयमें अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी १४ को

उ.प्र.राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीसीपीएसडीजी) आगामी १४ नवंबर को आयोजित की जा रही है। जिसका विषय संभावनाएं, चुनौतियां और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करना है। इसमें विश्वविद्यालय के विज्ञान विद्या शाखा और गणित एवं सांख्यिकी विभाग शुआट्स द्वारा सहयोग किया जा रहा है। संगोष्ठी की संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि संगोष्ठी के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि १३ नवंबर निर्धारित की गई है। जिसमें संकाय सदस्य, रिसर्च स्कालर, पीजी छात्र, उद्योग जगत सहित विदेशी प्रतिनिधि भी अपना पंजीकरण कर सकते है। पंजीकरण फार्म का लिंक मुक्त विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है। संगोष्ठी के चयनित पेपर आईएसबीएन की कार्यवाही के साथ प्रकाशित किए जाएंगे।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
वर्ष : 31 | अंक : 8
प्रयागराज | रविवार, 10 नवम्बर-2024
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
www.dailylokmitra.com

पैदल चाल में साधना श्रीवास्तव ने सभी को पछाड़ा

स्थापना दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में खेलकूद समारोह का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती परिसर में किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इसमें अनेक खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें पुरुष एवं महिला वर्ग में 100 मीटर एवं 200 मीटर दौड़, चम्मच दौड़, 400 मीटर दौड़, पुरुष एवं महिला संवर्ग में पैदल चाल तथा पुरुष एवं महिला दोनों ही संवर्ग में अलग-अलग रस्साकशी का आयोजन किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने हरी झंडी दिखाकर किया। प्रतियोगिता के उपरांत निर्णायक मंडल ने विजेताओं के नाम घोषित किए। जिनमें पैदल चाल महिला संवर्ग में डॉ0 साधना श्रीवास्तव प्रथम, डॉ0 सोहनी देवी द्वितीय तथा डॉ0 नीता मिश्रा तृतीय स्थान पर रहीं। 100 मीटर दौड़ पुरुष संवर्ग में राम प्रवेश यादव प्रथम, डॉ0 योगेश कुमार यादव द्वितीय तथा डॉ0 राघवेंद्र सिंह तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में खेलकूद आयोजन के समन्वयक प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने कुलपति, कुलसचिव तथा विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मियों का स्वागत किया। खेलकूद समिति ने कुलपति, कुलसचिव एवं रेफरी के रूप में मौजूद रहे डॉ0 बृजेश कुमार यादव एसोसिएट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग, नागरिक पी. जी. कालेज जंघई को बैज लगाकर एवं कैप पहनाकर स्वागत किया। खेलकूद आयोजन समिति के संयोजक डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी ने संचालन का किया। कार्यक्रम में कुलपति ने सभी का उत्साहवर्धन किया तथा विजेता प्रतिभागियों को शुभकामना एवं आयोजन मंडल को बधाई दिया।

HIND MATA
PRAYAGRAJ SUNDAY, 10 NOVEMBER 2024

Sadhna Srivastava beat everyone in walking

Teachers showed their strength in tug of war

Sports function organized in Open University on Foundation Day

HIND MATA

Prayagraj, Uttar Pradesh: On the occasion of the 27th foundation day of Rajarshi Tandon Open University Prayagraj, a sports competition was organized in the Saraswati campus. The academic and non-academic staff of the university participated enthusiastically in the competition. Several games were organized in it. 100-meter and 200-meter race in male and female categories, spoon race, 400-meter race, walking in male and female categories, and tug of war separately for both male and female categories were organized. The sports competition was inaugurated by the Vice Chancellor of the University, Acharya Satyakam, by showing the green flag.

After the competition, the jury announced the names of the winners. In which, in the women's walking category, Dr. Sadhna Srivastava stood first, Dr. Sohni Devi stood second and Dr. Neeta Mishra stood third.

In the 100 meter race men's category, Ram Pravesh Yadav stood first, Dr. Yogesh Kumar Yadav stood second and Dr. Raghavendra Singh stood third.

In the 100 meter race women's category, Dr. Neeta Mishra stood first, Dr. Kamna Yadav stood second and Kaumudi Shukla stood third.

In the 200 m race, Dr. Anuj Singh stood first, Dr. Yogesh Kumar Yadav stood second and Professor Sanjay Kumar Singh stood third.

In the 200 meter race women's category, Dr. Neeta

Mishra stood first and Dr. Kamna Yadav stood second.

The teachers of the university participated enthusiastically in the spoon race. Professor A.K. Malik came first, Professor S. Kumar came second and Dr. Gopal Krishna Singh came third.

In the 400 meter race, Ishwar Nath Vishwakarma stood first, Dr. Raghvendra Singh stood second and Dr. Anuj Singh stood third.

In walking, Rajesh Pathak stood first, Dr. Subhash Pal stood second and Dr. Yogesh Kumar Yadav stood third.

The attraction of the sports competition was the tug of war event. In which the Vice Chancellor encouraged both the teams. In which finally Professor S Kumar's team was the winner. In which a total of 13 participants participated. Similarly, in the tug of war women's category competition, the team of Dr. Suman Singh, Dr. Safina, Ruby, Dr. Sushma Singh, Dr. Kaumudi Shukla was the winner. Vice Chancellor Professor Satyakam appreciated the enthusiasm of all the participants. At the beginning of the program, Professor Sanjay Kumar Singh, coordinator of the sports event, welcomed the Vice Chancellor, Registrar and all the academic and non-academic staff of the university. The Sports Committee welcomed Dr. Brijesh Kumar Yadav, Associate Professor, Physical Education Department, Civil PG College, Janghai, who was present as the Vice Chancellor, Registrar and referee, by putting a badge and wearing a cap. Dr. Trivikram Tiwari, coordinator of the sports organizing committee, conducted the event. In the program, the Vice Chancellor encouraged everyone and congratulated the winning participants and the organizing committee. Dr. Surendra Kumar, Co-convener of the Sports Organizing Committee, thanked the participants. All the academic and non-academic staff of the university along with other members of the Sports Organizing Committee were present in this program. For the successful organization of this program, the members of the organizing committee worked continuously for many days. In which registration of participants, construction of track, arrangement of playground and other necessary resources were important. Due to which this program was able to move towards success. In the next episode, chess and badminton, table tennis and football matches will be organized under indoor games on November 11.

हिन्दी दैनिक लखनऊ व कानपुर से प्रकाशित
लखनऊ, रविवार, 10 नवम्बर 2024
भारत कनेक्ट
वर्ष : 11 अंक : 26 पृष्ठ : 12 मूल्य : 3
/livebc bharat.connect100@gmail.com /livebcnews www.bharatconnect.in

स्थापना दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में खेलकूद समारोह का आयोजन

भारत कनेक्ट संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती परिसर में किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इसमें अनेक खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें पुरुष एवं महिला वर्ग में 100 मीटर एवं 200 मीटर दौड़, चम्मच दौड़, 400 मीटर दौड़, पुरुष एवं महिला संवर्ग में पैदल चाल तथा पुरुष एवं महिला दोनों ही संवर्ग में अलग-अलग रस्साकशी का आयोजन किया गया।

खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने हरी झंडी दिखाकर किया। प्रतियोगिता के उपरांत

निर्णायक मंडल ने विजेताओं के नाम घोषित किए। जिनमें पैदल चाल महिला संवर्ग में डॉ0 साधना श्रीवास्तव प्रथम, डॉ0 सोहनी देवी द्वितीय तथा डॉ0 नीता मिश्रा तृतीय स्थान पर रहीं।100 मीटर दौड़ पुरुष संवर्ग में राम प्रवेश यादव प्रथम, डॉ0 योगेश कुमार यादव द्वितीय तथा डॉ0 राघवेंद्र सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ महिला संवर्ग में डॉ नीता मिश्रा प्रथम, डॉ कामना यादव द्वितीय तथा कौमुदी शुक्ला तृतीय स्थान पर रहीं। 200 मी. दौड़ में डॉ अनुज सिंह प्रथम, डॉ योगेश कुमार यादव द्वितीय एवं प्रोफेसर संजय कुमार सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ महिला संवर्ग में डॉ नीता मिश्रा प्रथम तथा डॉ कामना यादव द्वितीय स्थान पर रही। चम्मच दौड़ में विश्वविद्यालय के शिक्षक वर्ग के प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमें प्रोफेसर ए. के. मलिक प्रथम, प्रोफेसर एस कुमार द्वितीय तथा डॉ गोपाल कृष्ण सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ में ईश्वर नाथ विश्वकर्मा प्रथम, डॉ राघवेंद्र सिंह द्वितीय तथा डॉ अनुज सिंह तृतीय स्थान पर रहे। पैदल चाल में राजेश पाठक प्रथम, डॉ सुभाष पाल द्वितीय तथा डॉ0 योगेश कुमार यादव तृतीय स्थान पर रहे। खेलकूद प्रतियोगिता का आकर्षण रस्साकशी का आयोजन रहा। जिसमें कुलपति ने दोनों टीमों की हौसला अफजाई की। जिसमें अंततः प्रोफेसर एस कुमार की टीम विजेता रही। जिसमें कुल 13 प्रतिभागियों की प्रतिभागिता रही। इसी तरह रस्साकशी महिला संवर्ग प्रतियोगिता में डॉ0 सुमन सिंह, डॉ0 सफीना, रूबी, डॉ0 सुषमा सिंह, डॉ0 कौमुदी शुक्ला की टीम विजेता रही। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की। कार्यक्रम के प्रारंभ में खेलकूद आयोजन के समन्वयक प्रोफेसर संजय कुमार सिंह ने कुलपति, कुलसचिव तथा विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मियों का स्वागत किया।

PRAYAGRAJ SUNDAY, 10 NOVEMBER 2024
JEEVAN EXPRESS
EDITORIAL NEWSCAST SPORT

27th Foundation Day of UPRTOU…

Dr. Sadhna Srivastava stood first, Dr. Sohni Devi second and Dr. Neeta Mishra third women's walking category

Teachers showed their strength in tug of war....

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
नगर-संस्करण
डाक रजिस्ट्रेशन नं.- एडी.34/2024-26
प्रयागराज रविवार 10 नवम्बर, 2024 पृष्ठ 12

पैदल चाल में साधना श्रीवास्तव ने सभी को पछाड़ा , रस्साकशी में शिक्षिकाओं ने दिखाया दमखम

स्थापना दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में खेलकूद समारोह का आयोजन

दिनांक 10.11.2024 को क्षेत्रीय समन्वयक बरेली, मेरठ, ग़ाज़ियाबाद डॉ0 सतेन्द्र नें इण्डियन एजुकेशन एसोसिएशन के भारतीय शिक्षक रत्न सम्मान समारोह संभल उ प्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त वि वि की कार्यप्रणाली के बारे में बताया अध्ययन बनने, संचालन तथा वि वि में संचालित विभिन्न कोर्स के बारे में बताया। कार्यक्रम में जनपद संभल, बदायूँ, बुलन्दशहर, अलीगढ़ आदि के कॉलेज/विद्यालयों के 500 से अधिक प्रबन्धक, प्राचार्य, शिक्षकगण व प्रबुधजनों को सम्मानित किया । सभी को कोर्सेस की जानकारी दी उन्हें पम्पलेट भी दिये।

मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे चक्र का आयोजन

मानानीय कुलपति जी द्वारा सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के सरस्वती परिसर में विश्वविद्यालय के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद के दूसरे चक्र का आयोजन दिनांक 11 नवंबर 2024 को प्रातः 10:30 किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी की गरिमा में उपस्थिति रही। खेंलो की समाप्ति पर माननीय कुलपति जी द्वारा सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया।

इसमें निम्न खेलों का आयोजन किया गया– 1. शतरंज 2. फुटबाल 3. खो–खो। शतरंज खेल में प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. पी. क. स्टालिन, डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र, श्री मनोज कुमार बलवन्त, डॉ0 अभय कुमार यादव, धीरज रावत, नृपेन्द्र सिंह विजेता रहे। जबकि फुटबाल खेल में डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव जी की टीम विजयी रही। फुटबाल विजेता टीम में निम्न खिलाड़ियों डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ. अभिषेक सिंह, श्री अनुराग शुक्ला, डॉ. शिवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. शैलेंद्र सिंह, डॉ. योगेश कुमार यादव, डॉ. राघवेन्द्र सिंह, श्री राजेश पाठक, प्रमोद द्विवेदी, प्रदीप कुमार यादव, सर्वेश कुमार त्रिपाठी, डॉ. अमित कुमार सिंह, डॉ. सी. के. सिंह, राम प्रवेश यादव इत्यादि ने प्रदर्शन किया।

खो–खो खेल प्रतियोगिता में प्रोफेसर अजेंद्र कुमार मलिक की टीम ने विजयी प्रदर्शन किया। इनके टीम में निम्न खिलाड़ियों प्रोफेसर अजेंद्र कुमार मलिक, प्रोफेसर मीरा पाल, श्री प्रविन्द कुमार वर्मा, श्री राजेश सिंह, डॉ. अनुज कुमार सिंह, डॉ. राघवेंद्र सिंह, श्री अरविंद कुमार मिश्रा, श्रीमती कामना यादव, डॉ. शिवेंद्र प्रताप सिंह, श्रीमती सुषमा सिंह, इत्यादि ने प्रदर्शन किया। माननीय कुलपति जी की उपस्थिति से खिलाड़ियों में उत्साह बना रहा तथा सफलतापूर्वक इस खेल का आयोजन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के प्रारमी में समन्वयक, खेलकूद, प्रो. सेंजय कुमार सिंह द्वारा माननीय कुलपति जी का स्वागत किया गया तथा संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, सहायक आचार्य, समाज विज्ञान विद्या शाखा द्वारा किया गया।

विजेताओं एवं प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र

सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान करते हुए माननीय कुलपति जी

खेल हमारे सामाजिक जीवन के लिए अनिवार्य है : प्रोफेसर सत्यकाम

इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने कहा कि खेल हम सभी के प्रतिदिन के जीवन के लिए बहुत अच्छा होता है क्योंकि ये हमें शारीरिक एवं मानसिक रुप से सक्रिय बनाता है। खेल हमारे सामाजिक जीवन के लिए अनिवार्य है। खेल हमें पूरे जीवनभर बहुत से तरीकों से मदद करता है। किसी भी खेल में रुचि, पूरे विश्वभर में पहचान और जीवन भर के लिए उपलब्धि प्रदान कर सकती है। खेल की चुनौतियों का सामना करना हमें जीवन की अन्य चुनौतियों से निपटने के साथ ही इस प्रतियोगी संसार में जीवित रहना भी सिखाता है। खेल अनुशासन सिखाते हैं और अनुशासन जीवन में सफलता के लिए आवश्यक है। आजकल, लड़कियाँ भी लड़कों की तरह ही बड़े स्तर पर, अपने आत्मविश्वास के साथ बिना किसी पारिवारिक और सामाजिक झिझक के खेल गतिविधियों में भाग ले रही हैं।

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर हुआ व्याख्यान

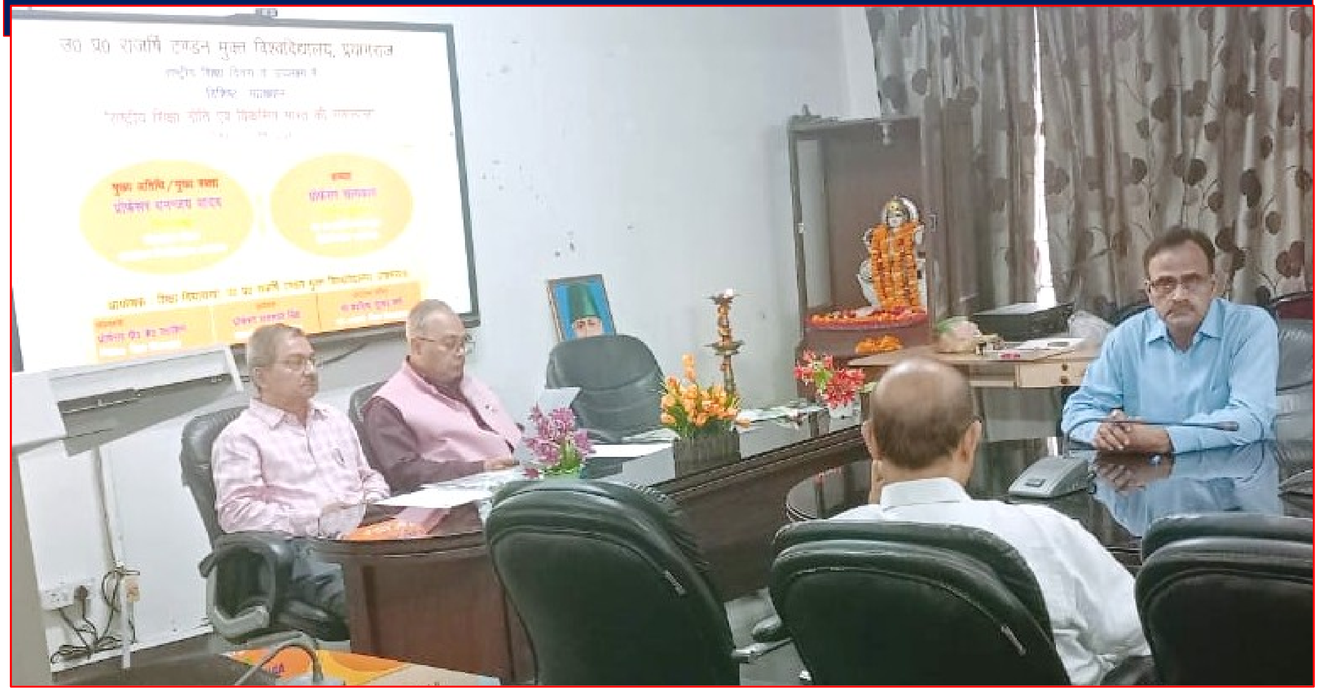

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में सोमवार दिनांक 11 नवम्बर, 2024 को मौलाना अबुल कलाम आजाद की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर धनंजय यादव जी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यका मजी ने की।

इस अवसर पर कार्यक्रम के निदेशक प्रोफेसर पी. के. स्टालिन ने सभी अतिथियों का वाचिक स्वागत तथा कार्यक्रम की रूपरेखा एवं विषय प्रवर्तन परविंद कुमार वर्मा ने किया। संचालन डॉ0 रविंद्र नाथ सिंह ने तथा संयोजक प्रोफेसर छत्रसाल सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 रविंद्र नाथ सिंह

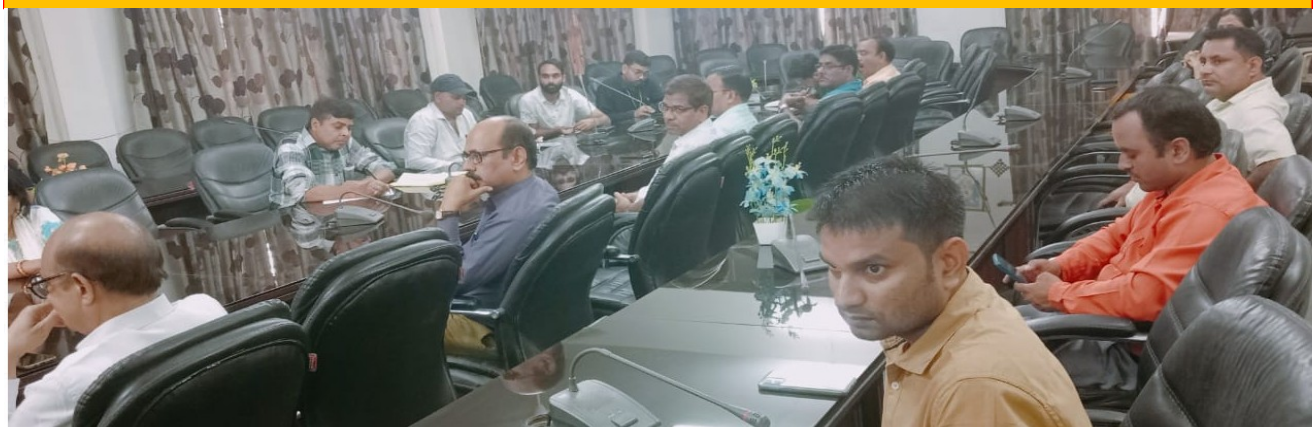

सभी अतिथियों का वाचिक स्वागत करते हुए कार्यक्रम के निदेशक प्रोफेसर पी. के. स्टालिन

नई शिक्षा नीति में सभी का योगदान जरूरी– प्रोफेसर धनंजय यादव

मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर धनंजय यादव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा दिवस को स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। मौलाना अबुल कलाम आजाद एक महान स्वतंत्रता सेनानी , शिक्षाविद और बेहतरीन लेखक थे। मौलाना आजाद ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया। उनके कार्यकाल में विभिन्न साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी, संगीत नाटक अकादमी का गठन हुआ। इसके साथ ही उनके कार्यकाल में सांस्कृतिक संबंध परिषद भी स्थापित हुआ।

प्रोफेसर यादव ने कहा कि आज नई शिक्षा नीति 2020 मूर्त रूप में है। सभी लोग सामूहिक जिम्मेदारी लेते हुए देश की शिक्षा नीति में अपना योगदान दें। मौलाना आजाद ने स्वतंत्र भारत के बाद शिक्षा नीति की जो बागडोर संभाली थी उसको आगे बढ़ाने के क्रम में प्रयास जारी है। इसको अमलीजामा पहना पाए तो निश्चित रूप से भारत 2047 तक विकसित भारत के रूप में परिवर्तित हो जाएगा, ऐसी अपेक्षा है। उसके लिए हम सभी का सामाजिक, समावेशी एवं सामूहिक प्रयास होना चाहिए, जो भारत के लिए श्रेष्ठ होगा ।

मौलाना आजाद ने देखा था शिक्षित भारत का सपना– प्रोफेसर सत्यकाम

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मौलाना आजाद भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री थे जिन्होंने भारत को शिक्षित करने में पूरा योगदान दिया और उन्होंने शिक्षा के माध्यम से एक शिक्षित भारत बनाने का सपना देखा था उसी के अनुक्रम में अनेक शिक्षण संस्थाओ के विकास में अपना योगदान दिया। उनका सपना था कि सभी बच्चे शैक्षिक रूप से सक्षम होते हुए रोजगार परक शिक्षा प्राप्त करें और उसी के अनुक्रम में अपने जीवन यापन करते हुए देश व समाज के विकास में अपना योगदान दें।

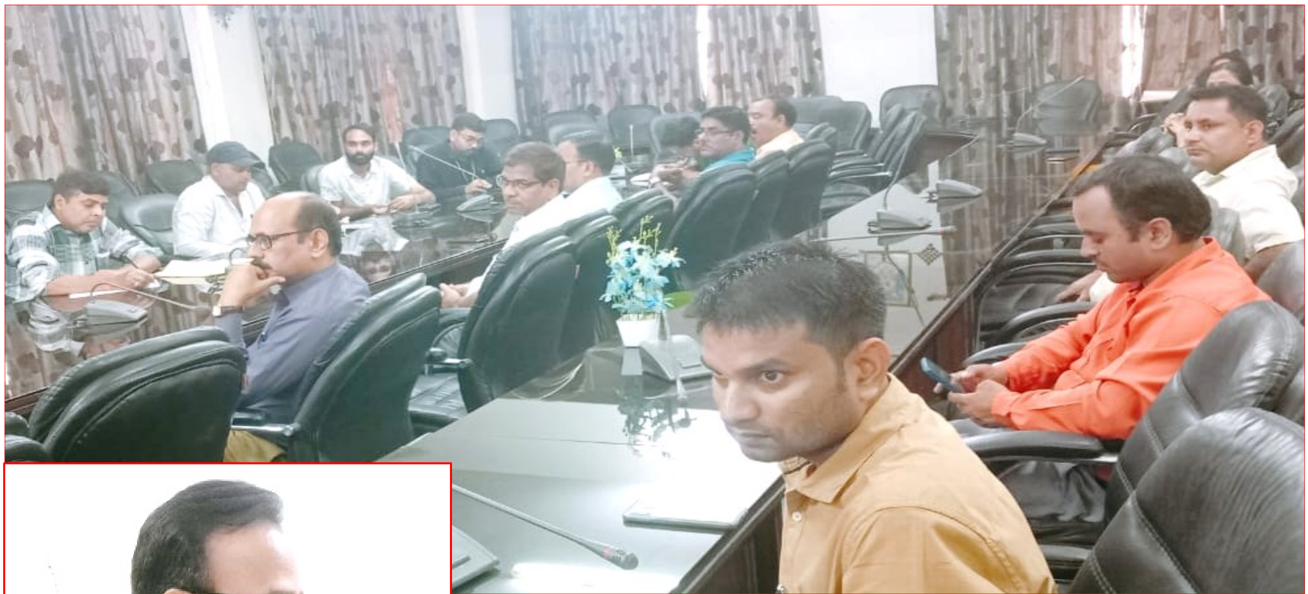

सभी का आभार व्यक्त करते हुए संयोजक प्रोफेसर छत्रसाल सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार दिनांक 12 नवम्बर, 2024 को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र कल्याण परिषद ने लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती की श्रृंखला में अटल प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिसमें आयुषी त्रिपाठी ने जहां ओजपूर्ण एवं देशभक्ति परक काव्य पाठ ने समां बांध दिया वहीं डॉ. कृष्ण राज सिंह के निर्गुण काव्य की धारा में श्रोता सराबोर हो गए।

इस अवसर पर चांदनी सिंह ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके साथ ही अंजली शर्मा, भव्या पांडे, श्रेया मिश्रा, सुरभि सागर, तनुश्री सिंह, सिद्धांत साहू और अंजना बनर्जी की टीम ने डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। जिसकी भूरि भूरि सराहना की गई।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ0 सुमन यादव

अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रोफेसर छत्रसाल सिंह

सांस्कृतिक संध्या में कंचन लाल यादव एवं उनकी टीम के बिरहा गायन ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। सुप्रिया सिंह रावत आरती यादव नित्याश्री सुनिधि सिंह यशस्वी श्रीवास्तव समृद्धि श्रीवास्तव शिक्षा तिवारी अनुषा तिवारी तथा श्रेयांशी सिंह की टीम ने भेड़िया नीति की शानदार प्रस्तुति की। इसके साथ ही कालबेलिया तथा पूर्वी नृत्य की प्रस्तुति अत्यंत सराहनीय रही।

अदिति और मुस्कान ने रासलीला की प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कत्थक नृत्य में भव्या पांडे, तनुश्री सिंह और सिद्धांत साहू ने आकर्षक प्रस्तुति से अटल प्रेक्षागृह तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए कलाकार

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए कलाकार

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए कलाकार

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत पुरातन छात्र आर. ए. एफ. के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम, असिस्टेंट कमांडेंट श्री रामचंद्र राम तथा एस आई श्री बृजेश कुमार सिंह, आर. पी. रस्तोगी इंटर कॉलेज, प्रयागराज के प्रधानाचार्य डॉ. लालजी यादव, मुक्त विश्वविद्यालय की प्रोफेसर रुचि बाजपेई, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शैलेश कुमार यादव, सुश्री दीप्ति योगश्वर, शुभ लक्ष्मी शर्मा, राजभाषा अधिकारी, चंद्रशेखर पाण्डेय, डॉ. स्मिता अग्रवाल, हेमंत शुक्ला, ज्योति को सम्मानित किया।

पुरातन छात्रों को सम्मानित करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने सभी कलाकारों को प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह का संचालन सुमन यादव ने किया। सभी अतिथियों का स्वागत प्रोफेसर छत्रसाल सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने किया।

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यका मजी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सीमा जी को अंगवस्त्र व समृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए आयोजन समिति के सदस्यगण

देशभक्ति परक कार्यक्रम सरदार पटेल को समर्पित : प्रोफेसर सत्यकाम

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने इस अवसर पर लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल को याद करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के देशभक्ति परक कार्यक्रम सरदार पटेल को समर्पित हैं। उन्होंने देश को एक नई दिशा दी जिसे आज यहां काव्य पाठ में प्रस्तुत किया गया।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए पुरातन छात्र कल्याण परिषद के अध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव

राष्ट्रगान

अनुराग दर्शन
www.anuragdarshan.com
वर्ष-03 अंक-163 (हिंदी दैनिक) प्रयागराज बुधवार 13 नवंबर 2024 पृष्ठ 4 प्रातः कालीन मूल्य दो रुपया

मुक्त विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार) । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र कल्याण परिषद ने लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती की श्रृंखला में अटल प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिसमें आयुषी त्रिपाठी ने जहां ओजपूर्ण एवं देशभक्ति परक काव्य पाठ ने समां बांध दिया वहीं डॉक्टर कृष्ण राज सिंह के निर्गुण काव्य की धारा में श्रोता सराबोर हो गए इस अवसर पर चांदनी सिंह ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके साथ ही अंजली शर्मा, भव्या पांडे, श्रेया मिश्रा, सुरभि सागर, तनुश्री सिंह, सिद्धांत साहू और अंजना बनर्जी की टीम ने डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। जिसकी भूरि भूरि सराहना की गई सुप्रिया सिंह रावत आरती यादव नित्याश्री सुनिधि सिंह यशस्वी श्रीवास्तव समृद्धि श्रीवास्तव शिक्षा तिवारी अनुषा तिवारी तथा श्रेयांशी सिंह की टीम ने भेड़िया नीति की शानदार प्रस्तुति की। इसके साथ ही कालबेलिया तथा पूर्वी नृत्य की प्रस्तुति अत्यंत सराहनीय रही। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत पुरातन छात्र आर ए एफ के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम, असिस्टेंट कमांडेंट रामचंद्र राम तथा एस आई बृजेश कुमार सिंह, आरपी रस्तोगी इंटर कॉलेज, प्रयागराज के प्रधानाचार्य डॉक्टर लालजी यादव, मुक्त विश्वविद्यालय की प्रोफेसर रुचि बाजपेई, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर शैलेश कुमार यादव, सुश्री दीप्ति योगेश्वर, शुभ लक्ष्मी शर्मा, राजभाषा अधिकारी, चंद्रशेखर पांडेय , डॉक्टर स्मिता अग्रवाल, हेमंत शुक्ला, ज्योति को सम्मानित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस अवसर पर लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल को याद करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के देशभक्ति परक कार्यक्रम सरदार पटेल को समर्पित हैं। उन्होंने देश को एक नई दिशा दी जिसे आज यहां काव्य पाठ में प्रस्तुत किया गया। प्रोफेसर सत्यकाम ने सभी कलाकारों को प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह का संचालन सुमन यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर ज्ञान प्रकाश यादव ने किया।

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
तिजारत

कुलपति ने किया आरएएफ कमांडेंट मनोज गौतम को सम्मानित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र कल्याण परिषद ने लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती की श्रृंखला में अटल प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिसमें आयुषी त्रिपाठी ने जहां ओजपूर्ण एवं देशभक्ति परक काव्य पाठ ने समां बांध दिया वहीं डॉक्टर कृष्ण राज सिंह के निर्गुण काव्य की धारा में श्रोता सराबोर हो गए। इस अवसर पर चांदनी सिंह ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके साथ ही अंजली शर्मा, भव्या पांडे, श्रेया मिश्रा, सुरभि सागर, तनुश्री सिंह, सिद्धांत साहू और अंजना बनर्जी की टीम ने डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। जिसकी भूरि भूरि सराहना की गई। सुप्रिया सिंह रावत आरती यादव नित्याश्री सुनिधि सिंह यशस्वी श्रीवास्तव समृद्धि श्रीवास्तव शिक्षा तिवारी अनुषा तिवारी तथा श्रेयांशी सिंह की टीम ने भेड़िया नीति की शानदार प्रस्तुति की। इसके साथ ही कालबेलिया तथा पूर्वी नृत्य की प्रस्तुति अत्यंत सराहनीय रही। अदिति और मुस्कान ने रासलीला की प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथक नृत्य में भव्या पांडे, तनुश्री सिंह और सिद्धांत साहू ने आकर्षक प्रस्तुति से अटल प्रेक्षागृह तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत पुरातन छात्र आर ए एफ के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम, असिस्टेंट कमांडेंट रामचंद्र राम तथा एस आई बृजेश कुमार सिंह, आरपी रस्तोगी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर लालजी यादव, मुक्त विश्वविद्यालय की प्रोफेसर रुचि बाजपेई, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर शैलेश कुमार यादव, सुश्री दीप्ति योगेश्वर, शुभ लक्ष्मी शर्मा, राजभाषा अधिकारी, चंद्रशेखर पांडेय , डॉक्टर स्मिता अग्रवाल, हेमंत शुक्ला, ज्योति को सम्मानित किया। सांस्कृतिक संध्या में कंचन लाल यादव एवं उनकी टीम के बिरहा गायन ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सत्यकाम ने इस अवसर पर लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल को याद करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के देशभक्ति परक कार्यक्रम सरदार पटेल को समर्पित हैं। उन्होंने देश को एक नई दिशा दी जिसे आज यहां काव्य पाठ में प्रस्तुत किया गया। प्रोफेसर सत्यकाम ने सभी कलाकारों को प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह का संचालन सुमन यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर ज्ञान प्रकाश यादव ने किया।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
यूनाइटेड भारत
हिन्दी दैनिक
सिर्फ सच के साथ
बुधवार 13 नवम्बर, 2024 प्रयागराज, वर्ष : 25, अंक : 10, पेज : 12 , मूल्य : 3.00 रूपए
www.facebook.com/ubepaper unitedbharat21@gmail.com

मुक्त विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन

यूनाइटेड भारत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र कल्याण परिषद ने लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती की श्रृंखला में अटल प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिसमें आयुषी त्रिपाठी ने जहां ओजपूर्ण एवं देशभक्ति परक काव्य पाठ ने समां बांध दिया वहीं डॉक्टर कृष्ण राज सिंह के निर्गुण काव्य की धारा में श्रोता सराबोर हो गए। इस अवसर पर चांदनी सिंह ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके साथ ही अंजली शर्मा, भव्या पांडे, श्रेया मिश्रा, सुरभि सागर, तनुश्री सिंह, सिद्धांत साहू और अंजना बनर्जी की टीम ने डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। जिसकी भूरि भूरि सराहना की गई।सुप्रिया सिंह रावत आरती यादव नित्याश्री सुनिधि सिंह यशस्वी श्रीवास्तव समृद्धि श्रीवास्तव शिक्षा तिवारी अनुषा तिवारी तथा श्रेयांशी सिंह की टीम ने भेड़िया नीति की शानदार प्रस्तुति की। इसके साथ ही कालबेलिया तथा पूर्वी नृत्य की प्रस्तुति अत्यंत सराहनीय रही।

अदिति और मुस्कान ने रासलीला की प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कत्थक नृत्य में भव्या पांडे, तनुश्री सिंह और सिद्धांत साहू ने आकर्षक प्रस्तुति से अटल प्रेक्षागृह तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत पुरातन छात्र आर ए एफ के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम, असिस्टेंट कमांडेंट श्री रामचंद्र राम तथा एस आई श्री बृजेश कुमार सिंह,आरपी रस्तोगी इंटर कॉलेज, प्रयागराज के प्रधानाचार्य डॉक्टर लालजी यादव, मुक्त विश्वविद्यालय की प्रोफेसर रुचि बाजपेई, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर शैलेश कुमार यादव, सुश्री दीप्ति योगेश्वर, शुभ लक्ष्मी शर्मा, राजभाषा अधिकारी, चंद्रशेखर पांडेय , डॉक्टर स्मिता अग्रवाल, हेमंत शुक्ला, ज्योति को सम्मानित किया।

amarujala.com
अमर उजाला
प्रयागराज ■ बुधवार, 13 नवंबर 2024

सम्मनित किए गए मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र

मुक्त विवि में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अमर उजाला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 27वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो.सत्यकाम ने स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत पुरातन छात्र आरएएफ के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम, असिस्टेंट कमांडेंट रामचंद्र, एसआई बृजेश कुमार सिंह, आरपी रस्तोगी इंटर कॉलेज प्रयागराज के प्रधानाचार्य डॉ.लालजी यादव, मुक्त विवि की प्रो.रुचि बाजपेई, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के असिस्टेंट प्रो. शैलेश कुमार यादव, दीप्ति योगेश्वर, शुभ लक्ष्मी शर्मा, चंद्रशेखर पांडेय, डॉ.स्मिता अग्रवाल, हेमंत शुक्ला, ज्योति को सम्मानित किया। ब्यूरो

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
नगर-संस्करण
डाक रजिस्ट्रेशन नं.- ए.डी.34/2024-26
वर्ष 42 अंक 322 प्रयागराज बुधवार 13 नवम्बर, 2024 पृष्ठ 12 मूल्य ₹3.00

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र कल्याण परिषद ने लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती की श्रृंखला में अटल प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिसमें आयुषी त्रिपाठी ने जहां ओजपूर्ण एवं देशभक्ति परक काव्य पाठ ने समां बांध दिया वहीं डॉक्टर कृष्ण राज सिंह के निर्गुण काव्य की धारा में श्रोता सराबोर हो गए।

इस अवसर पर चांदनी सिंह ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके साथ ही अंजली शर्मा, भव्या पांडे, श्रेया मिश्रा, सुरभि सागर, तनुश्री सिंह, सिद्धांत साहू और अंजना बनर्जी की टीम ने डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। जिसकी भूरि भूरि सराहना की गई।सुप्रिया सिंह रावत आरती यादव नित्याश्री सुनिधि सिंह यशस्वी श्रीवास्तव समृद्धि श्रीवास्तव शिक्षा तिवारी अनुषा तिवारी तथा श्रेयांशी सिंह की टीम ने भेड़िया नीति की शानदार प्रस्तुति की। इसके साथ ही कालबेलिया तथा पूर्वी नृत्य की प्रस्तुति अत्यंत सराहनीय रही।

अदिति और मुस्कान ने रासलीला की प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कत्थक नृत्य में भव्या पांडे, तनुश्री सिंह और सिद्धांत साहू ने आकर्षक प्रस्तुति से अटल प्रेक्षागृह तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत पुरातन छात्र आर ए एफ के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम, असिस्टेंट कमांडेंट श्री रामचंद्र राम तथा एस आई श्री बृजेश कुमार सिंह,आरपी रस्तोगी इंटर कॉलेज, प्रयागराज के प्रधानाचार्य डॉक्टर लालजी यादव, मुक्त विश्वविद्यालय की प्रोफेसर रुचि बाजपेई, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर शैलेश कुमार यादव, सुश्री दीप्ति योगेश्वर, शुभ लक्ष्मी शर्मा, राजभाषा अधिकारी, चंद्रशेखर पांडेय , डॉक्टर स्मिता अग्रवाल, हेमंत शुक्ला, ज्योति को सम्मानित किया।

सांस्कृतिक संध्या में कंचन लाल यादव एवं उनकी टीम के बिरहा गायन ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस अवसर पर लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल को याद करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के देशभक्ति परक कार्यक्रम सरदार पटेल को समर्पित हैं। उन्होंने देश को एक नई दिशा दी जिसे आज यहां काव्य पाठ में प्रस्तुत किया गया। प्रोफेसर सत्यकाम ने सभी कलाकारों को प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह का संचालन सुमन यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर ज्ञान प्रकाश यादव ने किया।

https://twitter.com/nyayadheeshald
https://twitter.com/nyaya

प्रयाग प्रभात

मुक्त विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 12 नवंबर राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 27 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र कल्याण परिषद ने लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती की श्रृंखला में अटल प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिसमें आयुषी

त्रिपाठी ने जहां ओजपूर्ण एवं देशभक्ति परक काव्य पाठ ने समां बांध दिया वहीं डॉक्टर कृष्ण राज सिंह के निर्गुण काव्य की धारा में श्रोता सराबोर हो गए। इस अवसर पर चांदनी सिंह ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके साथ ही अंजली शर्मा, भव्या पांडे, श्रेया मिश्रा, सुरभि सागर, तनुश्री सिंह, सिद्धांत साहू और अंजना बनर्जी की टीम ने डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। जिसकी भूरि भूरि सराहना की गई। सुप्रिया सिंह रावत आरती यादव नित्याश्री सुनिधि सिंह यशस्वी श्रीवास्तव समृद्धि श्रीवास्तव शिक्षा तिवारी अनुषा तिवारी तथा श्रेयांशी सिंह की टीम ने भेड़िया नीति की शानदार प्रस्तुति की। इसके साथ ही कालबेलिया तथा पूर्वी नृत्य की प्रस्तुति अत्यंत सराहनीय रही। अदिति और मुस्कान ने रासलीला की प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कत्थक नृत्य में भव्या पांडे, तनुश्री सिंह और सिद्धांत साहू ने आकर्षक प्रस्तुति से अटल प्रेक्षागृह तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत पुरातन छात्र आर ए एफ के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम, असिस्टेंट कमांडेंट श्री रामचंद्र राम तथा एस आई श्री बृजेश कुमार सिंह,आरपी रस्तोगी इंटर कॉलेज,के प्रधानाचार्य डॉक्टर लालजी यादव, मुक्त विश्व विद्यालय की प्रोफेसर रुचि बाजपेई, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर शैलेश कुमार यादव, सुश्री दीप्ति योगेश्वर, शुभ लक्ष्मी शर्मा, राजभाषा अधिकारी, चंद्रशेखर पांडेय , डॉक्टर स्मिता अग्रवाल, हेमंत शुक्ला, ज्योति को सम्मानित किया। सांस्कृतिक संध्या में कंचन लाल यादव एवं उनकी टीम के बिरहा गायन ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस अवसर पर लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल को याद करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के देशभक्ति परक कार्यक्रम सरदार पटेल को समर्पित हैं। उन्होंने देश को एक नई दिशा दी जिसे आज यहां काव्य पाठ में प्रस्तुत किया गया। प्रोफेसर सत्यकाम ने सभी कलाकारों को प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह का संचालन सुमन यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर ज्ञान प्रकाश यादव ने किया।

सबसे तेज प्रयागराज
सब पर नजर, सटीक खबर

मुक्त विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र कल्याण परिषद ने लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती की श्रृंखला में अटल प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिसमें आयुषी त्रिपाठी ने जहां ओजपूर्ण एवं देशभक्ति परक काव्य पाठ ने समां बांध दिया वहीं डॉक्टर कृष्ण राज सिंह के निर्गुण काव्य की धारा में श्रोता सराबोर हो गए।

इस अवसर पर चांदनी सिंह ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके साथ ही अंजली शर्मा, भव्या पांडे, श्रेया मिश्रा, सुरभि सागर, तनुश्री सिंह, सिद्धांत साहू और अंजना बनर्जी की टीम ने डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। जिसकी भूरि भूरि सराहना की गई। सुप्रिया सिंह रावत आरती यादव नित्याश्री सुनिधि सिंह यशस्वी श्रीवास्तव समृद्धि श्रीवास्तव शिक्षा तिवारी अनुषा तिवारी तथा श्रेयांशी सिंह की टीम ने भेड़िया नीति की शानदार प्रस्तुति की। इसके साथ ही कालबेलिया तथा पूर्वी नृत्य की प्रस्तुति अत्यंत सराहनीय रही।

अदिति और मुस्कान ने रासलीला की प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कत्थक नृत्य में भव्या पांडे, तनुश्री सिंह और सिद्धांत साहू ने आकर्षक प्रस्तुति से अटल प्रेक्षागृह तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत पुरातन छात्र आर ए एफ के कमांडेंट , असिस्टेंट कमांडेंट रामचंद्र राम तथा एसआई बृजेश कुमार सिंह,आरपी रस्तोगी इंटर कॉलेज, प्रयागराज के प्रधानाचार्य डॉक्टर लालजी यादव, मुक्त विश्वविद्यालय की प्रोफेसर रुचि बाजपेई, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर शैलेश कुमार यादव, सुश्री दीप्ति योगेश्वर, शुभ लक्ष्मी शर्मा, राजभाषा अधिकारी, चंद्रशेखर पांडेय , डॉक्टर स्मिता अग्रवाल, हेमंत शुक्ला, ज्योति को सम्मानित किया।

सांस्कृतिक संध्या में कंचन लाल यादव एवं उनकी टीम के बिरहा गायन ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस अवसर पर लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल को याद करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के देशभक्ति परक कार्यक्रम सरदार पटेल को समर्पित हैं। उन्होंने देश को एक नई दिशा दी जिसे आज यहां काव्य पाठ में प्रस्तुत किया गया। प्रोफेसर सत्यकाम ने सभी कलाकारों को प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह का संचालन सुमन यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर ज्ञान प्रकाश यादव ने किया।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र RNI No.-UPHIN/2020/82181 www.harbaatnews.com
हरबात
प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 04 अंक : 343 प्रयागराज, बुधवार, 13 नवम्बर, 2024, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

मुक्त विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र कल्याण परिषद ने लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती की श्रृंखला में अटल प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिसमें आयुषी त्रिपाठी ने जहां ओजपूर्ण एवं देशभक्ति परक काव्य पाठ ने समां बांध दिया वहीं डॉक्टर कृष्ण राज सिंह के निर्गुण काव्य की धारा में श्रोता सराबोर हो गए।

इस अवसर पर चांदनी सिंह ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके साथ ही अंजली शर्मा, भव्या पांडे, श्रेया मिश्रा, सुरभि सागर, तनुश्री सिंह, सिद्धांत साहू और अंजना बनर्जी की टीम ने डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। जिसकी भूरि भूरि सराहना की गई।सुप्रिया सिंह रावत आरती यादव नित्याश्री सुनिधि सिंह यशस्वी श्रीवास्तव समृद्धि श्रीवास्तव शिक्षा तिवारी अनुषा तिवारी तथा श्रेयांशी सिंह की टीम ने भेड़िया नीति की शानदार प्रस्तुति की। इसके साथ ही कालबेलिया तथा पूर्वी नृत्य की प्रस्तुति अत्यंत सराहनीय रही।अदिति और मुस्कान ने रासलीला की प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कत्थक नृत्य में भव्या पांडे, तनुश्री सिंह और सिद्धांत साहू ने आकर्षक प्रस्तुति से अटल प्रेक्षागृह तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत पुरातन छात्र आर ए एफ के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम, असिस्टेंट कमांडेंट श्री रामचंद्र राम तथा एस आई श्री बृजेश कुमार सिंह,आरपी रस्तोगी इंटर कॉलेज, प्रयागराज के प्रधानाचार्य डॉक्टर लालजी यादव, मुक्त विश्वविद्यालय की प्रोफेसर रुचि बाजपेई, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर शैलेश कुमार यादव, सुश्री दीप्ति योगेश्वर, शुभ लक्ष्मी शर्मा, राजभाषा अधिकारी, चंद्रशेखर पांडेय , डॉक्टर स्मिता अग्रवाल, हेमंत शुक्ला, ज्योति को सम्मानित किया। सांस्कृतिक संध्या में कंचन लाल यादव एवं उनकी टीम के बिरहा गायन ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस अवसर पर लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल को याद करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के देशभक्ति परक कार्यक्रम सरदार पटेल को समर्पित हैं। उन्होंने देश को एक नई दिशा दी जिसे आज यहां काव्य पाठ में प्रस्तुत किया गया। प्रोफेसर सत्यकाम ने सभी कलाकारों को प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह का संचालन सुमन यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर ज्ञान प्रकाश यादव ने किया।

Daily News
VOL. 03 NO. 64 MORNING EDITION PRAYAGRAJ
SANYAM BHARAT
WEDNESDAY, 13 NOVEMBER 2024, PAGES 4, PRICE RS. 1.00
Padhiye Dil Aur Shan Se....
EDIT PRAYAGRAJ NATION

Colorful cultural progs organized in Open University

SANYAM BHARAT CORRESPONDENT

Prayagraj: Colorful cultural programs were organized on Tuesday to commemorate the 27th foundation day of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj. The Old Students Welfare Council of the University organized cultural programs in the Atal Auditorium in the series of birth anniversary of Iron Man Sardar Vallabhbhai Patel. While Ayushi Tripathi enthralled the audience with her energetic and patriotic poetry recitation, the audience got engrossed in the stream of Nirguna poetry of Dr. Krishna Raj Singh. On this occasion, Chandni Singh presented the welcome song. Along with this, the team of Anjali Sharma, Bhavya Pandey, Shreya Mishra, Surbhi Sagar, Tanushree Singh, Siddhant Sahu and Anjana Banerjee presented Dandiya dance. Which was highly appreciated. The team of Supriya Singh Rawat, Aarti Yadav, Nityashree, Sunidhi Singh, Yashasvi Srivastava, Samriddhi Srivastava, Shiksha Tiwari, Anusha Tiwari and Shreyanshi Singh made a brilliant presentation of the wolf policy. Along with this, the presentation of Kalbelia and Eastern dance was highly commendable. Aditi and Muskaan mesmerized the people with the presentation of Rasleela. Atal Auditorium echoed with thunderous applause with the attractive performance of Bhavya Pandey, Tanushree Singh and Siddhant Sahu in Kathak dance.

Vice Chancellor Professor Satyakam, under the series of foundation day celebration programs, former student RAF Commandant Mr. Manoj Kumar Gautam, Assistant Commandant Mr. Ramchandra Ram and SI Mr. Brijesh Kumar Singh, Principal of RP Rastogi Inter College, Prayagraj Dr. Lalji Yadav, Mukt University Professor Ruchi Bajpai, Assistant Professor of Ishwar Sharan Degree College Dr. Shailesh Kumar Yadav, Ms. Deepti Yogeshwar, Shubh Lakshmi Sharma, Official Language Officer, Chandrashekhar Pandey. , honored Dr. Smita Aggarwal, Hemant Shukla, Jyoti. In the cultural evening, the birha singing of Kanchan Lal Yadav and her team forced the people to dance. Vice Chancellor of the University, Professor Satyakam, remembered the Iron Man Sardar Vallabhbhai Patel on this occasion. While saying that such patriotic programs in the university are dedicated to Sardar Patel. He gave a new direction to the country which was presented here today in a poetry recital. Professor Satyakam honored all the artists by giving them citations and mementos. The ceremony was conducted by Suman Yadav and the vote of thanks was given by Dr. Gyan Prakash Yadav.

वर्ष : 31 | अंक :12
प्रयागराज | गुरुवार, 14 नवम्बर-2024
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए होगा मंथन- प्रोफेसर श्रुति

मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी गुरुवार को

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं शुआट्स,प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीसीपीएसडीजी) का आयोजन 14 नवम्बर 2024 को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन गुरुवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे मुख्य अतिथि प्रोफेसर रमेश चन्द्रा, कुलपति महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर राजस्थान करेंगे। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आनंद वर्धन शर्मा, प्रोफेसर निदेशक, यूजीसी एचआरडीसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी होंगे तथा मुख्य वक्ता प्रोफेसर कुलदीप कुमार, सेंटर फॉर डाटा एनालिस्टिक्स, बौन्ड बिजनेस स्कूल, बौन्ड यूनिवर्सिटी, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया होंगे।प्रोफेसर श्रुति ने बताया की समापन सत्र अपराह्न 4:00 बजे निश्चित है। जिसके मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी,

सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बेचन शर्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज होंगे। संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। देश-विदेश से आने वाले प्रतिभागियों की व्यवस्था के लिए विश्वविद्यालय में विशेष इंतजाम किए गए हैं।मुक्त विश्वविद्यालय की जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की सफलता के लिए आयोजन समिति का गठन करते हुए संगोष्ठी के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, संयोजक प्रोफेसर श्रुति एवं प्रोफेसर अजीत पॉल, आयोजन सचिव डॉक्टर गौरव संकल्प, डॉक्टर दिनेश कुमार गुप्ता, डॉक्टर धर्मवीर सिंह, मनोज कुमार बलवंत, डॉ सी के सिंह एवं डॉ विशाल विंसेंट हेनरी को विशेष जिम्मेदारी दी है। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में संकाय सदस्य, रिसर्च स्कॉलर, पीजी छात्र, उद्योग जगत से तथा विदेशी प्रतिनिधि पंजीकरण कर रहे हैं। चयनित रिसर्च पेपर आईएसबीएन की कार्यवाही के साथ प्रकाशित किए जाएंगे।

हिंदी दैनिक वॉइस ऑफ इलाहाबाद
खबर वही जो सच हो...
www.voiceofallahabad.com

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए होगा मंथनः प्रो0 श्रुति

मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आज

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज (हि.स.)। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं शुआट्स के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, सम्भावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 14 नवम्बर को मुक्त विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित है।

यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने देते हुए बताया कि संगोष्ठी का उद्घाटन गुरुवार को पूर्वांचल 10:30 बजे मुख्य अतिथि प्रोफेसर रमेश चन्द्रा, कुलपति महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर राजस्थान करेंगे। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आनंदवर्धन शर्मा, निदेशक, यूजीसी एचआरडीसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी होंगे तथा मुख्य वक्ता प्रोफेसर कुलदीप कुमार, सेंटर फॉर डाटा एनालिस्टिक्स, बौन्ड बिजनेस स्कूल, बौन्ड यूनिवर्सिटी, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया होंगे। प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बेचन शर्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे।

मुक्त विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की सफलता के लिए आयोजन समिति का गठन करते हुए संगोष्ठी के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, संयोजक प्रोफेसर श्रुति एवं प्रोफेसर अजीत पॉल, आयोजन सचिव डॉ गौरव संकल्प, डॉ दिनेश कुमार गुप्ता जिम्मेदारी दी है।

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज गुरुवार 14 नवम्बर, 2024 संस्थापक-स्व0 डा0 रघुवीर चन्द जिन्दल

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए होगा मंथन -प्रोफेसर श्रुति

मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आज

प्रयागराज।उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं शुआट्स,प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीसीपीएसडीजी) का आयोजन 14 नवम्बर 2024 को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन गुरुवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे मुख्य अतिथि प्रोफेसर रमेश चन्द्रा, कुलपति महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर राजस्थान करेंगे। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आनंद वर्धन शर्मा, प्रोफेसर निदेशक, यूजीसी एचआरडीसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी होंगे तथा मुख्य वक्ता प्रोफेसर कुलदीप कुमार, सेंटर फॉर डाटा एनालिस्टिक्स, बौन्ड बिजनेस स्कूल, बौन्ड यूनिवर्सिटी, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया होंगे।प्रोफेसर श्रुति ने बताया की समापन सत्र अपराह्न 4:00 बजे निश्चित है। जिसके मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बेचन शर्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज होंगे। संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। देश-विदेश से आने वाले प्रतिभागियों की व्यवस्था के लिए विश्वविद्यालय में विशेष इंतजाम किए गए हैं।मुक्त विश्वविद्यालय की जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की सफलता के लिए आयोजन समिति का गठन करते हुए संगोष्ठी के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, संयोजक प्रोफेसर श्रुति एवं प्रोफेसर अजीत पॉल, आयोजन सचिव डॉक्टर गौरव संकल्प, डॉक्टर दिनेश कुमार गुप्ता, डॉक्टर धर्मवीर सिंह, श्री मनोज कुमार बलवंत, डॉ सी के सिंह एवं डॉ विशाल विंसेंट हेनरी को विशेष जिम्मेदारी दी है। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में संकाय सदस्य, रिसर्च स्कॉलर, पीजी छात्र, उद्योग जगत से तथा विदेशी प्रतिनिधि पंजीकरण कर रहे हैं। चयनित रिसर्च पेपर आईएसबीएन की कार्यवाही के साथ प्रकाशित किए जाएंगे।

● वर्ष : 17
● अंक : 276
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● गुरुवार, 14 नवम्बर 2024
● पृष्ठ : 08
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक तिजारत

विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए होगा मंथन, अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आज :प्रो श्रुति

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं शुआट्स के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीसीपीएसडीजी) का आयोजन 14 नवम्बर को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की संयोजक प्रो श्रुति ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन गुरुवार को साढ़े दस बजे मुख्य अतिथि प्रो रमेश चन्द्रा, कुलपति महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर राजस्थान करेंगे। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रो आनंद वर्धन शर्मा, प्रो निदेशक, यूजीसी एचआरडीसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी होंगे तथा मुख्य वक्ता

प्रो कुलदीप कुमार, सेंटर फॉर डाटा एनालिस्टिक्स, बौन्ड बिजनेस स्कूल, बौन्ड यूनिवर्सिटी, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया होंगे। प्रो श्रुति ने बताया कि समापन सत्र अपराह्न 4:00 बजे निश्चित है। जिसके मुख्य अतिथि प्रो अनूप चतुर्वेदी, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रो बेचन शर्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, होंगे। संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रो सत्यकाम करेंगे। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। देश-विदेश से आने वाले प्रतिभागियों की व्यवस्था के लिए विश्वविद्यालय में विशेष इंतजाम किए गए हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रो सत्यकाम ने अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की सफलता के लिए आयोजन समिति का गठन करते हुए संगोष्ठी के निदेशक प्रो आशुतोष गुप्ता, संयोजक प्रो श्रुति एवं प्रो अजीत पॉल, आयोजन सचिव डॉक्टर गौरव संकल्प, डॉक्टर दिनेश कुमार गुप्ता, डॉक्टर धर्मवीर सिंह, श्री मनोज कुमार बलवंत, डॉ सी के सिंह एवं डॉ विशाल विंसेंट हेनरी को विशेष जिम्मेदारी दी है। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में संकाय सदस्य, रिसर्च स्कॉलर, पीजी छात्र, उद्योग जगत से तथा विदेशी प्रतिनिधि पंजीकरण कर रहे हैं।

Daily News
SANYAM BHARAT
VOL. 03
NO. 65
MORNING EDITION
PRAYAGRAJ
THURSDAY, 14 NOVEMBER 2024, PAGES 4, PRICE RS. 1.00
Padhiye Dil Aur Shan Se....
EDIT PRAYAGRAJ NATION

Brainstorming to achieve sustainable development goals: Professor Shruti

International seminar in Open University on Thursday

SAMYAM BHARAT CORRESPONDENT

Prayagraj: Under the joint aegis of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj and SHUTS, Prayagraj, International Seminar on Pathways, Possibilities and Challenges of Achieving Sustainable Development Goals (PCPSDG) will be organized on 14 November 2024 in Lokmanya Tilak Shastrarth Auditorium located in Saraswati Campus of Open University. Is being done. Convenor of the international seminar, Professor Shruti said that the international seminar will be inaugurated on Thursday at 10:30 am by the chief guest, Professor Ramesh Chandra, Vice Chancellor, Maharaja Surajmal Brij University, Bharatpur Rajasthan. The special guest of the inaugural session will be Professor Anand Vardhan Sharma, Professor Director, UGC HRDC, Banaras

Hindu University, Varanasi and the keynote speaker will be Professor Kuldeep Kumar, Center for Data Analytics, Bond Business School, Bond University, Queensland, Australia. Professor Shruti said. The concluding session is scheduled at 4:00 pm.

The chief guest of which will be Professor Anoop Chaturvedi, Department of Statistics, Allahabad University and the special guest will be Professor Bechan Sharma, Dean, Faculty of Science, Allahabad University, Prayagraj. Vice Chancellor Professor Satyakam will preside over the seminar. He informed that all preparations for organizing the international seminar have been completed. Special arrangements have been made in the university to accommodate the participants coming from India and abroad. Public Relations Officer of the Open University, Dr. Prabhat Chandra Mishra said that Vice Chancellor Professor Satyakam has formed the organizing committee for the success of the international seminar. Director Professor Ashutosh Gupta, Convener Professor Shruti and Professor Ajit Paul, Organizing Secretary Dr. Gaurav Sankalp, Dr. Dinesh Kumar Gupta, Dr. Dharamveer Singh, Manoj Kumar Balwant, Dr. CK Singh and Dr. Vishal. Vincent Henry has been given special responsibility. Faculty members, research scholars, PG students, industry and foreign delegates are registering for the international seminar. Selected research papers will be published with Proceedings ISBN.

हिन्दी दैनिक उजाला शिखर
खबर गहराईयों की

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए होगा मंथन -प्रोफेसर श्रुति

मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आज

उजाला शिखर संवाददाता प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं शुआट्स,प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पीसीपीएसडीजी) का आयोजन 14 नवम्बर 2024 को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन गुरुवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे मुख्य अतिथि प्रोफेसर रमेश चन्द्रा, कुलपति महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर राजस्थान करेंगे। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आनंद वर्धन शर्मा, प्रोफेसर निदेशक, यूजीसी एचआरडीसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी होंगे तथा मुख्य वक्ता प्रोफेसर कुलदीप कुमार, सेंटर फॉर डाटा एनालिस्टिक्स, बौन्ड बिजनेस स्कूल, बौन्ड यूनिवर्सिटी, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया होंगे।

प्रोफेसर श्रुति ने बताया की समापन सत्र अपराह्न 4:00 बजे निश्चित है। जिसके मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बेचन शर्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज होंगे। संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। देश-विदेश से आने वाले प्रतिभागियों की व्यवस्था के लिए विश्वविद्यालय में विशेष इंतजाम किए गए हैं।

मुक्त विश्वविद्यालय की जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की सफलता के लिए आयोजन समिति का गठन करते हुए संगोष्ठी के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, संयोजक प्रोफेसर श्रुति एवं प्रोफेसर अजीत पॉल, आयोजन सचिव डॉक्टर गौरव संकल्प, डॉक्टर दिनेश कुमार गुप्ता, डॉक्टर धर्मवीर सिंह, श्री मनोज कुमार बलवंत, डॉ सी के सिंह एवं डॉ विशाल विंसेंट हेनरी को विशेष जिम्मेदारी दी है। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में संकाय सदस्य, रिसर्च स्कॉलर, पीजी छात्र, उदयोग जगत से तथा विदेशी प्रतिनिधि पंजीकरण कर रहे हैं। चयनित रिसर्च पेपर आईएसबीएन की कार्यवाही के साथ प्रकाशित किए जाएंगे।

संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 12
अंक : 270
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.0
गुरुवार 14 नवम्बर 2024
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेस www.pratahkalexpress.in
सच से रुबरु
प्रयागराज से प्रकाशित एवं कौशाम्बी, प्रतापगढ़, अयोध्या, लखनऊ, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, झांसी, बिजनौर में प्रसारित

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए होगा मंथन -प्रोफेसर श्रुति

मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी गुरुवार को

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं शुआट्स,प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीसीपीएसडीजी) का आयोजन 14 नवम्बर 2024 को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उदघाटन गुरुवार को पूर्वाचल 10रू30 बजे मुख्य अतिथि प्रोफेसर रमेश चन्द्रा, कुलपति महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर राजस्थान करेंगे। उदघाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आनंद वर्धन शर्मा, प्रोफेसर निदेशक, यूजीसी एचआरडीसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी होंगे तथा मुख्य वक्ता प्रोफेसर कुलदीप कुमार, सेंटर फॉर डाटा एनालिस्टिक्स, बौन्ड बिजनेस स्कूल, बौन्ड यूनिवर्सिटी, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया होंगे। प्रोफेसर श्रुति ने बताया की समापन सत्र अपराह्न 4रू00 बजे निश्चित है। जिसके मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बेचन शर्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज होंगे। संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। देश–विदेश से आने वाले प्रतिभागियों की व्यवस्था के लिए विश्वविद्यालय में विशेष इंतजाम किए गए हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की जन संपर्क अधिकारी डॉं प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की सफलता के लिए आयोजन समिति का गठन करते हुए संगोष्ठी के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, संयोजक प्रोफेसर श्रुति एवं प्रोफेसर अजीत पॉल, आयोजन सचिव डॉक्टर गौरव संकल्प, डॉक्टर दिनेश कुमार गुप्ता, डॉक्टर धर्मवीर सिंह, श्री मनोज कुमार बलवंत, डॉं सी के सिंह एवं डॉं विशाल विंसेंट हेनरी को विशेष जिम्मेदारी दी है। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में संकाय सदस्य, रिसर्च स्कॉलर, पीजी छात्र, उद्योग जगत से तथा विदेशी प्रतिनिधि पंजीकरण कर रहे हैं। चयनित रिसर्च पेपर आईएसबीएन की कार्यवाही के साथ प्रकाशित किए जाएंगे।

5 प्रयागराज/प्रतापगढ़/बरेली/करहल
लखनऊ, गुरुवार, 14 नवम्बर 2024

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए होगा मंथन -प्रोफेसर श्रुति

मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी गुरुवार को

बीके यादव/बालजी दैनिक

प्रयागराज-उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं शुआट्स,प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीसीपीएसडीजी) का आयोजन 14 नवम्बर 2024 को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन गुरुवार को पूर्वान्ह 10.30 बजे मुख्य अतिथि प्रोफेसर रमेश चन्द्रा, कुलपति महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर राजस्थान करेंगे।

उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आनंद वर्धन शर्मा, प्रोफेसर निदेशक, यूजीसी एचआरडीसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी होंगे तथा मुख्य वक्ता प्रोफेसर कुलदीप कुमार, सेंटर फॉर डाटा एनालिस्टिक्स, बौन्ड बिजनेस स्कूल, बौन्ड यूनिवर्सिटी, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया होंगे।

प्रोफेसर श्रुति ने बताया की समापन सत्र अपराह्न 4.00 बजे निश्चित है। जिसके मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बेचन शर्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज होंगे। संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। देश-विदेश से आने वाले प्रतिभागियों की व्यवस्था के लिए विश्वविद्यालय में विशेष इंतजाम किए गए हैं।

मुक्त विश्वविद्यालय की जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की सफलता के लिए आयोजन समिति का गठन करते हुए संगोष्ठी के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, संयोजक प्रोफेसर श्रुति एवं प्रोफेसर अजीत पॉल, आयोजन सचिव डॉक्टर गौरव संकल्प, डॉक्टर दिनेश कुमार गुप्ता, डॉक्टर धर्मवीर सिंह, श्री मनोज कुमार बलवंत, डॉ सी के सिंह एवं डॉ विशाल विंसेंट हेनरी को विशेष जिम्मेदारी दी है। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में संकाय सदस्य, रिसर्च स्कॉलर, पीजी छात्र, उद्योग जगत से तथा विदेशी प्रतिनिधि पंजीकरण कर रहे हैं। चयनित रिसर्च पेपर आईएसबीएन की कार्यवाही के साथ प्रकाशित किए जाएंगे।

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हुआ मंथन

मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में जुटे कई देशों के विद्वान

उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं शुआट्स, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीसीपीएसडीजी) का आयोजन गुरुवार दिनांक 14 नवम्बर, 2024 को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया ।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, राजस्थान के माननीय कुलपति प्रो. रमेश चन्द्रा रहे। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर–निदेशक, यू.जी.सी.–एच.आर.डी.सी., बी.एच.यू., वाराणसी के निदेशक, प्रो. आनन्द वर्धन शर्मा रहे। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो. कुलदीप कुमार, सेन्टर फॉर डाटा एनालिटिक्स, बॉण्ड बिजनेस स्कूल, बॉण्ड विश्वविद्यालय, क्वींसलैण्ड, आस्ट्रेलिया रहे तथा अध्यक्षता उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की।

प्रारम्भ में संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ दिनेश कुमार गुप्ता ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन डॉक्टर गौरव संकल्प और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

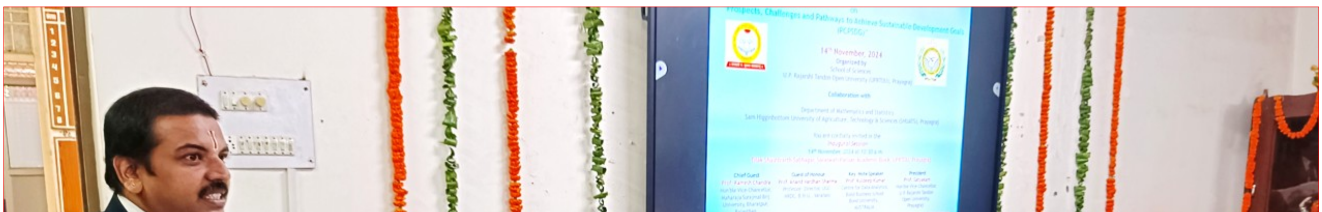

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 गौरव संकल्प

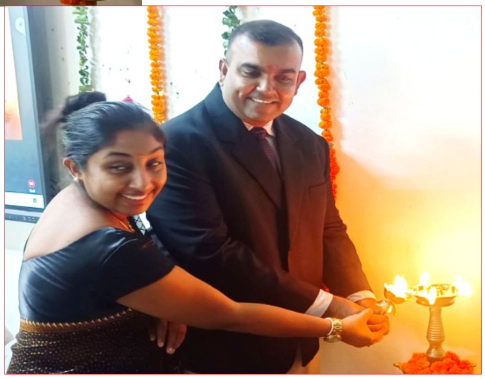

दीप प्रज्वलित

कर

कार्यक्रम का शुभारम्भ

करते हुए

माननीय अतिथिगण

इस अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, संयोजक, प्रो. श्रुति, आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा एवं प्रो. अजीत पॉल, गणित एवं सांख्यिकी विभाग SHUATS, प्रयागराज, आयोजन सचिव, डॉ. गौरव संकल्प, सहायक आचार्य, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ. धर्मवीर सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा, समन्वयक, श्री मनोज कुमार बलवन्त, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ. सी.के. सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा एवं डॉ. विशाल विनसेन्ट हेनरी SHUATS थे।

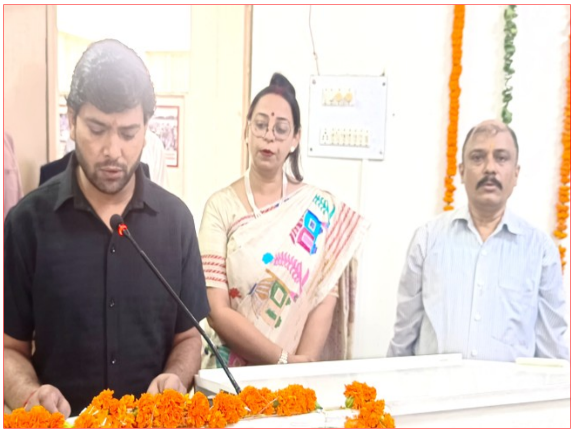

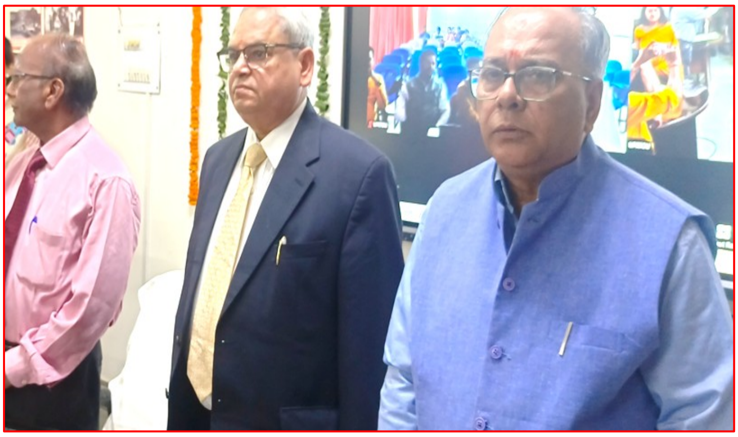

विश्वविद्यालय कुलगीत प्रस्तुत करते हुए आयोजन समिति के सदस्यगण

माननीय अतिथियों का वाचिक स्वागत करती हुई प्रोफेसर श्रुति

माननीय अतिथियों को पौधा भेंट कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय आयोजन समिति सदस्यगण

संगोष्ठी की रुपरेखा प्रस्तुत करते हुए डॉ0 दिनेश कुमार गुप्ता

माननीय अतिथियों
को
अंगवस्त्र एवं स्मृति
चिन्ह भेंट कर
उनका सम्मान
करते हुए
माननीय कुलपति
प्रोफेसर सत्यकाम जी

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी
को
अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर
उनका सम्मान
करते हुए आयोजन समिति के सदस्यगण

मानव कल्याण में हो विज्ञान का प्रयोग : प्रोफेसर कुलदीप कुमार

मुख्य वक्ता प्रोफेसर कुलदीप कुमार, सेंटर फॉर डाटा एनालिस्टिक्स, बौन्ड बिजनेस स्कूल, बौन्ड यूनिवर्सिटी, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि भूख और गरीबी को हटाए बिना सतत विकास की अवधारणा को साकार नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही हमें महिला सशक्तिकरण पर भी बल देना होगा तथा विज्ञान का मानव कल्याण में प्रयोग करना होगा।

पर्यावरण एवं विकास में गहरा संबंध : प्रोफेसर आनंद वर्धन

उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आनंद वर्धन शर्मा, प्रोफेसर निदेशक, यूजीसी एचआरडीसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी ने कहा कि पर्यावरण एवं विकास में गहरा संबंध है। विश्व में पृथ्वी शिखर सम्मेलन में पर्यावरण के संबंध में विस्तृत चर्चा की जाती है। एक तरफ हमें विकास को आगे बढ़ाना है साथ में पर्यावरण की भी चिंता करनी है। सतत विकास के जिन 17 बिंदुओं की आज चर्चा हो रही है वह भारतीय परिप्रेक्ष्य में पुराणों एवं प्राचीन ग्रंथों में उपलब्ध हैं।

सतत विकास का सार गीता में निहित है : प्रोफेसर रमेश चन्द्रा

संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर रमेश चन्द्रा, कुलपति, महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, राजस्थान ने कहा कि सतत विकास का सार गीता में निहित है। सतत विकास के लिए कर्म की प्रधानता आवश्यक है। भारतवर्ष आज निरंतर सतत विकास की ओर अग्रसर है। शिक्षा में गरीबी और असमानता को हटाना होगा। सभी के स्वास्थ्य की चिंता करनी पड़ेगी जिससे विकास के इस दौड़ में कोई भी व्यक्ति पीछे ना रह जाए।

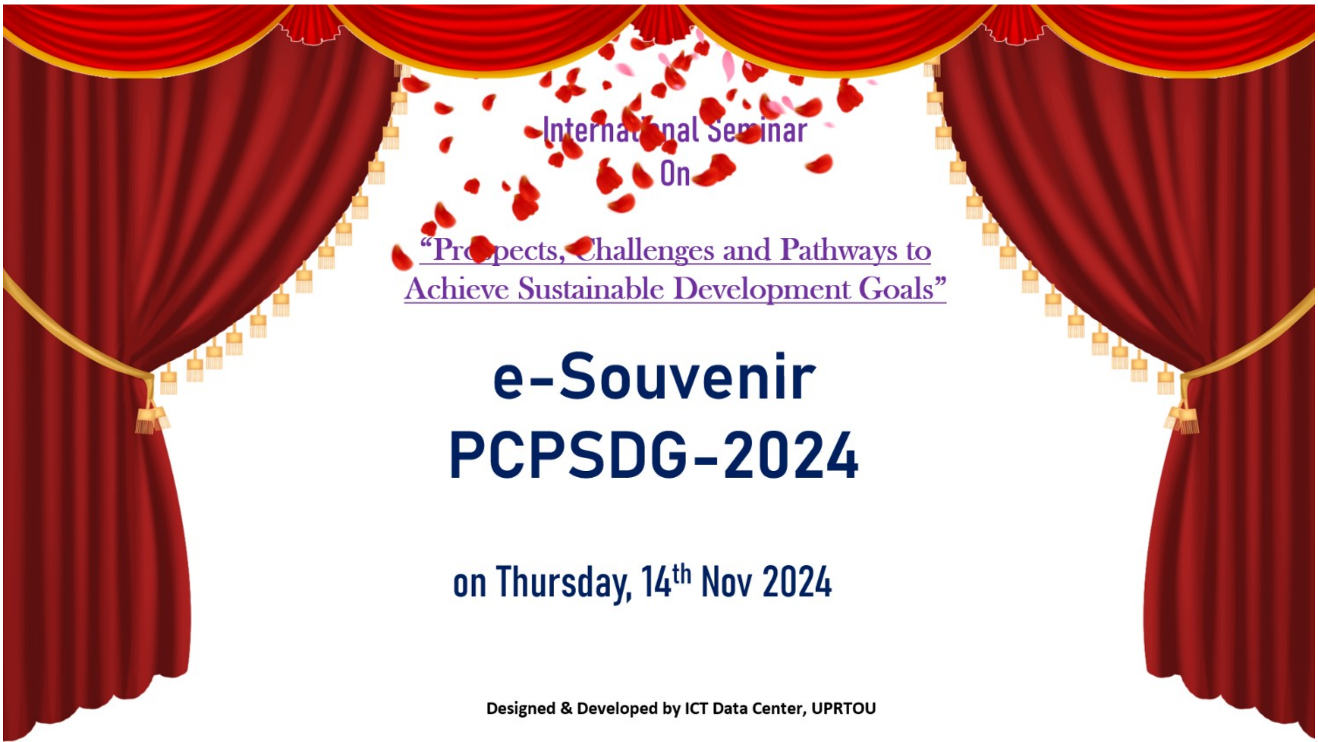

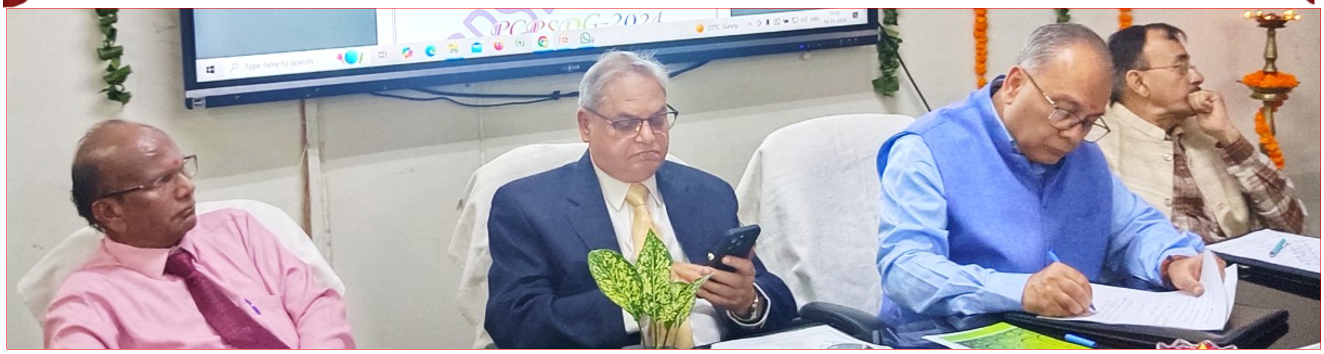

e-Souvenir PCPSDG-2024 का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण

शिक्षा से प्राप्त कर सकते हैं सतत विकास का लक्ष्य : प्रोफेसर सत्यकाम

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि वह शिक्षा के माध्यम से ही हम सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने सतत विकास के विभिन्न आयामों की चर्चा करते हुए गरीबी, राजनीति एवं विज्ञान को एक दूसरे से समाहित किया। उन्होंने वर्तमान विश्व में दवाइयों से आने वाली समस्या एवं उसके निराकरण पर भी बल दिया।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

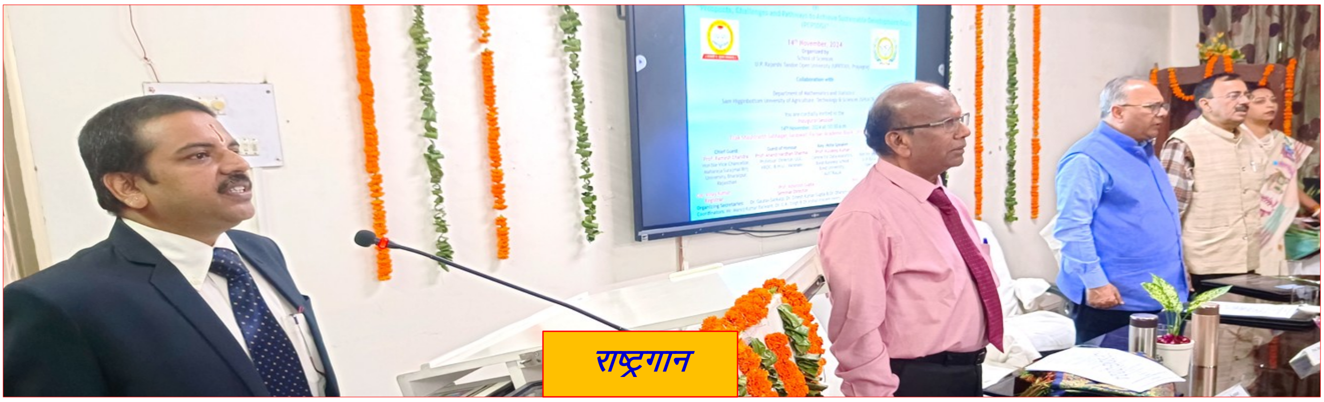

राष्ट्रगान

विभिन्न तकनीकी सत्रों में विशिष्ट वक्ता डॉक्टर विश्वास दीक्षित, सिंगापुर, रवीन्द्र चंद्रसिरी, पल्लियागुरूगे, श्रीलंका, निमिषा चतुर्वेदी, फ्रांस, राजाअप्पुस्वामी, फ्रांस, सुश्री यू जी सी फर्नांडो, श्रीलंका, मृत्युंजय डी पांडेय, बी एच यू , डॉ जय सिंह, बीएचयू, डॉ सुधीर कुमार सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ मृगेन्द्र दुबे, आई आई टी, इंदौर एवं डॉ नंदकिशोर गोरे, बीबीएयू, लखनऊ ने सतत विकास पर प्रभावी व्याख्यान दिए।

समापन सत्र

के मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बेचन शर्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने कहा कि आजकल वैश्विक स्तर पर सतत विकास लक्ष्य सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है जिसे संयुक्त राष्ट्र ने 2015 में प्रस्तावित किया था और कहा था कि सभी 17 लक्ष्यों को 2030 तक प्राप्त करने का लक्ष्य रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि आज की यह अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने की। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में प्रोफेसर ए के मलिक ने सेमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आस्ट्रेलिया,सिंगापुर, फ्रांस, श्रीलंका एवं भारत के विभिन्न राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, दिल्ली, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से 150 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग कर शोध पत्र प्रस्तुत किए।

Vol. 17 Issue 129 Daily pages - 8 Rs. 1.00 Morning Edition Prayagraj
PRAYAGRAJ FRIDAY, 15 NOVEMBER 2024 WEBSITE : www.jeevanexpress.in RNI NO.- UPENG/2008/25430

JEEVAN EXPRESS

EDITORIAL NEWSCAST SPORT

Essence of sustainable development lies in the Gita- Professor Ramesh Chandra

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj and SHUATS, Prayagraj jointly organized an international seminar on the topic

ence with each other. He also emphasized on the problems arising from medicines in the present world and their solutions. He said that brainstorming will

dian perspective.

Keynote speaker Professor Kuldeep Kumar, Centre for Data Analytics, Bond Business School, Bond University,

Mrigendra Dubey, IIT, Indore and Dr. Nandkishore Gore, BBAU, Lucknow gave effective lectures on sustainable development.

Chief Guest of the clos-

RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण hpshukla50@gmail.com

सतत विकास का सार गीता में निहित- प्रोफेसर रमेश चंद्रा

मुक्त विश्वविद्यालय में

NORTHERN INDIA PATRIKA

EDITION PRICE, RS. 3.50 | VOL. 66 NO. 299 MORNING EDITION, PRAYAGRAJ | FRIDAY, 15 NOVEMBER, 2024 | PAGE- 12

Prof. Ramesh Chandra believes Gita contains essence of sustainable development

Staff Reporter

Prayagraj: An international seminar on the topic 'Pathways, Possibilities and Challenges to Achieve Sustainable Development Goals' (PCPSDG) organized under the joint aegis of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University and SHUATS, was inaugurated in the Saraswati campus of the Open University, on Thursday.

Speaking at the seminar, Chief Guest Prof. Ramesh Chandra, Vice Chancellor, Maharaja Surajmal Brij University, Bharatpur, Rajasthan said that the essence of sustainable development lies in 'Gita'. The primacy of karma is necessary for sustainable development. India is constantly moving towards sustainable development. Poverty and inequality in education will have to be removed. Everyone's health will have to be taken care of so that no person is left behind in this race of development.

Delivering the presidential address, Vice Chancellor Open University Prof. Satyakam said that only through education we can achieve the goal of sustainable development. He laid emphasis on the problem arising from medicines in the current world and its solution. He said that brainstorming will prove to be very effective in achieving sustainable development goals.

Special guest of the inaugural session, Prof. Anand Vardhan Sharma and Prof. Director, UGC HRDC, Banaras Hindu University, Varanasi said that there is a deep connection between environment and development. The 17 points of sustainable development that are being discussed are available in the Puranas and ancient texts in the Indian perspective.

Keynote speaker Prof. Kuldeep Kumar, Center for Data Analytics, Bond Business School, Bond University, Queensland, Australia said that the concept of sustainable development cannot be realized without removing hunger and poverty. Along with this, we will also have to emphasize on women empowerment and use science for human welfare.

In the beginning, coordinator Professor Shruti welcomed the guests. Dr. Dinesh Kumar Gupta presented the outline of the seminar. The seminar was conducted by Dr. Gaurav Sankalp and vote of thanks was given by Registrar Colonel Vinay Kumar.

In various technical sessions, distinguished speakers Dr. Vishwesh Dixit, Singapore, Ravindra Chandrasiri, Palliyaguruge, Sri Lanka, Nimisha Chaturvedi, France, Rajaappuswamy, France, Ms. UGC Fernando, Sri Lanka, Dr. Mrityunjay D. Pandey, BHU, Dr. Jai Singh, BHU, Dr. Sudhir Kumar Singh, Allahabad University, Dr. Mrigendra Dubey, IIT, Indore and Dr. Nandkishore Gore, BBAU, Lucknow gave effective lectures on sustainable development.

Chief guest of the closing session Prof. Anoop Chaturvedi, Department of Statistics, AU and special guest Prof. Bechan Sharma, Dean, Faculty of Science, AU said that nowadays Sustainable Development Goals is the most important issue at the global level which was proposed by the United Nations in 2015 and said that the target will be set to achieve all the 17 goals by 2030.

More than 150 participants from Australia, Singapore, France, Sri Lanka and various states of India, Maharashtra, Gujarat, Bihar, Jharkhand, Chhattisgarh, West Bengal, Assam, Delhi, Uttarakhand, Rajasthan, Madhya Pradesh and Uttar Pradesh participated in the international seminar and presented research papers.

Daily News

SANYAM BHARAT

VOL. 03 NO. 66 MORNING EDITION PRAYAGRAJ

FRIDAY, 15 NOVEMBER 2024, PAGES 4, PRICE RS. 1.00

Padhiye Dil Aur Shan Se....

EDIT PRAYAGRAJ NATION

PRAYAGRAJ | PRAYAGRAJ, FRIDAY, 15 NOVEMBER 2024 | 3

The essence of sustainable development lies in the Gita- Professor Ramesh Chandra

Scholars from many countries gathered in the international seminar at the Open University

SANYAM BHARAT CORRESPONDENT

Prayagraj. Uttar Pradesh. Under the joint aegis of Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj and SHUATS, Prayagraj, an international seminar on the topic of paths, possibilities and challenges in achieving sustainable development goals (PCPSDG) was organized on Thursday in the Lokmanya Tilak Shastrarth Auditorium located in the Saraswati campus of the Open University.

Inaugurating the seminar, the chief guest Professor Ramesh Chandra, Vice Chancellor, Maharaja Surajmal Brij University, Bharatpur, Rajasthan said that the essence of sustainable development is contained in the Gita. The primacy of action is essential for sustainable development. India is today moving towards sustainable development. Poverty and inequality in education will have to be removed. Everyone's health will have to be taken care of so that no person is left behind in this race of development.

While delivering the presidential address, Vice Chancellor Professor Satyakam said that only through education we can achieve the goal of sustainable development. While discussing the various dimensions of sustainable development, he integrated poverty, politics and science with each other. He also emphasized on the problems arising from medicines in the present world and their solutions. He said that brainstorming will prove to be very effective in achieving the sustainable development goals.

Professor Anand Vardhan Sharma, Professor Director, UGC HRDC, Banaras Hindu University, Varanasi, the special guest of the inaugural session, said that there is a deep connection between environment and development. In the Earth Summit of the world, detailed discussions are held on environment. On one hand, we have to pursue development and at the same time, we also have to worry about the environment. The 17 points of sustainable development that are being discussed today are available in the Puranas and ancient texts in the Indian perspective.

Keynote speaker Professor Kuldeep Kumar, Centre for Data Analytics, Bond Business School, Bond University, Queensland, Australia said that the concept of sustainable development cannot be realized without eliminating hunger and poverty. Along with this, we will also have to emphasize on women empowerment and use science for human welfare.

In the beginning, convenor Professor Shruti welcomed the guests. Dr. Dinesh Kumar Gupta presented the outline of the seminar. It was conducted by Dr. Gaurav Sankalp and vote of thanks was given by Registrar Colonel Vinay Kumar.

In various technical sessions, eminent speakers Dr. Vishwesh Dixit, Singapore, Ravindra Chandrasiri, Palliyaguruge, Sri Lanka, Nimisha Chaturvedi, France, Rajaappuswamy, France, Ms. U G C Fernando, Sri Lanka, Dr. Mrityunjay D. Pandey, BHU, Dr. Jai Singh, BHU, Dr. Sudhir Kumar Singh, Allahabad University, Dr. Mrigendra Dubey, IIT, Indore and Dr. Nandkishore Gore, BBAU, Lucknow gave effective lectures on sustainable development.

Chief Guest of the closing session Professor Anoop Chaturvedi, Department of Statistics, Allahabad University and Special Guest Professor Bechan Sharma, Dean, Faculty of Science, Allahabad University, Prayagraj said that nowadays Sustainable Development Goals is the most important issue at the global level which was proposed by the United Nations in 2015 and said that all 17 goals will be targeted to be achieved by 2030. He said that today's international seminar will prove to be a milestone in achieving this goal.

The seminar was presided over by Vice Chancellor Professor Satyakam. In the closing session of the international seminar, Professor AK Malik presented the report of the seminar.

More than 150 participants from Australia, Singapore, France, Sri Lanka and various Indian states like Maharashtra, Gujarat, Bihar, Jharkhand, Chhattisgarh, West Bengal, Assam, Delhi, Uttarakhand, Rajasthan, Madhya Pradesh and Uttar Pradesh participated in the international seminar and presented research papers.

हिन्दी दैनिक

सहज स्वरूप

राष्ट्रीय एकता के प्रति पूर्ण समर्पित

प्रयागराज से प्रकाशित

वर्ष: 3, अंक 310 प्रयागराज शुक्रवार 15 नवम्बर, 2024 विक्रम संवत 2081, प्रातः संस्करण, पृष्ठ:8, मूल्य: 01 रूपया

सतत विकास का सार गीता में निहित- प्रोफेसर रमेश चंद्रा

मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में जुटे कई देशों के विद्वान

प्रयागराज |उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं शुआट्स,प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीसीपीएसडीजी) का आयोजन गुरुवार को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया |संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर रमेश चन्द्रा, कुलपति, महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, राजस्थान ने कहा कि सतत विकास का सार गीता में निहित है। सतत विकास के लिए कर्म की प्रधानता आवश्यक है। भारतवर्ष आज निरंतर सतत विकास की ओर अग्रसर है। शिक्षा में गरीबी और असमानता को हटाना होगा। सभी के स्वास्थ्य की चिंता करनी पड़ेगी जिससे विकास के इस दौड़ में कोई भी व्यक्ति पीछे ना रह जाए |अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही हम सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। उन्होंने सतत विकास के विभिन्न आयामों की चर्चा करते हुए गरीबी, राजनीति एवं विज्ञान को एक दूसरे में समाहित किया। उन्होंने वर्तमान विश्व में दवाइयों से आने वाली समस्या एवं उसके निराकरण पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मंथन काफी प्रभावी सिद्ध होगा। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आनंद वर्धन शर्मा, प्रोफेसर निदेशक, यूजीसी एचआरडीसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी ने कहा कि पर्यावरण एवं विकास में गहरा संबंध है। विश्व में पृथ्वी शिखर सम्मेलन में पर्यावरण के संबंध में विस्तृत चर्चा की जाती है। एक तरफ हमें विकास को आगे बढ़ाना है साथ में पर्यावरण की भी चिंता करनी है। सतत विकास के जिन 17 बिंदुओं की आज चर्चा हो रही है वह भारतीय परिप्रेक्ष्य में पुराणों एवं प्राचीन ग्रंथों में उपलब्ध है। मुख्य वक्ता प्रोफेसर कुलदीप कुमार, सेंटर फॉर डाटा एनालिस्टिक्स, बौन्ड बिजनेस स्कूल, बौन्ड यूनिवर्सिटी, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि भूख और गरीबी को हटाए बिना सतत विकास की अवधारणा को साकार नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही हमें महिला सशक्तिकरण पर भी बल देना होगा तथा विज्ञान का मानव कल्याण में प्रयोग करना होगा |प्रारम्भ में संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ दिनेश कुमार गुप्ता ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन डॉक्टर गौरव संकल्प और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI No.-UPHIN/2020/82181

www.harbaatnews.com

हरबात

प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 04 अंक : 345 प्रयागराज, शुक्रवार, 15 नवम्बर, 2024, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

सतत विकास का सार गीता में निहित - प्रोफेसर रमेश चंद्रा

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में जुटे कई देशों के विद्वान

हरबात संवाददाता

प्रयागराज।उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं शुआट्स,प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीसीपीएसडीजी) का आयोजन गुरुवार को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया ।

संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर रमेश चन्द्रा, कुलपति, महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, राजस्थान ने कहा कि सतत विकास का सार गीता में निहित है। सतत विकास के लिए कर्म की प्रधानता आवश्यक है। भारतवर्ष आज निरंतर सतत विकास की ओर अग्रसर है। शिक्षा में गरीबी और असमानता को हटाना होगा। सभी के स्वास्थ्य की चिंता करनी पड़ेगी जिससे विकास के इस दौड़ में कोई भी व्यक्ति पीछे ना रह जाए।अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही हम सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने सतत विकास के विभिन्न आयामों की चर्चा करते हुए गरीबी, राजनीति एवं विज्ञान को एक दूसरे में समाहित किया। उन्होंने वर्तमान विश्व में दवाइयों से आने वाली समस्या एवं उसके निराकरण पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मंथन काफी प्रभावी सिद्ध होगा। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आनंद वर्धन शर्मा, प्रोफेसर निदेशक, यूजीसी एचआरडीसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी ने कहा कि पर्यावरण एवं विकास में गहरा संबंध है। विश्व में पृथ्वी शिखर सम्मेलन में पर्यावरण के संबंध में विस्तृत चर्चा की जाती है। एक तरफ हमें विकास को आगे बढ़ाना है साथ में पर्यावरण की भी चिंता करनी है। सतत विकास के जिन 17 बिंदुओं की आज चर्चा हो रही है वह भारतीय परिप्रेक्ष्य में पुराणों एवं प्राचीन ग्रंथों में उपलब्ध हैं। मुख्य वक्ता प्रोफेसर कुलदीप कुमार, सेंटर फॉर डाटा एनालिस्टिक्स, बौन्ड बिजनेस स्कूल, बौन्ड यूनिवर्सिटी, क्वीसलैंड, ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि भूख और गरीबी को हटाए बिना सतत विकास की अवधारणा को साकार नही किया जा सकता। इसके साथ ही हमें महिला सशक्तिकरण पर भी बल देना होगा तथा विज्ञान का मानव कल्याण में प्रयोग करना होगा।

प्रारम्भ में संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ दिनेश कुमार गुप्ता ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन डॉक्टर गौरव संकल्प और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।विभिन्न तकनीकी सत्रों में विशिष्ट वक्ता डॉ विश्वेश दीक्षित, सिंगापुर, रवीन्द्र चंद्रसिरी, पल्लियागुरुगे, श्रीलंका, निमिषा चतुर्वेदी, फ्रांस, राजाअप्पुस्वामी, फ्रांस, सुश्री यू जी सी फर्नांडो, श्रीलंका, डॉ मृत्युंजय डी पांडेय, बी एच यू , डॉ जय सिंह, बीएचयू, डॉ सुधीर कुमार सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ मृगेन्द्र दुबे, आई आई टी, इंदौर एवं डॉ नंदकिशोर गोरे, बीबीएयू, लखनऊ ने सतत विकास पर प्रभावी व्याख्यान दिए। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बेचन शर्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने कहा कि आजकल वैश्विक स्तर पर सतत विकास लक्ष्य सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है जिसे संयुक्त राष्ट्र ने 2015 में प्रस्तावित किया था और कहा था कि सभी 17 लक्ष्यों को 2030 तक प्राप्त करने का लक्ष्य रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि आज की यह अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मील का पत्थर साबित होगी।संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने की। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में प्रोफेसर ए के मलिक ने सेमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की।अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आस्ट्रेलिया,सिंगापुर, फ्रांस, श्रीलंका एवं भारत के विभिन्न राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, दिल्ली, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से 150 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग कर शोध पत्र प्रस्तुत किए।

समय से पहले 'समय' पर नजर
नगर-संस्करण
न्यायाधीश
डाक रजिस्ट्रेशन नं.- ए.डी.34/2024-26
वर्ष 42 अंक 324 प्रयागराज शुक्रवार 15 नवम्बर, 2024 संस्थापक-स्व० डा० रघुवीर चन्द जिन्दल पृष्ठ 12 मूल्य ₹3.00

सतत विकास का सार गीता में निहित- प्रोफेसर रमेश चंद्रा

मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में जुटे कई देशों के विद्वान

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं शुआट्स,प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीसीपीएसडीजी) का आयोजन गुरुवार को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया।

संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर रमेश चन्द्रा, कुलपति, महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, राजस्थान ने कहा कि सतत विकास का सार गीता में निहित है। सतत विकास के लिए कर्म की प्रधानता आवश्यक है। भारतवर्ष आज निरंतर सतत विकास की ओर अग्रसर है। शिक्षा में गरीबी और असमानता को हटाना होगा। सभी के स्वास्थ्य की चिंता करनी पड़ेगी जिससे विकास के इस दौड़ में कोई भी व्यक्ति पीछे ना रह जाए।अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही हम सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आनंद वर्धन शर्मा, प्रोफेसर निदेशक, यूजीसी एचआरडीसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी ने कहा कि पर्यावरण एवं विकास में गहरा संबंध है। सतत विकास के जिन 17 बिंदुओं की आज चर्चा हो रही है वह भारतीय परिप्रेक्ष्य में पुराणों एवं प्राचीन ग्रंथों में उपलब्ध हैं। मुख्य वक्ता प्रोफेसर कुलदीप कुमार, सेंटर फॉर डाटा एनालिस्टिक्स, बौन्ड बिजनेस स्कूल, बौन्ड यूनिवर्सिटी, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि भूख और गरीबी को हटाए बिना सतत विकास की अवधारणा को साकार नहीं किया जा सकता। प्रारम्भ में संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ दिनेश कुमार गुप्ता ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन डॉक्टर गौरव संकल्प और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।विभिन्न तकनीकी सत्रों में विशिष्ट वक्ता डॉ विश्वेश दीक्षित, सिंगापुर, रवीन्द्र चंद्रसिरी, पल्लियागुरुगे, श्रीलंका, निमिषा चतुर्वेदी, फ्रांस, राजाअप्पुस्वामी, फ्रांस, सुश्री यू जी सी फर्नांडो, श्रीलंका, डॉ मृत्युंजय डी पांडेय, बी एच यू . डॉ जय सिंह, बीएचयू, डॉ सुधीर कुमार सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ मृगेन्द्र दुबे, आई आई टी, इंदौर एवं डॉ नंदकिशोर गोरे, बीबीएयू, लखनऊ ने सतत विकास पर प्रभावी व्याख्यान दिए। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बेचन शर्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने कहा कि आजकल वैश्विक स्तर पर सतत विकास लक्ष्य सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है जिसे संयुक्त राष्ट्र ने 2015 में प्रस्तावित किया था और कहा था कि सभी 17 लक्ष्यों को 2030 तक प्राप्त करने का लक्ष्य रखा जाएगा। संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने की। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में प्रोफेसर ए के मलिक ने सेमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की।अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आस्ट्रेलिया,सिंगापुर, फ्रांस, श्रीलंका एवं भारत के विभिन्न राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, दिल्ली, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से 150 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग कर शोध पत्र प्रस्तुत किए।

● वर्ष : 17
● अंक : 277
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● शुक्रवार, 15 नवम्बर 2024
● पृष्ठ : 08
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

सतत विकास का सार गीता में निहितः प्रो. रमेश चंद्रा

▶▶ मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में जुटे कई देशों के विद्वान

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं शुआट्स,प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीसीपीएसडीजी) का आयोजन गुरुवार को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया ।संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर रमेश चन्द्रा, कुलपति, महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, राजस्थान ने कहा कि सतत विकास का सार गीता में निहित है। सतत विकास के लिए कर्म की प्रधानता आवश्यक है। भारतवर्ष आज निरंतर सतत विकास की ओर अग्रसर है। शिक्षा में गरीबी और असमानता को हटाना होगा। सभी के स्वास्थ्य की चिंता करनी पड़ेगी जिससे विकास के इस दौड़ में कोई भी व्यक्ति पीछे ना रह जाए। अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही हम सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने सतत विकास के विभिन्न आयामों की चर्चा करते हुए गरीबी, राजनीति एवं विज्ञान को एक दूसरे में समाहित किया। उन्होंने वर्तमान विश्व में दवाइयों से आने वाली समस्या एवं उसके निराकरण पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मंथन काफी प्रभावी सिद्ध होगा। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आनंद वर्धन शर्मा, प्रोफेसर निदेशक, यूजीसी एचआरडीसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी ने कहा कि पर्यावरण एवं विकास में गहरा संबंध है। विश्व में पृथ्वी शिखर सम्मेलन में पर्यावरण के संबंध में विस्तृत चर्चा की जाती है। एक तरफ हमें विकास को आगे बढ़ाना है साथ में पर्यावरण की भी चिंता करनी है। सतत विकास के जिन 17 बिंदुओं की आज चर्चा हो रही है वह भारतीय परिप्रेक्ष्य में पुराणों एवं प्राचीन ग्रंथों में उपलब्ध हैं। मुख्य वक्ता प्रोफेसर कुलदीप कुमार, सेंटर फॉर डाटा एनालिस्टिक्स, बौन्ड बिजनेस स्कूल, बौन्ड यूनिवर्सिटी, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि भूख और गरीबी को हटाए बिना सतत विकास की अवधारणा को साकार नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही हमें महिला सशक्तिकरण पर भी बल देना होगा तथा विज्ञान का मानव कल्याण में प्रयोग करना होगा। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आस्ट्रेलिया, सिंगापुर, फ्रांस, श्रीलंका एवं भारत के विभिन्न राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, दिल्ली, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से 150 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग कर शोध पत्र प्रस्तुत किए।

वर्ष : 31 | अंक :13
प्रतापगढ़ | शुक्रवार, 15 नवम्बर-2024
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
दैनिक सच्चाई की जंग
लोकमित्र
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

सतत विकास का सार गीता में निहित- प्रोफेसर रमेश चंद्रा

मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में जुटे कई देशों के विद्वान

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं शुआट्स, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीसीपीएसडीजी) का आयोजन गुरुवार को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया।

संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर रमेश चन्द्रा, कुलपति, महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, राजस्थान ने कहा कि सतत विकास का सार गीता में निहित है। सतत विकास के लिए कर्म की प्रधानता आवश्यक है। भारतवर्ष आज निरंतर सतत विकास की ओर अग्रसर है। शिक्षा में गरीबी और असमानता को हटाना होगा। सभी के स्वास्थ्य की चिंता करनी पड़ेगी जिससे विकास के इस दौड़ में कोई भी व्यक्ति पीछे ना रह जाए।

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही हम सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने सतत विकास के विभिन्न आयामों की चर्चा करते हुए गरीबी, राजनीति एवं विज्ञान को एक दूसरे में समाहित किया। उन्होंने वर्तमान विश्व में दवाइयों से आने वाली समस्या एवं उसके निराकरण पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मंथन काफी प्रभावी सिद्ध होगा।

उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आनंद वर्धन शर्मा, प्रोफेसर निदेशक, यूजीसी एचआरडीसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी ने कहा कि पर्यावरण एवं विकास में गहरा संबंध है। विश्व में पृथ्वी शिखर सम्मेलन में पर्यावरण के संबंध में विस्तृत चर्चा की जाती है। एक तरफ हमें विकास को आगे बढ़ाना है साथ में पर्यावरण की भी चिंता करनी है।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर कुलदीप कुमार, सेंटर फॉर डाटा एनालिस्टिक्स, बौन्ड बिजनेस स्कूल, बौन्ड यूनिवर्सिटी, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि भूख और गरीबी को हटाए बिना सतत विकास की अवधारणा को साकार नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही हमें महिला सशक्तिकरण पर भी बल देना होगा तथा विज्ञान का मानव कल्याण में प्रयोग करना होगा। प्रारम्भ में संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ दिनेश कुमार गुप्ता ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन डॉक्टर गौरव संकल्प और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

विभिन्न तकनीकी सत्रों में विशिष्ट वक्ता डॉ विश्वेश दीक्षित, सिंगापुर, रवीन्द्र चंद्रसिरी, पल्लियागुरूगे, श्रीलंका, निमिषा चतुर्वेदी, फ्रांस, राजाअप्पुस्वामी, फ्रांस, सुश्री यू जी सी फर्नांडो, श्रीलंका, डॉ मृत्युंजय डी पांडेय, बी एच यू , डॉ जय सिंह, बीएचयू, डॉ सुधीर कुमार सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ मृगेन्द्र दुबे, आई आई टी, इंदौर एवं डॉ नंदकिशोर गोरे, बीबीएयू, लखनऊ ने सतत विकास पर प्रभावी व्याख्यान दिए।

R.N.I. NO-UPHIN/2023/84746
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
प्रयागराज से प्रकाशित
लक्ष्य समग्र
LS NEWS सपनों का भारत
Tweeter - @lsnews24 | http://youtube.com/@LSNewslive | Website - lakshyasamagra.com | Facebook - http://www.facebook.com/lsnews24
वर्ष : 02 अंक : 224 प्रयागराज, शुक्रवार 15 नवम्बर 2024 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रूपया

सतत विकास का सार गीता में निहित- प्रोफेसर रमेश चंद्रा

मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में जुटे कई देशों के विद्वान

लक्ष्य समग्र/संवाददाता

प्रयागराज - उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज एवं शुआट्स,प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते,संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीसीपीएसडीजी)का आयोजन गुरुवार को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया।संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर रमेश चन्द्रा,कुलपति, महाराजा सूरजमल बृज विश्व विद्यालय,भरतपुर,राजस्थान ने कहा कि सतत विकास का सार गीता में निहित है।सतत विकास के लिए कर्म की प्रधानता आवश्यक है। भारतवर्ष आज निरंतर सतत विकास की ओर अग्रसर है।शिक्षा में गरीबी और असमानता को हटाना होगा। सभी के स्वास्थ्य की चिंता करनी पड़ेगी जिससे विकास के इस दौड़ में कोई भी व्यक्ति पीछे ना रह जाए। अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही हम सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।उन्होंने सतत विकास के विभिन्न आयामों की चर्चा करते हुए गरीबी,राजनीति एवं विज्ञान को एक दूसरे में समाहित किया।उन्होंने वर्तमान विश्व में दवाइयों से आने वाली समस्या एवं उसके निराकरण पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मंथन काफी प्रभावी सिद्ध होगा।उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आनंद वर्धन शर्मा,प्रोफेसर निदेशक,यूजीसी एचआरडीसी,काशी हिंदू विश्वविद्यालय ,वाराणसी ने कहा कि पर्यावरण एवं विकास में गहरा संबंध है।विश्व में पृथ्वी शिखर सम्मेलन में पर्यावरण के संबंध में विस्तृत चर्चा की जाती है।एक तरफ हमें विकास को आगे बढ़ाना है साथ में पर्यावरण की भी चिंता करनी है। सतत विकास के जिन 17 बिंदुओं की आज चर्चा हो रही है वह भारतीय परिप्रेक्ष्य में पुराणों एवं प्राचीन ग्रंथों में उपलब्ध हैं।मुख्य वक्ता प्रोफेसर कुलदीप कुमार,सेंटर फॉर डाटा एनालिस्टिक्स,बौन्ड बिजनेस स्कूल, बौन्ड यूनिवर्सिटी,क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि भूख और गरीबी को हटाए बिना सतत विकास की अवधारणा को साकार नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही हमें महिला सशक्तिकरण पर भी बल देना होगा तथा विज्ञान का मानव कल्याण में प्रयोग करना होगा। प्रारम्भ में संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने अतिथियों का स्वागत किया।डॉ दिनेश कुमार गुप्ता ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की।संचालन डॉक्टर गौरव संकल्प और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।विभिन्न तकनीकी सत्रों में विशिष्ट वक्ता डॉ विश्वेश दीक्षित,सिंगापुर, रवीन्द्र चंद्रसिरी, पल्लियागुरूगे, श्रीलंका,निमिषा चतुर्वेदी,फ्रांस, राजाअप्पुस्वामी फ्रांस,यू जी सी फर्नांडो,श्रीलंका,डॉ मृत्युंजय डी पांडेय,बी एच यू ,डॉ जय सिंह, बीएचयू,डॉ सुधीर कुमार सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय,डॉ मृगेन्द्र दुबे,आई आई टी, इंदौर एवं डॉ नंदकिशोर गोरे ,बीबीएयू,लखनऊ ने सतत विकास पर प्रभावी व्याख्यान दिए।समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी,सांख्यिकी विभाग,इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बेचन शर्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने कहा कि आजकल वैश्विक स्तर पर सतत विकास लक्ष्य सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है जिसे संयुक्त राष्ट्र ने 2015 में प्रस्तावित किया था और कहा था कि सभी 17 लक्ष्यों को 2030 तक प्राप्त करने का लक्ष्य रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि आज की यह अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मील का पत्थर साबित होगी। संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने की। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में प्रोफेसर ए के मलिक ने सेमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की।अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आस्ट्रेलिया,सिंगापुर,फ्रांस,श्रीलंका एवं भारत के विभिन्न राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात ,बिहार,झारखंड,छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल,असम,दिल्ली, उत्तराखंड ,राजस्थान,मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से 150 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग कर शोध पत्र प्रस्तुत किए।

सतत् विकास का सार गीता में निहित—प्रोफेसर रमेश चंद्रा

मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में जुटे कई देशों के विद्वान

दअ संवाददाता

फाफामऊ, प्रयागराज। उ. प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं शुआट्स,प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीसीपीएसडीजी) का आयोजन गुरुवार को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर रमेश चन्द्रा, कुलपति, महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, राजस्थान ने कहा कि सतत विकास का सार गीता में निहित है। सतत विकास के लिए कर्म की प्रधानता आवश्यक है। भारतवर्ष आज निरंतर सतत विकास की ओर अग्रसर है। शिक्षा में गरीबी और असमानता को हटाना होगा। सभी के स्वास्थ्य की चिंता करनी पड़ेगी जिससे विकास के इस दौड़ में कोई भी व्यक्ति पीछे ना रह जाए। अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही हम सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने सतत विकास के विभिन्न आयामों की चर्चा करते हुए गरीबी, राजनीति एवं विज्ञान को एक दूसरे में समाहित किया। उन्होंने वर्तमान विश्व में दवाइयों से आने वाली समस्या एवं उसके निराकरण पर भी बल दिया।

विभिन्न तकनीकी सत्रों में विशिष्ट वक्ता डॉ विश्वेश दीक्षित, सिंगापुर, रवीन्द्र चंद्रसिरी, पल्लियागुरुगे, श्रीलंका, निमिषा चतुर्वेदी, फ्रांस, राजाअप्पुस्वामी, फ्रांस, सुश्री यू जी सी फर्नांडो, श्रीलंका, डॉ मृत्युंजय डी पांडेय, बी एच यू, डॉ जय सिंह, बीएचयू, डॉ सुधीर कुमार सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ मृगेन्द्र दुबे, आई आई टी, इंदौर एवं डॉ नंदकिशोर गोरे, बीबीएयू, लखनऊ ने सतत विकास पर प्रभावी व्याख्यान दिया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बेचन शर्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने कहा कि आजकल वैश्विक स्तर पर सतत विकास लक्ष्य सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है जिसे संयुक्त राष्ट्र ने 2015 में प्रस्तावित किया था और कहा था कि सभी 17 लक्ष्यों को 2030 तक प्राप्त करने का लक्ष्य रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि आज की यह अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मील का पत्थर साबित होगी। संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने की। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में प्रोफेसर ए के मलिक ने सेमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आस्ट्रेलिया,सिंगापुर, फ्रांस, श्रीलंका एवं भारत के विभिन्न राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, दिल्ली, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से 150 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग कर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र पर दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

एक दिवसीय कार्यशाला ''यौगिक जीवन से सफलता एवं आर्थिक उत्थान'' का आयोजन उत्तर'प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में किया गया, कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती जी एवं राजर्षी पुरूषोत्तम दास टंडन जी पर पुष्प , माल्यार्पण , सरस्वती वंदन व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। भारतीय योग परिषद के निदेशक श्री सर्वेश कुमार जी ने विषय पर अपने विचार रखें। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ नीरांजलि सिन्हा ने मंच पर पधारे सभी अतिथियों को पौध देकर स्वागत एवं सतकार किया व योग को दैनिक जीवन में निरन्तर किये जाने पर जोर दिया। कार्यशाला के। उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्डधारी प्रो नीरज जैन सेवा निवृत शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष लखनऊ विश्वविद्यालय ने सभी प्रतिभागियों को योग यौगिक जीवन से सफलता एवं आर्थिक उत्थान के बिन्दु को विस्तार से बताया, कार्यक्रम में उपस्थित अति विशिष्ठ अतिथि रामपाल शर्मा जी अध्यक्ष, जवाहर लाल नेहरू युवा केंद्र लखनऊ ने योग के होने वाले लाभ के बारें में कहा।

उदघाटन सत्र के बाद कार्यशाला के दो सत्र में योग के विभिन्न विधाओं पर विषय विशेषज्ञों द्वारा अपने विचार रखे गए। विशिष्ट अतिथि डॉ रिचा रस्तोगी नें स्वास्थ्य व जीवन रक्षा के विषय में समझाया व योग की जीवन में क्या भूमिका है, विशिष्ट अतिथि भारतीय लोक कल्याण परिषद के अध्यक्ष मनमोहन यादव यौगिक जीवन शैली के विषय में बताया, उत्तर'प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के योग सहायक आचार्य श्री निकेत सिंह नें प्रतिभागियों को एक्यूप्रेशर व मुद्राओं को विस्तारपूर्वक समझाया, विशिष्ट अतिथि योगगुरू व वैदिक मित्र न्यास के अध्यक्ष श्री सत्येन्द्र गुप्त ने सभी प्रतिभागियों को ध्यान व अष्टांग योग के बारे में बताया।आमंत्रित अतिथि डॉ आनन्द बौद्ध आयुर्वेदिक कॉलेज लखनऊ ,ने सभी को आहार ग्रहण करने के सही लाभ बतायें उससें होने वाले प्रभावों पर मार्गदर्शन दिया, डॉ राकेश कुमार श्रीवास्तव ने सभी को प्राकृतिक चिकित्सा के लाभ के विषय में जानकारी प्रदान की, न्यूरोथैरेपी करने के लिए योगाचार्या नितिका व अपर्णा ने न्यूरोथैरेपी से होने वाले लाभ व प्रभावो को बताया, फिटनेस सेन्टर के प्रबन्धक श्री कुणाल वर्मा द्वारा सभी को फिजियोंथैरेपी के बारें मे बताया गया। आसान क्रिया और मुद्राओं के माध्यम से भी प्रतिभागियों को समझाया गया।

सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय केंद्र के समस्त स्टाफ की सहभागिता थी। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ नीरांजलि सिन्हा के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया।

मा0 न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय जी के आकस्मिक निधन से विश्वविद्यालय में शोक की लहर

आत्मा की शान्ति के लिए शोक सभा का आयोजन

दिनांक 18 नवम्बर, 2024 को हृदय गति रुक जाने के कारण देहावसान हो गया है। उनकी दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए दिनांक 21 नवम्बर, 2024 को सायं 4:00 बजे विश्वविद्यालय के गंगा परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यका मजी एवं विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों ने मा0 न्यायमूर्ति श्री गिरिधर मालवीय जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की विकास यात्रा में न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय का अभूतपूर्व योगदान है। विश्वविद्यालय कार्य परिषद के लंबे समय तक माननीय सदस्य के रूप में न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कई महत्वपूर्ण कार्यों को संपादित करने में अप्रतिम भूमिका का निर्वाह किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति रहे प्रोफेसर देवेंद्र प्रताप सिंह के कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालय में महामना मालवीय मिशन की कई बैठकें आयोजित करके उन्होंने पंडित मदन मोहन मालवीय के आदर्शों को जन–जन तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विश्वविद्यालय के कुलपति रहे प्रोफेसर नागेश्वर राव के कार्यकाल के दौरान न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने विश्वविद्यालय में आयोजित कई कार्यक्रमों में विशिष्ट अतिथि की भूमिका का निर्वाह कर विश्वविद्यालय को एक नई दिशा दी। विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों के प्रति हमेशा उनका स्नेह बना रहा। आज उनके निधन के समाचार से विश्वविद्यालय परिवार मर्माहत है

22 नवम्बर, 2024

मुक्त चिन्तन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के 27वें स्थापना दिवस और सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती के उपलक्ष्य में ''दूरस्थ शिक्षा में मेरे अनुभव एवं विचार'' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन दिनांक 22 नवम्बर, 2024 को आयोजित किया गया। उक्त व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रोफेसर ई. वायुनन्दन जी, पूर्व कुलपति, यशवन्तराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नासिक, महाराष्ट्र रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने की।

इस अवसर पर व्याख्यान के संयोजक डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं परिचय दिया। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 व्याख्यान के आयोजन सचिव डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

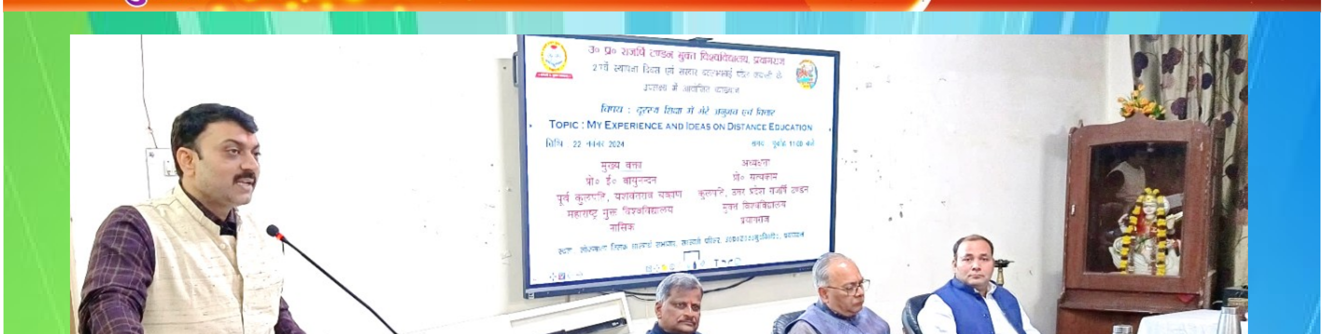

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

मुक्त चिन्तन

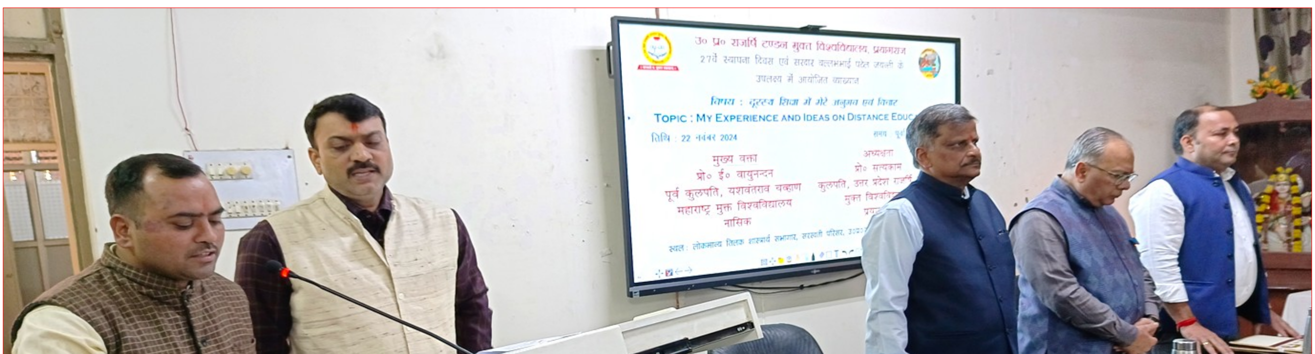

विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुती

माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

माननीय अतिथियों का परिचय देते हुए व्याख्यान के संयोजक डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी

मुक्त चिन्तन

नवीन तकनीकी के प्रयोग से बढ़ेगा नामांकन— प्रोफेसर वायुनंदन

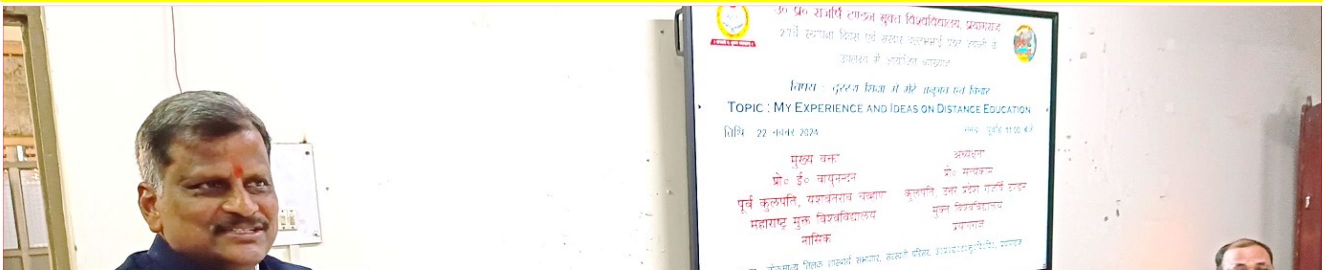

प्रो. वायुनन्दन ने कहा कि हमें विश्वविद्यालय में नामांकन को बढ़ाने के लिए नवीन तकनीकी से जुड़ना होगा। तकनीकी के प्रयोग से ही हम पारदर्शिता एवं जवाबदेही ला पायेंगे। टेक्नोलॉजी का सबसे महत्वपूर्ण प्रयोग कोविड काल में समझ में आया जब सभी विश्वविद्यालयों ने ऑन लाइन परीक्षा कराने में हाथ खड़े कर दिये तो केवल मुक्त विश्वविद्यालयों ने ही ऑनलाइन प्रवेश एवं परीक्षा सम्पादित कर एक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों को नवीन टेक्नोलॉजी से जुड़ जाना चाहिए। नवीन तकनीक के माध्यम से ऑनलाइन माध्यम से परीक्षाएं आसानी से कराई जा सकती हैं। वह मुक्त विश्वविद्यालय नासिक में इसका सफल प्रयोग कर चुके हैं। प्रोफेसर वायुनंदन ने तकनीक को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के अभिलेखों को भी व्यवस्थित रखना होगा जिससे नैक इत्यादि में प्रभावी उपस्थित दर्ज हो सके। मुक्त विश्वविद्यालय की समस्याओं पर उन्होंने ध्यान केंद्रित करते हुए कहा कि नवीन कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ यह भी बताना जरूरी है कि इस कोर्स से किसको क्या लाभ हो सकता है।

इसमें प्रिंट मीडिया का भी बहुत महत्वपूर्ण स्थान रहा है। प्रिंट मीडिया के माध्यम से भी नवीन कार्यक्रमों का आसानी से प्रचार प्रसार किया जा सकता है और एग्रीकल्चर कोर्स तथा स्किल डेवलपमेंट आधारित कार्यक्रमों को भी महत्व देना चाहिए तथा जेल में उक्त कार्यक्रमों को संचालित करना चाहिए।

मुक्त चिन्तन

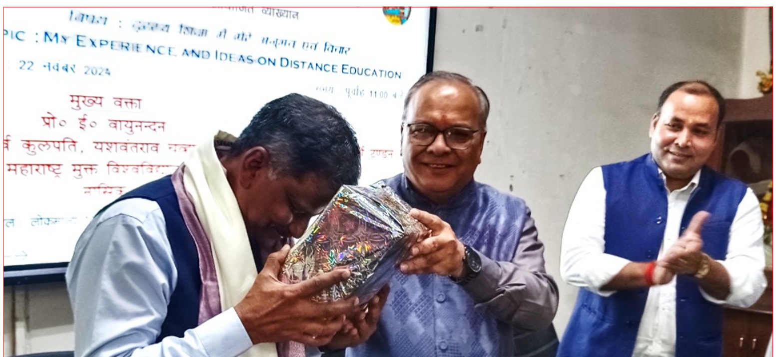

मुख्य वक्ता प्रोफेसर ई. वायुनन्दन जी को अंगवस्त्र, पुस्तक एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को अंगवस्त्र, पुस्तक एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए व्याख्यान के संयोजक डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी एवं आयोजन सचिव डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी

मुक्त चिन्तन

दूरस्थ शिक्षा की महत्ता बढ़ी— प्रोफेसर सत्यकाम

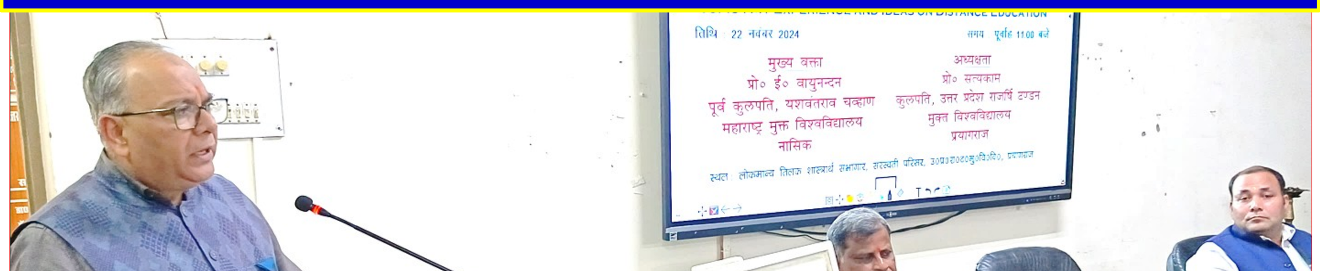

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुख्य वक्ता के व्याख्यान का लाभ उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय को अवश्य अवश्य मिलेगा। उनका अनुभव हमारे विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत लाभदायक होगा। साथ ही प्रवेश विभाग, परीक्षा विभाग, आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ सहित सभी विभागों की कार्य पद्धति में दक्षता आएगी। उनके सभी सुझावों को कुलपति ने भविष्य में आत्मसात करने का निश्चय किया। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा की महत्ता बढ़ती जा रही है।

मुक्त चिन्तन

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी

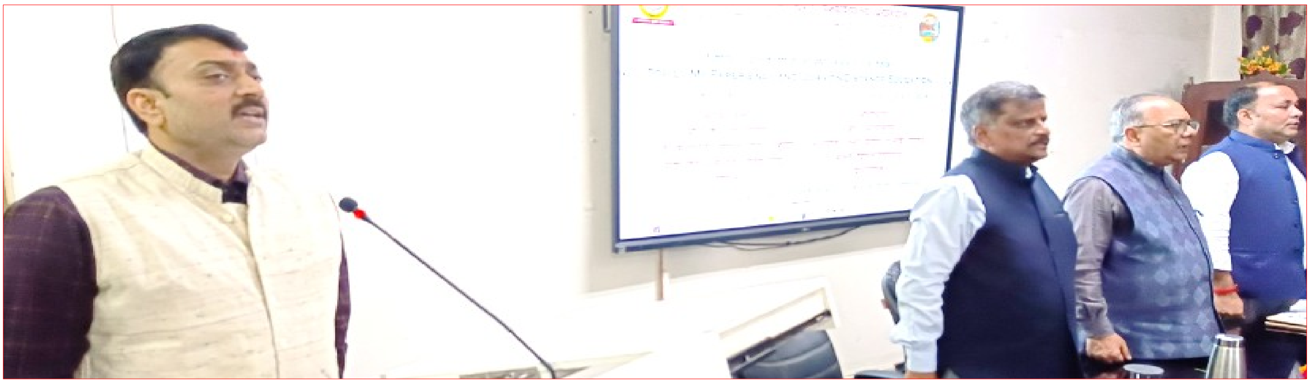

राष्ट्रगान

मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य मेले में 215 का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा एवं विनायक अस्पताल, प्रथा हॉस्पिटल, लाल बहादुर शास्त्री होम्योपैथिक चिकित्सालय , के.के. एक्यूप्रेशर, आशा दंत चिकित्सालय, आरोग्य भारती, प्रयागराज महानगर, काशी प्रांत एवं यश फिजियोथेरेपी सेन्टर, राजापुर, के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को मध्याह्न 12.00 बजे निःशुल्क स्वास्थ्य मेला का आयोजन सरस्वती परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. ई. वायुनन्दन, पूर्व कुलपति, यशवन्त राव चव्हाण मुक्त विश्वविद्यालय, नासिक, महाराष्ट्र थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की। मुख्य अतिथि प्रो. ई.वायुनन्दन तथा कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सरस्वती परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर सबको प्रेरित करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसके पूर्व भी विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने रक्तदान शिविर में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य परीक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। हर व्यक्ति को साल में दो बार स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य करवाना चाहिए। चिकित्सकों ने स्वस्थ शरीर के लिए बेहतर जीवन पद्धति के बारे में बताया।

कार्यक्रम की संयोजक प्रो. मीरा पाल, आयोजन सचिव अनुराग शुक्ला एवं डॉ. जूमि सिंह ने स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया। शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में उत्साह बरकरार रहा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके प्रियजन एवं बाहरी लोगों ने भी स्वास्थ्य परीक्षण कराया। स्वास्थ्य परीक्षण के प्रति लोगों में उत्साह बरकरार रहा। शिविर में 215 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। जिन्होंने वजन, लंबाई, पल्स रेट, ऑक्सिजन लेवेल, शुगर, थायराइड तथा ब्लड प्रेशर की जांच कराई। स्वास्थ्य परीक्षण करवाने वालों में प्रमुख रुप से कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, सभी विद्याशाखा के निदेशकगण, अध्यापकगण, कर्मचारीगण, छात्र–छात्राएं तथा सामान्य जन आदि प्रमुख रहे।

प्रारंभ में मुख्य अतिथि प्रोफेसर ई वायुनंदन एवं कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं विभिन्न चिकित्सालयों की टीम का स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी, प्रोफेसर मीरा पाल ने किया।इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए सबके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुक्त चिन्तन

स्वास्थ्य मेले का निरीक्षण करते हुए माननीय अतिथिगण

माननीय अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
वर्ष : 31 | अंक :24
प्रतापगढ़ | मंगलवार, 26 नवम्बर-2024
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

मुक्त विश्वविद्यालय में शिल्प प्रदर्शनी 28 को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में 28 नवम्बर को प्रातः 10-00 बजे से 5-00 तक विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है।

विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र के प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि उक्त प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे।

मुविवि में संविधान दिवस पर होगा प्रोफेसर एम पी दुबे की पुस्तक का विमोचन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार 26 नवंबर को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय संविधान एवं दलित मुक्ति विषय पर व्याख्यान का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में पूर्वाहन 11-30 बजे सुनिश्चित किया गया है। व्याख्यान के मुख्य अतिथि प्रख्यात संविधान विशेषज्ञ प्रोफेसर एम पी दुबे, पूर्व कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय होंगे। इस अवसर पर प्रोफेसर दुबे कृत पुस्तक धर्मनिरपेक्ष भारत- आजादी से अमृत काल तक का विमोचन किया जाएगा। अध्यक्षता मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे।

व्याख्यान के संयोजक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने बताया कि मुख्य वक्ता प्रोफेसर बद्री नारायण, निदेशक, गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झूंसी,प्रयागराज ऑनलाइन व्याख्यान देंगे।

आयोजन सचिव डॉक्टर त्रिविक्रम तिवारी ने बताया कि व्याख्यान का आनलाइन प्रसारण मुख्यालय सहित सभी 12 क्षेत्रीय केन्द्रों पर किया जाएगा। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम द्वारा संविधान के प्रति निष्ठावन रहने की सामूहिक शपथ दिलाई जाएगी तथा कुलसचिव कर्नल विनय कुमार संविधान की प्रस्तावना का वाचन करेंगे।

अमर उजाला
प्रयागराज | मंगलवार, 26 नवंबर 2024

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में प्रदर्शनी 28 नवंबर को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय और 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में 28 नवंबर को विवि परिसर में शिल्प प्रदर्शनी लगेगी। विवि के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रो. श्रुति के अनुसार, प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव की महिलाओं की ओर से तैयार किए गए उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे। ब्यूरो

SUNDAY | 24.11.2024
अमर उजाला
प्रयागराज

मुक्त विवि की परीक्षाएं 27 दिसंबर से होंगी शुरू

कुलपति ने जारी की समय सारणी, 25 जनवरी तक चलेंगी परीक्षाएं

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र दिसंबर-2024 की परीक्षाएं 27 दिसंबर से शुरू होंगी। परीक्षाएं 25 जनवरी तक चलेंगी।

कुलपति प्रो. सत्यकाम ने शनिवार को परीक्षाओं की समय सारिणी जारी कर दी। वहीं, छात्रों को सहूलियत देने के लिए पहली बार समय सारिणी को चार खंड़ों में विभक्त किया गया है।

मुक्त विश्वविद्यालय के ज्यादातर शिक्षार्थी किसी न किसी सेवा में कार्यरत हैं। कोई सरकारी तो कोई निजी संस्थान में काम करता है। शिक्षार्थियों को तैयारी का पर्याप्त समय मिल सके। इसके लिए एक माह पहले ही समय सारिणी जारी कर दी गई है।

कुलपति ने बताया कि महाकुंभ मेले को ध्यान में रखते हुए प्रमुख स्नान पर्व के आसपास परीक्षा नहीं रखी गई है।

कुलपति प्रो. सत्यकाम के अनुसार पूरी परीक्षा 26 दिनों में समाप्त होगी। पहली बार परीक्षा की समय सारणी को चार खंडों में विभक्त किया है, ताकि परीक्षार्थियों को अपने पाठ्यक्रम की परीक्षा तिथि को लेकर कोई असमंजस न रहे। इसके तहत सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स की परीक्षाएं 27 दिसंबर से दो जनवरी तक, स्नातक कार्यक्रमों की परीक्षा 27 दिसंबर से 25 जनवरी तक होंगी।

वहीं, स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की परीक्षाएं 11 जनवरी से 25 जनवरी तक और पीएचडी कोर्स वर्क की परीक्षाएं एक व दो जनवरी को आयोजित की जाएंगी।

परीक्षाएं दो पालियों में सुबह 10 से दोपहर एक बजे और अपराह्न दो से शाम पांच बजे तक आयोजित की जाएंगी। सभी विषयों के परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र परीक्षा शुरू होने के एक सप्ताह पहले ऑनलाइन जारी कर दिए जाएंगे।

कुलपति प्रो. सत्यकाम ने शनिवार को 12 क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों के साथ ऑनलाइन बैठक करके परीक्षा की तैयारियों के लिए दिशा-निर्देश दिए।

www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

सुझाव | उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 'दूरस्थ शिक्षा में मेरे अनुभव एवं विचार' विषय पर व्याख्यान में बोले प्रो. वायुनंदन

नामांकन बढ़ाने को नवीन तकनीकों का करें उपयोग

शिविर में 215 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

मुक्त चिन्तन

26 नवम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय में संविधान दिवस समारोह का आयोजन

भारतीय संविधान भारत के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिरूप– प्रोफेसर बद्रीनारायण

धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की मूल भावना में निहित –प्रोफेसर एम पी दुबे

संविधान दिवस पर प्रोफेसर एम पी दुबे की पुस्तक का हुआ विमोचन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में दिनांक 26 नवंबर 2024 को पूर्वाह्न 11:30 बजे संविधान दिवस कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. एम. पी. दुबे, पूर्व कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा मुख्य वक्ता प्रो. बद्री नारायण, निदेशक, गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की। कार्यक्रम में संविधान की प्रस्तावना का पाठ हुआ साथ ही संविधान के प्रति निष्ठावान रहने की सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में प्रो. एम. पी. दुबे द्वारा लिखित पुस्तक 'धर्म निरपेक्ष भारत : संविधान के आईने की नजर से (आजादी से अमृतकाल तक)' का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विनय कुमार द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। तत्पश्चात विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी द्वारा सभी को संविधान के प्रति निष्ठावान रहने की सामूहिक शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी

मुक्त चिन्तन

डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण करते एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। तत्पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने सभी को संविधान के प्रति निष्ठावान रहने की सामूहिक शपथ दिलाई। कार्यक्रम संयोजक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन एवं संचालन आयोजन सचिव डॉ त्रिविक्रम तिवारी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का आनलाइन प्रसारण प्रयागराज स्थित मुख्यालय सहित सभी 12 क्षेत्रीय केन्द्रों प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, झांसी, बरेली, मेरठ, गाज़ियाबाद, वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर एवं आगरा पर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के निदेशकों, अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शिक्षार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए आयोजन समिति सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को:

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**
प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में** व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखंडता
सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते हुए कुलसचिव वनय कुमार

माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी

मुक्त चिन्तन

संविधान के प्रति निष्ठावान रहने की सामूहिक शपथ दिलाते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी

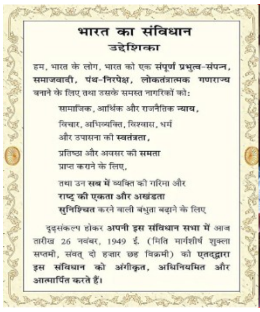

भारत का संविधान
उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को:

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,

प्रतिष्ठा और अवसर की समता
प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखंडता
सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मुक्त चिन्तन

भारतीय संविधान भारत के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिरूप– प्रोफेसर बद्रीनारायण

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर बद्री नारायण, निदेशक, गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झूंसी,प्रयागराज द्वारा 'भारतीय संविधान एवं दलित मुक्ति' विषय पर व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान में उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान भारत के लोगों के आकांक्षाओं का प्रतिरूप है। जिसमें समय के साथ परिवर्तन का होना इसकी गत्यात्मकता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि संविधान कानून के रूप में, फिर कानून नीति के रूप में परिवर्तित होता हुआ जन जीवन को प्रभावित करता है। उन्होंने व्यापक परिपेक्ष्य में संविधान की व्याख्या करते हुए बताया कि भारतीय संविधान समाज के परिधि के लोगों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन करने का आधार रहा है।

मुक्त चिन्तन

धर्मनिरपेक्ष भारत : संविधान के आईने की नजर से (आजादी से अमृतकाल तक) पुस्तक का विमोचन

प्रोफेसर एम. पी. दुबे, पूर्व कुलपति, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा लिखित
धर्मनिरपेक्ष भारत : संविधान के आईने की नजर से (आजादी से अमृतकाल तक) पुस्तक का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण

मुक्त चिन्तन

धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की मूल भावना में निहित –प्रोफेसर एम. पी. दुबे

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. एम. पी. दुबे, पूर्व कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने अपने वक्तव्य में कहा कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की मूल भावना में निहित है। उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता मात्र संविधान की प्रस्तावना में ही नहीं बल्कि संविधान के सभी भाग में समाहित हैं। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता की व्यापक परिभाषा बताते हुए कहा कि धर्मनिरपेक्षता धर्म से अलगाव नहीं है बल्कि सर्वधर्म समभाव का व्यवहार है। उन्होंने कहा कि भारतीय धर्मनिरपेक्षता पाश्चात्य धर्मनिरपेक्षता से अलग है। भारतीय संदर्भों में यह भारतीय मूल्यों से जनित है। उन्होंने कहा कि परिस्थिति के अनुरूप भारतीय संविधान में अब तक कुल 106 परिवर्तन हुए हैं और यह भारतीय संविधान की जीवंतता का प्रमाण है।

मुक्त चिन्तन

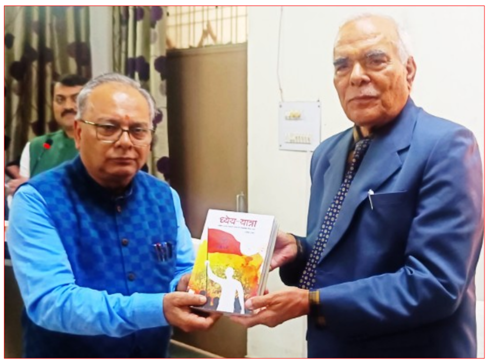

मुख्य वक्ता प्रो0 बद्री नारायण जी एवं मुख्य अतिथि प्रो0 एम.पी. दुबे जी को अंगवस्त्र, पुस्तक एवं हरित फल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी

माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी को अंगवस्त्र, पुस्तक एवं हरित फल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी

वित्त अधिकारी, श्रीमती पूनम मिश्रा एवं कुलसचि श्री विनय कुमार को अंगवस्त्र, एवं हरित पौधा भेंट कर उनका सम्मान करते हुए क्रमशः डॉ0 दीप शिखा श्रीवास्तव एवं प्रो0 संजय कुमार सिंह

मुक्त चिन्तन

भारतीय संविधान स्वतंत्र भारत की आशाओं से निर्मित सर्वोच्च विधान है : प्रोफेसर सत्यकाम

अध्यक्षीय उद्बोधन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि भारतीय संविधान स्वतंत्र भारत की आशाओं से निर्मित सर्वोच्च विधान है जो सभी विचारधाराओं को समाहित करते हुए आगे बढ़ने की बात करता है। यह वह दिग्दर्शक है जो हमें सदैव राष्ट्र सेवा में कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने की दिशा दिखाता है। उन्होंने यह विश्वास प्रकट किया की उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय संविधान के मूल्यों का अनुशरण करते हुए अपने कार्यों के निष्पादन में श्रेष्ठता स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है की आज हम संविधानिक व्यवस्था के अंतर्गत विश्व में एक सफल लोकतंत्र के रूप मे स्थापित हैं।

मुक्त चिन्तन

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी

मुक्त चिन्तन

इस कार्यक्रम का आनलाइन प्रसारण प्रयागराज स्थित मुख्यालय सहित सभी 12 क्षेत्रीय केन्द्रों (प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, झांसी, बरेली, मेरठ, गाज़ियाबाद, वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर एवं आगरा) पर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के निदेशकों, अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शिक्षार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ

Prayagraj भारतीय संविधान भारत के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिरूप- प्रोफेसर बद्रीनारायण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

www.livehindustan.com

आकांक्षाओं का प्रतिरूप है संविधान

प्रयागराज, मुख्य संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को संविधान दिवस समारोह आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. सत्यकाम और गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान झूंसी के निदेशक प्रो. बद्री नारायण ने संविधान विशेषज्ञ और पूर्व कुलपति प्रो. एसपी दुबे की लिखित पुस्तक 'धर्मनिरपेक्ष भारत: संविधान के आदि की नजर से आजादी से अमृतकाल तक' का विमोचन किया।

मुख्य वक्ता प्रो. बद्री नारायण ने 'भारतीय संविधान एवं दलित मुक्ति' विषय पर व्याख्यान दिया। कहा कि भारतीय संविधान भारत के लोगों के आकांक्षाओं का प्रतिरूप है। जिसमें समय के साथ परिवर्तन का होना इसकी गत्यात्मकता को प्रदर्शित करता है। भारतीय संविधान लोगों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन करने का आधार रहा है। मुख्य अतिथि प्रो. एसपी दुबे ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की मूल भावना में निहित है। धर्मनिरपेक्षता मात्र संविधान की प्रस्तावना में ही नहीं बल्कि संविधान के सभी भाग में समाहित है। अध्यक्षीय उद्बोधन में मुक्त विवि के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि भारतीय संविधान स्वतंत्र भारत की आशाओं से निर्मित सर्वोच्च विधान है जो सभी विचारधाराओं को समाहित करते हुए आगे बढ़ने की बात करता है। प्रारंभ में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कार्यक्रम के दौरान पुस्तक का विमोचन किया।

मुक्त चिन्तन

27 नवम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय हरिवंश राय बच्चन के काव्य यात्रा एवं जीवन दर्शन पर संगोष्ठी का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा के तत्वाधान में हिन्दी साहित्य के महान कवि एवं लेखक हरिवंश राय बच्चन जी की जयंती के अवसर पर दिनांक 27 नवंबर, 2024 को अपराह्न 03:00 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में ''हरिवंश राय बच्चन की काव्य यात्रा एवं जीवन दर्शन'' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हिन्दी साहित्य के प्रतिष्ठत विचारक श्री रविनन्दन सिंह जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की।

इसके पूर्व कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन सचिव अनुपम ने संचालन तथा प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विद्या शाखा के निदेशक, शिक्षक, शोधार्थी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन सचिव अनुपम

माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वाबत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी

मुक्त चिन्तन

व्यवस्थित रचनाकार थे हरिवंश राय बच्चन– रविनंदन

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता सरस्वती के संपादक तथा हिंदी के प्रतिष्ठित विचारक रवि नंदन सिंह ने कहा कि हरिवंश राय बच्चन संतुलन के कवि तथा व्यवस्थित रचनाकार थे। उनकी रचनाएं जन सरोकारों तथा राष्ट्र से जुड़ी हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं में समाज और व्यक्ति के बीच होने वाली क्रिया और प्रतिक्रिया को प्रतिबिंबित किया है। उन्होंने कहा कि साहित्यकार शब्दों की व्यंजनों को पकड़ता है। तब रचनाएं प्रस्फुटित होती हैं।

आजादी के आंदोलन से जुड़ी हैं बच्चन की कविताएं– प्रोफेसर सत्यकाम

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि हरिवंश राय बच्चन की कविताएं सीधे–सीधे आजादी के आंदोलन से जुड़ी हैं। बच्चन जी विशिष्ट धारा के कवि थे। आजादी से पूर्व वे मस्ती की कविताएं क्रांतिकारियों के लिए लिख रहे थे जबकि दिनकर, माखनलाल चतुर्वेदी तथा सुभद्रा कुमारी चौहान वीर रस की कविताएं लिख रही थीं। बच्चन जी की कविताओं में सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीयता का भाव प्रदर्शित होता है।

प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि प्रयागराज में जो साहित्यकार रहे हैं मुक्त विश्वविद्यालय उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को आगे बढ़ाने में अपनी रचनात्मक भूमिका का निर्वाह करेगा। इसी कड़ी में महाकवि निराला की कविताओं का मंचन, प्रमुख रूप से राम की शक्ति पूजा का मंचन कराने के लिए उन्होंने मानविकी विद्या शाखा के निदेशक को निर्देशित किया।

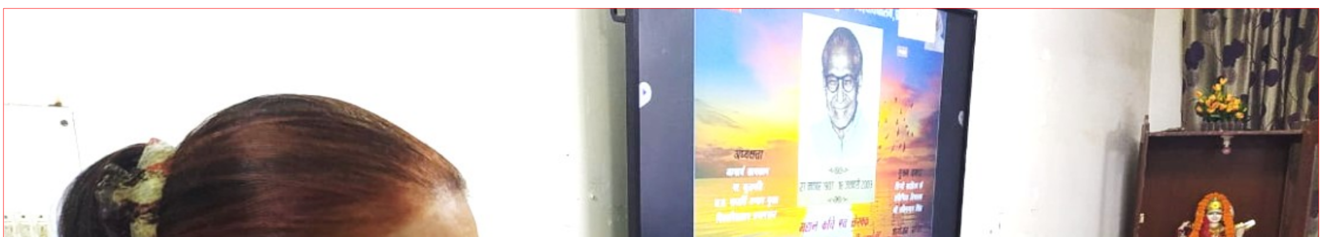

धन्यवाद ज्ञापित करती हुई प्रोफेसर रुचि बाजपेई

राष्ट्रगान

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र RNI No.-UPHIN/2020/82181 www.harbaatnews.com

हरबात

प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 04 अंक : 358 प्रयागराज, गुरूवार, 28 नवम्बर, 2024, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

आजादी के आंदोलन से जुड़ी हैं बच्चन की कविताएं-प्रो.सत्यकाम

व्यवस्थित रचनाकार थे हरिवंश राय बच्चन-रविनंदन

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में हिंदी साहित्य के महान कवि एवं लेखक हरिवंश राय बच्चन की जयंती के अवसर पर बुधवार को हरिवंश राय बच्चन के काव्य यात्रा एवं जीवन दर्शन पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता सरस्वती के संपादक तथा हिंदी के प्रतिष्ठित विचारक रवि नंदन सिंह ने कहा कि हरिवंश राय बच्चन संतुलन के कवि तथा व्यवस्थित रचनाकार थे। उनकी रचनाएं जन सरोकारों तथा राष्ट्र से जुड़ी है। उन्होंने अपनी रचनाओं में समाज और व्यक्ति के बीच होने वाली क्रिया और प्रतिक्रिया को प्रतिबिंबित किया है। उन्होंने कहा कि साहित्यकार शब्दों की व्यंजनों को पकड़ता है। तब रचनाएं प्रस्फटित होती

उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को आगे बढ़ाने में अपनी रचनात्मक भूमिका का निर्वाह करेगा। इसी कड़ी में महाकवि निराला की कविताओं का मंचन, प्रमुख रूप से राम की शक्ति पूजा का मंचन कराने के लिए उन्होंने मानविकी विद्या शाखा के निदेशक को निर्देशित किया। इसके पूर्व कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन सचिव अनुपम ने संचालन तथा प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विद्या शाखा के निदेशक, शिक्षक, शोधार्थी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

● वर्ष : 17
● अंक : 290
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● गुरुवार, 28 नवम्बर 2024
● पृष्ठ : 08
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

आजादी के आंदोलन से जुड़ी हैं बच्चन की कविताएं: प्रोफ़ेसर सत्यकाम

व्यवस्थित रचनाकार थे हरिवंश राय बच्चन: रविनंदन

तिजारत संवाददाता

प्रयागज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में हिंदी साहित्य के महान कवि एवं लेखक हरिवंश राय बच्चन की जयंती के अवसर पर बुधवार को हरिवंश राय बच्चन के काव्य यात्रा एवं जीवन दर्शन पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता सरस्वती के संपादक तथा हिंदी के प्रतिष्ठित विचारक रवि नंदन सिंह ने कहा कि हरिवंश राय बच्चन

सीधे आजादी के आंदोलन से जुड़ी हैं।बच्चन जी विशिष्ट धारा के कवि थे।

रचनात्मक भूमिका का निर्वाह करेगा। इसी कड़ी में महाकवि निराला की कविताओं का

युनाइटेड भारत

मुक्त विश्वविद्यालय में शिल्प प्रदर्शनी आज, डीएम करेंगे उद्घाटन

युनाइटेड भारत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में 28 नवम्बर 2024 को प्रातः 10.30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी, प्रयागराज रविंद्र कुमार मॉदड़ करेंगे। विशिष्ट अतिथि सुनीत कुमार राय, डीआईजी सीआरपीएफ प्रयागराज तथा रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश

मुक्त विश्वविद्यालय में शिल्प प्रदर्शनी आज, डीएम करेंगे उद्घाटन

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में 28 नवम्बर 2024 को प्रातः 10:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी, प्रयागराज श्री रविंद्र कुमार मॉदड़ करेंगे। विशिष्ट अतिथि श्री सुनीत कुमार राय, डी आई जी सीआरपीएफ प्रयागराज तथा रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे।विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि उक्त प्रदर्शनी सायं 5 बजे तक खुली रहेगी। जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे।

Prayagraj आजादी के आंदोलन से जुड़ी हैं बच्चन की कविताएं: प्रोफेसर सत्यकाम

प्रयाराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में हिंदी साहित्य के महान कवि एवं लेखक हरिवंश राय बच्चन की जयंती के अवसर

streetbuzz.co.in

आजादी के आंदोलन से जुड़ी हैं बच्चन की कविताएं: प्रोफेसर सत्यकाम

https://streetbuzz.co.in/newsapp//view/post:541317

21:41

Daily News
VOL. 03 NO. 79 MORNING EDITION PRAYAGRAJ
SANYAM BHARAT
THURSDAY, 28 NOVEMBER 2024, PAGES 4, PRICE RS. 1.00
Padhiye Dil Aur Shan Se...
EDIT PRAYAGRAJ NATION

Craft exhibition in Open Univ today, DM to inaugurate

SANYAM BHARAT CORRESPONDENT

Prayagraj: Under the joint auspices of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj and 101 Vahini Rapid Action Force, on 28 November 2024 at 10:30 am in front of Atal Auditorium located in Saraswati campus of the university. The craft exhibition in the courtyard will be inaugurated by the chief guest, District Magistrate, Prayagraj Ravindra Kumar Modard. Special guests will be Suneet Kumar Rai, DIG CRPF Prayagraj and Rapid Action Force Commandant Manoj Kumar Gautam. Vice Chancellor Professor Satyakam will preside over. Professor Shruti, in-charge of the Women's Studies and Extended Activity Center of the University, said that the said exhibition will remain open till 5 pm. In which the products prepared by the women of the villages adopted by the university will be available for sale.

हिन्दी दैनिक
वर्ष : 18 अंक : 246
नगर संस्करण, पृष्ठ - 4, मूल्य 1.00 रू०
संयम भारत
18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर
उत्तर प्रदेश गुरुवार, 28 नवम्बर 2024 प्रयागराज विचार

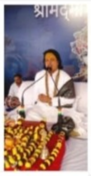

मुक्त विश्वविद्यालय में शिल्प प्रदर्शनी आज, डीएम करेंगे उद्घाटन

संयम भारत संवाददाता

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में 28 नवम्बर 2024 को प्रातः 10:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी, प्रयागराज रविंद्र कुमार मॉदड़ करेंगे। विशिष्ट अतिथि सुनीत कुमार राय, डी आई जी सीआरपीएफ प्रयागराज तथा रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि उक्त प्रदर्शनी सायं 5 बजे तक खुली रहेगी। जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे।

मुक्त चिन्तन
28 नवम्बर, 2024

उद्यमी महिलाओं के हुनर से शिल्प प्रदर्शनी हुई गुलजार

मुक्त विश्वविद्यालय ने आर ए एफ के सहयोग से लगाई

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं 101 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह के सामने प्रांगण में शिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन गुरुवार दिनांक 28 नवम्बर, 2024 को मुख्य अतिथि श्री सुनीत कुमार राय, डी. आई. जी. सीआरपीएफ, प्रयागराज, रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट, मनोज कुमार गौतम, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रोफेसर सत्यकाम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, श्री अनुभव सिंह ने किया। प्रारंभ में स्वागत भाषण रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम ने दिया। संचालन डॉ0 श्री त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर श्रुति ने किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी

मुख्य अतिथि श्री सुनीत कुमार राय, डी. आई. जी. सीआरपीएफ, प्रयागराज, रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट, मनोज कुमार गौतम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, श्री अनुभव सिंह को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रोफेसर सत्यकाम जी

माननीय कुलपति, प्रोफेसर सत्यकाम जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी एवं प्रो0 श्रुति

मुक्त चिन्तन

माननीय अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई प्रो0 श्रुति एवं डॉ0 साधना श्रीवास्तव

स्वागत भाषण रैपिड देते हुए कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम जी

मुक्त चिन्तन

महिलाओं के विकास के साथ–साथ समृद्धि का प्रतीक है शिल्प मेला : अनुभव सिंह

विशिष्ट अतिथि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट श्री अनुभव सिंह ने कहा कि इस प्रकार के शिल्प मेले परंपरागत उत्पादों के साथ–साथ भारतीय मूल्य एवं संस्कृति के संवाहक भी बनते हैं। स्वयं सहायता समूह इस दिशा में एक सशक्त कड़ी है। महिलाओं के विकास के साथ–साथ समृद्धि का प्रतीक यह शिल्प मेला है।

मुक्त चिन्तन

महिलाएं उद्यमी होंगी तो उद्यम को नई दिशा मिलेगी : सुनीत कुमार राय

प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि श्री सुनीत कुमार राय ने कहा कि हमें पर्यावरण अनुकूल प्राकृतिक उत्पादों को अपनाना चाहिए। समाज के हित में उद्यमी महिलाओं का ज्यादा से ज्यादा सहयोग करना चाहिए। उनको प्रोत्साहन देने के लिए हस्तशिल्प सामग्री खरीदनी चाहिए। प्लास्टिक का पूरी तरह बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में उद्यमी महिलाओं के हुनर एवं प्रदर्शन से यह शिल्प प्रदर्शनी गुलजार हुई है। महिलाएं उद्यमी होंगी तो उद्यम को नई दिशा मिलेगी। आर्थिक विकास के लिए टेक्नोलॉजी के साथ आगे बढ़ना आज की आवश्यकता है।

मुक्त चिन्तन

हस्तशिल्प मेला महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रत्यक्ष प्रमाण है : प्रोफेसर सत्यकाम

अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने कहा कि हस्तशिल्प मेला महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रयागराज एवं आसपास के क्षेत्र से आए कुशल हस्तशिल्पियों एवं हुनर कारों की यह प्रदर्शनी स्वरोजगार का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि महिलाओं में हुनर हमेशा से रहा है उसे निखारने की आवश्यकता है। मुक्त विश्वविद्यालय और रैपिड एक्शन फोर्स की यह संयुक्त प्रदर्शनी इन महिलाओं के मनोबल को न सिर्फ प्रोत्साहित करेगी बल्कि उन्हें आगे बढ़ने की दिशा में एक नवीन मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सहयोग एवं प्रशिक्षण हस्तशिल्प को बढ़ाने में सदैव उपयोगी रहा है। उन्होंने कहा कि शिल्प प्रदर्शनी में आई हुई आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं प्रदर्शनी का अवलोकन करने आए लोगों में नवऊर्जा का संचार होगा एवं भविष्य में स्वरोजगार के नवीन आयाम को सीखने का अवसर मिलेगा।

धन्यवाद ज्ञापन करती हुई प्रोफेसर श्रुति

मुक्त चिन्तन

आंगनबाडी केन्द्र की महिलाओं को लंच पैकेट देते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यका मजी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि शिल्प प्रदर्शनी में 32 स्टाल लगाए गए। जिसमें खान पान से लेकर विभिन्न स्थानीय कारीगरी जैसे मूंज के समान, लाख से बने घरेलू उत्पाद, हस्तशिल्प ज्वेलरी, गोबर से बने उत्पाद, सेमेरिक आर्ट, पेंटिंग्स, बंदनवार, तोरण, बैग, बटुआ, अचार मुरब्बा, जैविक खाद से बनी सामग्री, शहद, साथ सज्जा, परिधान एवं केले के डंठल से बने डलिया आदि को लोगों ने खूब सराहा और जमकर खरीददारी की। इलाहाबाद संग्रहालय के स्टॉल से लोगों ने जहां पुस्तकें खरीदीं वहीं महिलाओं ने मेहंदी भी लगवाई।

शिल्प मेले में आए सभी हुनरकारों को विश्वविद्यालय एवं रैपिड एक्शन फोर्स की तरफ से विशेष प्रोत्साहन के लिए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम ने प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम का सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

मुक्त चिन्तन

शिल्प प्रदर्शनी की झलक

मुक्त चिन्तन

शिल्प प्रदर्शनी का निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम, रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट, मनोज कुमार गौतम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, श्री अनुभव सिंह

मुक्त चिन्तन

शिल्प मेले में आए सभी हुनरकारों को विश्वविद्यालय एवं रैपिड एक्शन फोर्स की तरफ से विशेष प्रोत्साहन के लिए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट श्री मनोज कुमार गौतम ने प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

शिल्प मेला एवं प्रदर्शनी
आयोजक
दिनांक :-28 नवम्बर, 2024
आयोजन स्थल
प्रयागराज

101 RAF
PRAYAGRAJ
101 RAF
PRAYAGRAJ